पौष कृष्ण पक्ष 08, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

रांची का तापमान

कांके	रांची
अधिक. 20.5°	अधिक. 23.3°
न्यून. 03.2°	न्यून. 08.4°

रांची, शुक्रवार
12 दिसंबर 2025
वर्ष-26, अंक- 307, पृष्ठ-12
मूल्य 2 रु.

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 10

शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन केंद्र पर जमकर बरसे हेमंत सोरेन, कहा

हमारा झारखंड 25 साल का हो गया है इसको कोई डरा और डिगा नहीं सकता

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन अनुपूरक बजट के पक्ष में बोलते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्र पर जमकर हमला बोला। कोविड वैक्सीन, इंडिगो संकट, दिल्ली ब्लास्ट, घुसपैठ और देश की लचर अर्थव्यवस्था का हवाला देकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने दो टूक कहा कि झारखंड 25 साल का हो गया है, इसको कोई डरा और डिगा नहीं सकता। गैर केंद्र शासित राज्यों के साथ कैसा व्यवहार हो रहा है, यह नई बात नहीं है। झारखंड विधानसभा में सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि विपक्ष को कोई भी सवाल उठाने से पहले अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि द्वितीय अनुपूरक बजट की जरुरत क्यों है, इसको सभी जानते हैं। फिर भी विपक्ष के लोग कटौती प्रस्ताव लाते हैं। अभी तो सरकार का एक साल पूरा हुआ है। इस दौरान विकास की राह पर तेजी से चलने का प्रयास हो रहा है।

छात्रों के साथ केंद्र कर रहा है नाइंसाफी : सीएम ने कहा कि हमारी सरकार आने वाली पीढ़ी के लिए दिनरात मेहनत कर रही है। केंद्र सरकार ने अनुसूचित जनजाति बच्चों के उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप और छात्रवृत्ति योजना के आवंटन में केंद्र ने 90 प्रतिशत राशि कम कर दी है। राष्ट्रीय विदेश छात्रवृत्ति योजना में 95 प्रतिशत की कमी कर दी गई। अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रवृत्ति आवंटन में भी 40 से 63 प्रतिशत कटौती कर दी गई। मेधा और आय आधारित छात्रवृत्ति में भी 75 प्रतिशत की कमी हो गई है। तकनीकी शिक्षा संस्थानों के अनुदान में 61 प्रतिशत की कटौती कर दी। फिर ये कैसे मांग करते हैं कि राज्य में छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है।

छात्र हित में काम कर रही है हमारी सरकार : हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार गुरुजी क्रेडिट कार्ड के जरिए 15 लाख का ऋण दे रही है। सावित्री बाई फूले योजना सरकार चला रही है। सरकारी स्कूलों को प्राइवेट स्कूल की तर्ज पर खड़ा किया जा रहा है। सरकार अपने प्रयास से प्रतियोगी परीक्षा के लिए मुफ्त कोचिंग की व्यवस्था करा रही है। बेहतर प्रदर्शन के लिए शिक्षकों की भी ट्रेनिंग कराई जा रही है।

हर बड़ी घटना को किया जाता है डायवर्ट : मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि देश के विकास में झारखंड ने सबसे ज्यादा सहयोग किया है। रेलवे को यहां से सबसे ज्यादा राजस्व मिलता है। बदले में प्रदूषण, पलायन मिलता है। लोकसभा में बहस वंदे मातरम पर हो रही है। इस बहस से कितने लोगों की गरीबी खत्म होगी। कितना रोजना सृजन होगा। ये लोग वो हैं जो गरीब लोगों के मुंह से निवाला छीन लें। इंडिगो जैसी घटना में लाखों लोग प्रभावित हुए लेकिन सदन में वंदे भारत की चर्चा होती है। हर बड़ी घटना को डायवर्ट कर दिया जाता है। आज एसआईआर को लेकर अलग अलग राज्यों में जहर उगला जा रहा है। घुसपैठिए की बात की जा रही है। बॉर्डर तो भारत सरकार के जिम्मे है। अगर कोई पहचाना भी जाता है तो क्या होता है। चांदनी चौक पर बम ब्लास्ट हो गया। केमिकल को कई माह से स्टोर किया जा रहा है। लेकिन सूचना तंत्र फेल साबित हुआ।

हड़बड़ी में देश की दिशा बदलना चाह रहे है जो सही नहीं है

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कहा कि 2014 से आजतक के कार्यकाल में कभी मंदिर तो कभी मस्जिद, कभी रेल तो कभी हवाई जहाज दुर्घटना। लाखों लोग मर रहे हैं। ना जाने किस नक्षत्र में राजपाट संभाला है। हाल में पता चला कि कोविड वैक्सीन की वजह से बीमारियां तेजी से फैली हैं। ये अनुसंधान का विषय है। ये वैक्सीन सही था या नहीं। कोई अपंग पैदा हो रहा है। कोई हार्ट अटैक से मर रहा है। किसी को कैंसर हो रहा है। इससे साफ है कि हड़बड़ी में जिस तरह से देश की दिशा बदलना चाह रहे है वो अच्छा नहीं है। रिसर्च के नाम पर सन्नाटा है। देश ने क्या रिसर्च हुआ, जिसपर दुनिया गर्व करे।

हवाई जहाज वाले हवाई चप्पल पहनने को विवश

सीएम ने कहा कि देश के सुरक्षाबल आज आदिवासी इलाके में हैं। क्योंकि जंगलों को उजाड़ना है और उसे व्यापारी मित्रों को देना है। लोग आक्रोश में हैं। महंगाई को लेकर कोई चर्चा नहीं है। आर्थिक रूप से देश की स्थिति बदहाल है। हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज में चढ़ाने की बात हुई थी। क्या हुआ उसका, जो हवाई जहाज में चढ़ रहे हैं उनको हवाई चप्पल पहनने को विवश किया जा रहा है।

देश की हालिया घटनाओं के लिए कौन है जिम्मेदार

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत द्वारा निर्मित फाइटर प्लेन का प्रदर्शन चल रहा था। विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट की मौत हो गई। पूरा ठीकरा पायलट पर फोड़ा जाएगा। देश की सेना के नाम पर वोट मांगा जाता है। सेना को भी दोषी ठहराया जाता है। गोवा में इतनी बड़ी घटना हो गई। वहां काम करने वाले मजदूर मारे गये हैं। वहां भाजपा की सरकार है। रेस्टूरेंट के मालिक विदेश भाग गये। इस मामले में कुछ नहीं होगा।

शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन आरोपों की गर्मी रही विधानसभा में

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र का अंतिम दिन गुरुवार को लगातार राजनीतिक हलचल से भरा रहा। सत्र शुरू होने से पहले ही विपक्षी विधायकों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और अलग-अलग मुद्दों को लेकर सदन परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। मांडू के विधायक निर्मल महतो और बड़कागांव के विधायक रौशनलाल चौधरी विधानसभा के बाहर धरने पर बैठे। मांडू विधायक निर्मल महतो ने एक दैनिक अखबार की प्रति दिखाते हुए स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी पर स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण में कथित रूप से पाँच लाख रुपये की अवैध वसूली का गंभीर आरोप लगाया। महतो का दावा था कि यह मामला कांग्रेस विधायक ममता देवी ने सीएलपी बैठक में उठाया था और इसकी जानकारी मीडिया में भी प्रकाशित हुई है। उन्होंने कहा कि यह राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार की गहराई को उजागर करता है।

कांग्रेस विधायक ममता देवी ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सीएलपी बैठक के विषय गोपनीय होते हैं और उन्हें बाहर गलत तरीके से पेश करना अनुचित है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री पर कोई सीधा आरोप नहीं लगाया है। इसी दौरान कांग्रेस विधायक अनूप सिंह और श्वेता सिंह ने कहा कि बैठक में विधायक अपने क्षेत्रों की समस्याएं रखते हैं। ममता देवी ने भी निर्माण कार्यों से जुड़े कुछ मुद्दे सामने रखे थे, जिनका समाधान बाद में कर दिया गया। जबकि बड़कागांव विधायक रौशनलाल चौधरी विस्थापितों के मुद्दे पर सरकार को घेरते दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि पतरातु में राज्य के सबसे बड़े पावर प्लांट के निर्माण के दौरान 25 गांवों के सैकड़ों लोग विस्थापित हुए थे, लेकिन अब तक उन्हें उचित मुआवजा नहीं मिला है। चौधरी ने कहा कि विस्थापित परिवार आज भी सरकारी मदद के इंतजार में भटक रहे हैं और सरकार को तुरंत पुनर्वास व मुआवजा देने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

सीएजी की रिपोर्ट

जेएसएमडीसी के कारण हुई 70.92 करोड़ रुपए के राजस्व की हानि

रांची(हि.स.)। सीएजी की ओर से गुरुवार को जारी किए गए रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2017-22 के दौरान झारखंड में चालू बालू घाटों के लिए मान्य पट्टाधारी के रूप में झारखंड राज्यू खनिज विकास निगम (जेएसएमडीसी) को प्रक्रियाओं का पालन करना था और प्रति एकड 30 हजार रुपए की दर से लगान या हटाए गए बालू की मात्रा का स्वाममित्वा (जो अधिक हो) का भुगतान करना था। सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि जेएसएमडीसी ने राज्य के 608 बालू घाटों में से 389 घाटों को चालू करने का प्रयास किया, लेकिन केवल 21 घाटों को ही सफलतापूर्वक चला सका। इस प्रकार वर्ष 2017-22 के दौरान 368 बालू घाटों को नहीं चलाया जा सका। इस कारण 368 गैर परिचालित घाटों के कारण राज्या सरकार को नवंबर 2019 से मार्च 2022 के दौरान इन घाटों (9,782.55 एकड क्षेत्र) के लिए 70.92 करोड रुपये के राजस्व की हानि हुई। बालू की बिक्री से प्राप्त आय का एक तिहाई से अधिक किया खर्च आईटी सोल्यूशन पर सीएजी की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि झारखंड राज्य् खनिज विकास निगम ने वर्ष 2018-22 के दौरान झारखंड के केवल 22 बालू घाटों के पर हुई बालू की बिक्री से प्राप्त् आय का एक तिहाई से अधिक खर्च आईटी सोल्यूशन पर कर दिया। सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार जेएसएमडीसी ने इस अवधि में केवल 22 बालू घाटों के लिए खनन योजना को तैयार की और इसके लिए पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त की थी। लेकिन इस दौरान अधिकतम 16 बालू घाट ही चालू थे।

शेष पेज 11 पर

फैसला : सरफराज को फांसी, नौ दोषियों को आजीवन कारावास

बहराइच । यूपी के बहराइच में रामगोपाल हत्याकांड मामले में दोषियों को सजा सुना दी गई है। मुख्य दोषी सरफराज को फांसी की सजा सुनाई गई है। जबकि,आठ दोषियों को आजीवन करावास की सजा सुनाई गई। एक अन्य दोषी सैफ अली को आठ वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई है। साथ ही एक-एक लाख का जुर्माना लगाया गया है। घटना 13 अक्तूबर 2024 की है।

शेष पेज 11 पर

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं। संपर्क/व्हाट्सएप 82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क +91 82923 73444 कार्यकारी संपादक।

पुतिन की भारत यात्रा के बाद पीएम मोदी ने ट्रंप से की बात

एजेंसी । नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के कुछ दिनों बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से टेलीफोन पर बातचीत की। गुरुवार को दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा की तथा व्यापार, महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों, ऊर्जा, रक्षा और सुरक्षा क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। इस दौरान दोनों नेता साझा चुनौतियों से निपटने और साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए।

बताया गया कि दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के निरंतर मजबूत होने की सराहना की। इस दौरान पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के साझा प्रयासों में तेजी बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, ऊर्जा, रक्षा एवं सुरक्षा तथा अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग को और विस्तार देने पर भी चर्चा की।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत के बाद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ बहुत ही सौहार्दपूर्ण और सार्थक बातचीत हुई। हमने भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की तथा क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत और अमेरिका वैश्विक शांति, स्थिरता तथा समृद्धि के लिए साथ मिलकर काम करते रहेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा की और हर क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग के निरंतर मजबूत होने पर संतोष जताया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार को और मजबूत करने के संयुक्त प्रयासों में गति बनाए रखने के महत्व पर बल दिया। बातचीत के अंत में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप आपस में निरंतर संपर्क में रहने पर सहमत हुए।

- साझा वैश्विक चुनौतियों से निपटने और साझा हित आगे बढ़ाने पर चर्चा।
- द्विपक्षीय व्यापार को तेज गति से आगे बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया गया।

15 लाख की अवैध अफीम बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

गुप्त सूचना पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 3.12 किलो अफीम जब्त

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चतरा पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में गिद्धौर थाना क्षेत्र से 15 लाख रुपए मूल्य की 3.12 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की गई और दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि लोटार डैम के पास अफीम की खरीद-बिक्री होने वाली है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए एसपी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सिमरिया के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल गठित किया गया और तुरंत गिद्धौर थाना क्षेत्र के लिए रवाना किया गया।

टीम ने लोटार डैम से रोहमर जाने वाले रास्ते पर निगरानी शुरू की। इसी दौरान दो युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिए। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उन्हें दबोच लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से सफेद प्लास्टिक बैग में 3.12 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद हुई, जिसकी बाजार कीमत लगभग 15 लाख रुपए आंकी गई है।

गिद्धौर में अफीम तस्करी के दो आरोपी गिरफ्तार

तस्करों की पहचान गिद्धौर निवासी पप्पू कुमार (19 वर्ष), पिता कैलाश यादव और बबलू कुमार महतो (32 वर्ष), पिता स्व. लाटो महतो के रूप में हुई। पुलिस ने उनके पास से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए, जिनका उपयोग वे अवैध कारोबार में करते थे। बरामद अफीम की मात्रा को देखते हुए यह मामला एनडीपीएस एक्ट के तहत गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। गिद्धौर थाना में दोनों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया और पुलिस उनसे नेटवर्क एवं सप्लाई चैन की जानकारी जुटाने के लिए पूछताछ कर रही है।

हजारीबाग के डॉक्टर के घर पर एनआईए के छापे से हड़कंप

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग जिले में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब दंत चिकित्सक डॉ. जमील के आवास पर अचानक दो से तीन गाड़ियों में पहुंची पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों की टीम ने घर को चारों तरफ से घेर लिया। शुरुआती जानकारी जुटाने पर पता चला कि यह कार्रवाई राष्ट्रीय जांच एजेंसी की है, जो एक आतंकी संगठन से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में यहां पहुंची है। सूत्र बताते हैं कि यह छापा हजारीबाग में सक्रिय आतंकी नेटवर्क, उसके संपर्कों और संभावित टेरर फंडिंग मॉड्यूल की जांच का हिस्सा है। कार्रवाई की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 200 से अधिक सुरक्षाकर्मी मौके पर तैनात रहे और पूरे क्षेत्र को घेरकर पेलावल इलाके को

शेष पेज 11 पर

कोडरमा के सुजीत सिंह जम्मू कश्मीर में शहीद 6 महीने पूर्व हुई थी शादी

नवीन मेल संवाददाता

कोडरमा। झारखंड के कोडरमा जिले के मरकच्चो प्रखंड के देवीपुर निवासी सुजीत कुमार सिंह (27 वर्ष) जम्मू–कश्मीर में ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए। उनके शहीद होने की पुष्टि बड़े भाई और सीआरपीएफ जवान विकास कुमार ने की है।

जानकारी के अनुसार, सुजीत जम्मू–कश्मीर में पोस्टेड थे। बीती रात परिजनों को फोन पर अचानक सूचना मिली कि सुजीत कुमार सिंह शहीद हो गए हैं। परिजनों के अनुसार रात 9:55 बजे उनकी अंतिम बार घर से बात हुई थी, जबकि 11 बजे शहादत की खबर मिली। बताया जा रहा है कि सुजीत की लगभग छह माह पहले ही शादी हुई थी और उनकी पत्नी फिलहाल मायके में हैं। शहादत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में कोहराम मचा है और सांत्वना देने वालों की भीड़ लगी हुई है। शहीद जवान का पार्थिव शरीर देर रात तक कोडरमा पहुंचने की संभावना है। पार्थिव शरीर आने के बाद पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

कोडरमा के देवीपुर निवासी सुजीत कुमार सिंह (27) जम्मू–कश्मीर में ड्यूटी के दौरान शहीद

इंडिया: एआई से डरने का नहीं इसमें पारंगत होने का समय आ गया

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

भारत में तकनीकी क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक आई हो या नहीं पर यूपीआई से भुगतान में हम नंबर एक हैं जबकि साइबर ठगी में झारखंड भी कुख्यात है और जामताड़ा के बाद अनेक स्थानों में इसके गिरोह पकडे जा रहे हैं ऐसे में एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोग की आशंका व्यक्त की जाती रही है क्योंकि आज भी भारत की बड़ी आबादी सूचना क्रांति के सहज सुलभ कार्यों से अपरिचित होने के कारण ऑनलाइन धोखेबाजी की शिकार होती रही है । लोगों को डर है कि धोखे से उनकी आवाज या चहरे की कॉपी कर जालसाजी की जाएगी पर एआई से होने वाले फायदे की चर्चा नहीं हो रही जिससे आमदनी भी तेजी से बधाई जा सकती है । जबकि तकनीकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इकोसिस्टम में एशिया के अब तक के सबसे बड़े 1.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा और इंटेल व कॉग्निजेंट के सीईओ का प्रधानमंत्री के साथ बैठक में बड़े निवेश का संकेत देना, देश की एआई महत्वाकांक्षाओं के लिए तो अच्छी खबर है ही, हमारी तकनीकी संप्रभुता के मजबूत होने का भी संकेत है। अमेजन एवं गूगल ने भी भारत में अरबों डॉलर के एआई निवेश की घोषणा की है।ये दिग्गज कंपनियां दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाले डिजिटल बाजार में निवेश करने की होड़ में लगी हैं, तो यह केंद्र सरकार की अग्रसोची निवेशोन्मुखी नीतियों की सफलता का परिचायक कहा जा सकता है। 2026 से 2029 के बीच चार वर्षों के दौरान 17.5 अरब डॉलर के निवेश के निर्णय के साथ माइक्रोसॉफ्ट का लक्ष्य 2030 तक दो करोड़ भारतीयों को एआई तकनीक में कुशल बनाकर भारत को 'एआई-फर्स्ट' बनाना है, जिसमें दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों और महिला प्रतिभागियों का एक बड़ा हिस्सा शामिल होगा।इस निवेश से जहां देश भर में आधुनिक क्लाउड एवं एआई डाटा सेंटरों का विस्तार हो सकता है, वहीं लाखों भारतीय व्यवसायों और स्टार्टअप को उच्च रफ्तार वाली कंप्यूटिंग क्षमता हासिल हो सकती है। यही नहीं, इसके जरिये लाखों भारतीय युवाओं को एआई तकनीक में प्रशिक्षण देकर भविष्य की नौकरियों के लिए तैयार किया जा सकता है। इससे भारत की एआई क्षेत्र में संप्रभु क्षमता मजबूत होगी और महत्वपूर्ण डाटा देश के भीतर सुरक्षित रहेगा।इस वर्ष की शुरुआत में भारत दौरे पर आए माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ ने दो वर्षों में तीन अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की थी।इस वर्ष के अंत तक देश में डाटा प्रोसेसिंग करने के साथ माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट लॉन्च करने की योजना है, जो सरकार, बैंकिंग, वित्तीय सेवा, बीमा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों के लिए भारत में एआई डाटा गवर्नेंस और अनुपालन सुनिश्चित करेगा। दरअसल माइक्रोसॉफ्ट एआई, डिजिटल व्यापार और कार्यबल के प्रशिक्षण में भारत-अमेरिकी भागीदारी को मजबूत करने में अपनी भागीदारी को और गहरा करना चाहती है।इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात में कॉग्निजेंट के सीईओ रवि कुमार एस ने एआई को तेजी से अपनाने और एआई क्षमताओं और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए शिक्षा व कौशल विकास को आगे बढ़ाने पर चर्चा की, तो इंटेल कॉरपोरेशन के सीईओ लिप बू टैन ने भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में अपने निवेश को और बढ़ाने की इच्छा जताई, जिससे भारत के एआई नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में खुद को स्थापित करने के प्रयासों में तेजी आने की उम्मीद है। समय की मांग है कि हम भविष्य के भारत और झारखंड के लिए खुद को तैयार करें और एआई से डरने के बजाय उसमें पारंगत हों ताकि आनेवाली पीढ़ी का प्रतिभा पलायन न हो और इससे झारखंड भी समृद्ध होगा।

एआई जेनरेटेड

बच्चों की तस्करी का खुलासा

27 बच्चों को नेपाल ले जाकर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पश्चिम सिंहभूम जिले में 27 बच्चों को बेहतर शिक्षा और बेहतर जीवन का लालच देकर नेपाल ले जाने के आरोप की जांच पुलिस ने शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यह भी आरोप है कि बच्चों को नेपाल ले जाकर उनका धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश की गई। मामला तब सामने आया जब हाल ही में तस्करों के चंगुल से भागकर दो बच्चे अपने घर लौटे और उन्होंने अपने माता-पिता को पूरी आपबीती सुनाई। इसके बाद पुलिस हरकत में आई। पश्चिम सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक अमित रेनू ने मीडिया को बताया कि जांच के तहत एक टीम को उन दो बच्चों के गांव भेजा गया, जहां यह जानकारी मिली कि उसी गांव के 11 बच्चे लालच देकर नेपाल ले जाए गए थे। इनमें से चार बच्चे बुधवार को लौट आए, जबकि पांच बच्चे अभी भी नेपाल में फंसे हैं। एसपी ने कहा कि जिला प्रशासन उन्हें वापस लाने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रहा है। रेनू ने बताया कि जिले के अन्य हिस्सों से 16 और बच्चों के नेपाल ले जाए जाने की सूचना मिली है, हालांकि इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं हुई है।

शेष पेज 11 पर

विस का चतुर्थ शीतकालीन सत्र संपन्न, स्पीकर ने कहा

सदन में सकारात्मक संवाद की परंपरा को और मजबूत करें

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा का चतुर्थ शीतकालीन सत्र गुरुवार को संपन्न हुआ। 6 दिसंबर से 11 दिसंबर तक चले इस सत्र के समापन अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने विस्तृत रूप से सत्र की कार्यवाही और उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सत्र के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण विधायी एवं वित्तीय कार्य संपादित किए। उन्होंने शीत सत्र के दौरान सदन में हुई कुछ घटनाओं की ओर भी सदस्यों का ध्यान आकर्षित कराया। कहा- कई बार तीखी राजनीतिक बहसों के बीच कुछ कठोर या असंगत शब्दों का प्रयोग हुआ, जो हमारी संसदीय मर्यादा के अनुकूल नहीं कहा जा सकता।

कई बार तीखी बहसों के बीच कुछ कठोर या असंगत शब्दों का प्रयोग हुआ, जो संसदीय मर्यादा के अनुकूल नहीं है

लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन विचारों की कठोरता, भाषा की कठोरता में परिवर्तित न हो। यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस सत्र में हुई चर्चाएं, प्रश्नोत्तर, ध्यानाकर्षण सूचनाएं, संकल्प तथा विभिन्न विधायी प्रक्रियाएं झारखंड के विकास, को गति देने में निश्चित रूप से सहायक होंगी। उन्होंने सदस्यों से कहा कि इस सत्र की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सरकार की ओर से प्रस्तुत द्वितीय अनुपूरक बजट का पारित होना रही। इस अनुपूरक बजट में महिला एवं बाल विकास विभाग को पर्याप्त प्राथमिकता दी गई है। यह निर्णय राज्य सरकार की सामाजिक-न्याय, पोषण, महिला-सशक्तिकरण और बाल अधिकारों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। 301 प्रश्न स्वीकार किए गए स्पीकर ने कहा कि सत्र के दौरान कुल 301 प्रश्न स्वीकार किए गए, जिनमें से 121 अल्पसूचित, 148 तारांकित और 32 अतारांकित प्रश्न शामिल रहे। इनमें से अल्पसूचित 118 तथा तारांकित 147 प्रश्नों के उत्तर विभागों से प्राप्त हुए। अल्पसूचित 03, तारांकित 01 तथा अतारांकित 32 प्रश्नों के उत्तर विभागों के पास लंबित हैं। इस सत्र में कुल 129 शून्यकाल प्राप्त हुए, जिसमें से 94 सदन में पढ़ी गई। प्रश्नों के माध्यम से जनसमस्याओं को प्रभावी ढंग से सदन के समक्ष रखा गया। स्पीकर ने कहा सत्र के दौरान कुल 42 ध्यानाकर्षण सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनमें से 20 स्वीकृत हो पायीं, 12 का उत्तर सदन में प्राप्त, 01 सूचना अप्रस्तुत और 07 सूचनाएं प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण समिति को सुपुर्द की जाएंगी।

चाय बगान क्षेत्र के परिवारों की फरियाद लेकर हेमंत सोरेन तक पहुंचा प्रतिनिधिमंडल

असम में रह रहे आदिवासियों के हक व अधिकार के लिए करेंगे पहल : सीएम

- **आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा एवं अधिकारों की रक्षा के लिए हमारी सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को झारखंड विधान सभा में आदिवासी समन्वय समिति भारत (असम) ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने असम में रहने वाले आदिवासी समुदाय के विभिन्न समस्याओं एवं उनकी वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। मुख्यमंत्री के समक्ष प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यों ने कहा कि आदिवासी समुदायों के प्रति असम सरकार की उदासीनता से समाज की दुर्दशा हुई है। असम में निवास कर रहे आदिवासी समाज यहां हर क्षेत्र में निरंतर पिछड़ रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा उन्हें भरोसा दिलाया कि झारखंड सरकार असम में रह रहे आदिवासी समुदायों को उनका हक-अधिकार एवं पहचान की संरक्षा के लिए सकारात्मक पहल करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा एवं अधिकारों की रक्षा के लिए हमारी सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

मजदूरों को एसटी दर्जा व भूमि समस्या समाधान का आश्वासन

मुख्यमंत्री ने असम के चाय बागानों में काम कर रहे आदिवासियों को एसटी का दर्जा दिलाने की बात को दोहराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चाय बागानों में काम कर रहे आदिवासी समुदायों के लोगों के दैनिक वेतन में वृद्धि हो सके इस निमित्त हमारी सरकार सकारात्मक पहल करेगी तथा वहां रह रहे आदिवासियों के भूमि संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए भी कदम आगे बढ़ाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में रह रहे आदिवासी समुदाय के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास के लिए हम तत्परता और प्रतिबद्धता के साथ कदम से कदम मिलाकर उनके साथ सदैव खड़े हैं। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से कहा कि जल्द झारखंड सरकार का एक डेलिगेशन असम में रह रहे आदिवासियों की वर्तमान स्थिति से अवगत होने असम दौरे पर जाएगा। विदित हो कि अंग्रेजी शासन के दौरान झारखंड से आदिवासी समाज के परिवारों को ले जाकर असम में बसाया गया था एवं वर्तमान ने उनके साथ दोयम दर्जे का व्यवहार हो रहा है। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन जी से उनका नेतृत्व करने का आग्रह किया जिससे कि उनकी आवाज को केंद्र एवं राज्य सरकार तक पहुंचाया जा सके। मौके पर अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री चमरा लिंडा, आदिवासी समन्वय समिति भारत (असम) के जीतेन केरकेट्टा, बिरसा मुंडा, तरुण मुंडा, गणेश, अजीत पूर्ति, राजेश भूरी, बाबूलाल मुंडा, मंगल हेंब्रम सहित अन्य उपस्थित रहे।

गिरिडीह सांसद ने केंद्रीय कोयला मंत्री से की मुलाकात, कहा

पूर्णकालिक अधिकरण नहीं बनने से विस्थापितों के साथ नहीं हो रहा न्याय

- **केंदुआडीह में गैस रिसाव की ओर भी ध्यान कराया आकृष्ट**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी से मिलकर झारखंड में पूर्णकालिक अधिकरण के गठन की वकालत की। उन्होंने केंद्रीय मंत्री का केंदुआडीह व आसपास क्षेत्रों में हो रहे जहरीले गैस रिसाव, विस्थापन व पुनर्वास को लेकर भी ध्यान आकृष्ट कराया। सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने केंद्रीय मंत्री से कहा कि पूर्णकालिक अधिकरण के गठन नहीं होने से कोयला क्षेत्र की समस्याएं बनी हुई है। विस्थापितों के साथ न्याय नहीं हो पा रहा है। लंबे समय से पूर्णकालिक अधिकरण की मांग की जा रही है। देश के कई राज्यों में पूर्णकालिक अधिकरण का गठन हो चुका है, मगर झारखंड में ऐसा नहीं नहीं हो सका है। पूर्णकालिक अधिकरण नहीं होने की वजह से विस्थापित दर-दर भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि इस मांग की पूर्ति की जानी आवश्यक है। उन्होंने केंदुआडीह आसपास के क्षेत्रों में हो रही जहरीली गैस रिसाव की चर्चा करते हुए कहा की दुर्घटनाएं भी हो रही है। प्रभावित क्षेत्र के लोगों के पुनर्वास की व्यवस्था नहीं है। खनन गतिविधि पारदर्शी नहीं है। इसके कारण कई समस्याएं व परेशानियां उत्पन्न हो रही है। इस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि विस्थापितों के साथ अन्याय हो रहा है विस्थापितों का पुनर्वास अति आवश्यक है। हमारी हमारी यह मांग है कि स्थानीय स्तर पर जान, जीविका, स्वास्थ्य, सुरक्षा पर ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा झारखंड में कोयला उत्पादन काफी हो रहा है। बीसीसीएल में उत्पादन हो रहा है, हालांकि डिमांड में 20 प्रतिशत कमी आई है।

प्रदेश की नवगठित कार्यसमिति की बैठक 21 को

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हिंदी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के संवर्धन के लिए समर्पित संस्था हिंदी साहित्य भारती, झारखंड प्रदेश की नवगठित कार्यसमिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन आगामी 21 दिसंबर को राजधानी रांची में किया जाएगा। यह बैठक होटल सिटी पैलेस, सर्कुलर रोड, लालपुर में प्रातः 11:00 बजे से आयोजित होगी।

मौके पर हिंदी साहित्य भारती के राष्ट्रीय महामंत्री रामनिवास शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। उनके मार्गदर्शन से संगठन की आगामी कार्ययोजनाओं एवं साहित्यिक गतिविधियों को नई दिशा मिलने की संभावना है।

बैठक में संगठन की नवगठित कार्यसमिति का परिचय, आगामी साहित्यिक कार्यक्रमों की रूपरेखा, राज्य में हिंदी भाषा और साहित्य के प्रचार-प्रसार को लेकर रणनीति तथा संगठनात्मक सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। साथ ही प्रदेश, जिला एवं स्थानीय स्तर पर साहित्यिक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के उपायों पर भी विचार-विमर्श होगा।

आजसू नेता सतीश चंद्रवंशी के निधन पर सुदेश महतो समेत कई ने शोक जताया

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सतीश कुमार चन्द्रवंशी के निधन पर पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने शोक व्यक्त किया है। उनका देहांत कल देर रात हो गया। वह कुछ दिनों से एम्स पटना में इलाजरत थे। अंतिम संस्कार मेदिनीनगर के बेलवाटिका स्थित श्मशान घाट पर किया गया। आजसू सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, भाजपा के डाल्टेनगंज विधायक आलोक चौरसिया, आजसू विधायक निर्मल महतो, पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर विजय मेहता, बिकेश शुक्ल, उमेश उरांव सहित कई नेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की।

विस में सत्ता पक्ष और विपक्ष में हुई नोक-झोक, मंत्री ने कहा

मिलने के लिए समय नहीं देते केंद्रीय मंत्री

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र के पांचवें और अंतिम दिन गुरुवार को केंद्रीय राशि के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर नोक-झोक हुई। मामले को उठाते हुए नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार से अधिकारियों की टीम को दिल्ली जाकर मिलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से बार-बार कहा जाता है कि केंद्रीय राशि के लिए विपक्ष सहयोग करे, लेकिन जब उन्होंने इस मामले की पड़ताल की तो पता चला कि केंद्र सरकार की ओर से दी जाने वाली राशि को लेकर कुछ गाइडलाइन होते हैं जिसका पालन करना राज्य के लिए जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गाइडलाइन की जगह राज्य सरकार ने खुद की अपनी गाइडलाइन बना ली इस वजह से केंद्र और राज्य के बीच राशि को लेकर सामंजस्य स्थापित नहीं हो पा रही है। बाबूलाल ने कहा कि वे भी जब क्षेत्र में जाते हैं तो पंचायतों में मुखिया पैसे की कमी की बात कहते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति नहीं मिलने से एसटी और एससी के बच्चों को काफी परेशानी हो रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय राशि को लेने के लिए केंद्र सरकार की कुछ शर्तें होती हैं, जिसे राज्यों को पूरा करना होता है। उन्होंने कहा कि राशि को लेकर संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर या ग्रामीण विकास मंत्री या जरूरत पडे तो मुख्यमंत्री को दिल्ली जाना चाहिए और इस मामले पर केंद्रीय मंत्रियों से बैठकर मामले को सुलझाना चाहिए। इस मामले में हमसभी सहयोग को तैयार हैं। विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को किसी ने इस संबंध में गलत सूचना दी है। उन्होंने कहा कि वे 15 में वित्त आयोग के पैसे के लिए पिछले एक वर्ष से प्रयास कर रही हैं। इसे लेकर उन्होंने केंद्र सरकार को कई बार उन्होंने पत्राचार भी किया है। उन्होंने कहा कि 15 में वित्त आयोग के 2700 करोड रुपये के लिए केंद्र सरकार की ओर से शर्तें रखी गई थीं, जिसे हमारी सरकार ने पूरा किया।

नेता प्रतिपक्ष को दी गई है गलत सूचना : मंत्री

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वे सरकार की ओर से कई बार सुन चुके हैं कि 15 में वित्त आयोग की राशि केंद्र की ओर से नहीं दी जा रही है। इस पर संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष प्रश्नकाल के दौरान यह मामला उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्या यह मामला अनुपूरक बजट से संबंधित है, यदि नहीं है तो प्रश्नकाल को चलने देना चाहिए।

चाईबासा में आदिवासियों पर हुई लाठीचार्ज की उच्चस्तरीय जांच हो : आदित्य साहू

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के साथ दुर्व्यवहार करने वाले उपायुक्त पर भी हो कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू ने राज्य सभा में शून्यकाल के दौरान विगत दिनों चाईबासा में नो इंट्री लागू करने की मांग करने वाले आदिवासी भाइयों पर हुए लाठी चार्ज,आंसू गैस छोड़े जाने, निर्दोषों को जेल भेजे जाने, अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज किए जाने और पूर्व मुख्यमंत्री के साथ उपायुक्त के द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने के मामले को उठाया।जांच की मांग की।

श्री साहू ने कहा कि विगत 27 अक्टूबर को चाईबासा में पोखरिया टाटा बायपास रोड पर दिन में भारी ओवरलोडेड वाहनों के संचालन पर रोक लगाने की मांग कर रहे थे। दो वर्षों में यहां लगभग 200 लोगों की जान भारी वाहनों से कुचलकर हो गई है। यह इलाका आदिवासी बहुल इलाका है। वाहनों से परेशान सैकड़ों स्थानीय स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर भारी वाहनों का दिन में परिचालन नहीं होने की मांग की,धरने पर भी बैठे लेकिन वहां के स्थानीय विधायक और राज्य के परिवहन मंत्री ने लोगों से बात करना भी उचित नहीं समझा। न कोई पदाधिकारी आकर बातों को सुना। हद तो तब हो गई जब रात के अंधेरे में कांग्रेस पार्टी समर्थित झामुमो की सरकार ने धरना पर बैठे लोगों पर सूर्यास्त के बाद रात के अंधेर में लाठीचार्ज करवाया, आंसू गैस के गोले छोड़े गए। ऐसे में कांग्रेस पार्टी का पुराना चरित्र जो आदिवासी, दलित पिछड़ा विरोध का रहा है उजागर हुआ।

कहा कि इतना ही नहीं पुलिस प्रशासन ने 75 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया।10 पुरुष और 7 महिलाओं को रात में गिरफ्तार किया गया। 500 से अधिक अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया।

कहा कि इतना ही नहीं जब राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा उपायुक्त के पास घटना के बाद प्रतिनिधिमंडल के साथ ज्ञापन सौंपने जाते हैं तो वहां भी एक गरीब आदिवासी का बेटा पूर्व मुख्यमंत्री जिन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त है के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है।

कहा कि आखिर पदाधिकारियों का इतना मनोबल किसने बढ़ाया। ये राज्य को लूटने और गोरखधंधा करने वाले लोग हैं।

भाजपा राज्य की आदिवासी हितैषी सरकार को बदनाम करने में लगी हुई है : कांग्रेस

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद आदित्य साहू द्वारा राज्यसभा में चाईबासा की घटना को लेकर लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह से निराधार, राजनीति से प्रेरित और भ्रामक करार दिया हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह प्रयास राज्य की लोकप्रिय और आदिवासी हितैषी सरकार को बदनाम करने की एक विफल कोशिश है।

लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि चाईबासा में पोखरिया टाटा बायपास रोड पर स्थानीय लोगों की मांगें जायज थीं, लेकिन भाजपा समर्थित कुछ तत्वों ने शांतिपूर्ण विरोध को अराजकता और कानून व्यवस्था भंग करने के प्रयास में बदल दिया। प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने और किसी भी बड़े हिंसक टकराव को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए। लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग अंतिम विकल्प के रूप में, और कानून के दायरे में रहकर किया गया था, ताकि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुंचे और सड़क जल्द से जल्द बहाल हो सके।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि गठबंधन सरकार राज्य के आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्गों के हितों के प्रति पूरी तरह समर्पित है। गठबंधन का ट्रैक रिकॉर्ड भाजपा से कहीं बेहतर है। भाजपा द्वारा गठबंधन सरकार के आदिवासी विरोधी कहना हास्यास्पद और उनके राजनीतिक दिवालिएपन का सबूत है।आदित्य साहू और भाजपा अपनी चुनावी हार की निराशा को छिपाने के लिए इस घटना का राजनीतिकरण कर रहे हैं। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री (मधु कोड़ा) के साथ उपायुक्त द्वारा कथित दुर्व्यवहार का आरोप पूरी तरह से मनगढ़ंत है। प्रशासन संवैधानिक पदों पर रहे व्यक्तियों के सम्मान का पूरा ध्यान रखता है। उपायुक्त ने अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। अगर किसी को कोई शिकायत है, तो उन्हें मर्यादा में रहकर प्रशासन से संपर्क करना चाहिए। इस घटना को लेकर झूठा प्रचार करना भाजपा की गंदी राजनीति को दर्शाता है। झारखंड के कांग्रेस प्रभारी के राजू के निर्देश पर कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव , डॉ एम तौसीफ , संतानु मिश्रा 4 नवम्बर 2025 को चाईबासा ज़ाकर आंदोलनकारी से मिला था , और गिरफ़्तार लोगो क़ानूनी सलाह और आर्थिक मदद की थी ।

रेल मंत्री से मिले रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ

रांची लोहरदगा पैसेंजर ट्रेन के फेरे बढ़ाए जाने का किया आग्रह

- **रांची में रेल यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी का आग्रह**
- **रांची से सिल्ली मुरी के लिए नई मेमू ट्रेन की मांग**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने गुरुवार को नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की इस मुलाकात के क्रम में श्री सेठ ने रांची को दी जा रही रेल परियोजनाओं के लिए उनके प्रति आभार जताया और रांची में रेल यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर आग्रह पत्र भी सौंपा। अपने पत्र में श्री सेठ ने कहा कि झारखंड की राजधानी होने के कारण रांची से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री आवागमन करते हैं। कई शहरों से सीधे कनेक्टिविटी नहीं होने के कारण उन्हें बड़ी समस्या होती है। इसके समाधान हेतु विभिन्न ट्रेनों के परिचालन और फेरे बढ़ाने जैसे विषयों की तरफ सकारात्मक पहल आवश्यक है। उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि रांची से आनंद विहार को जाने वाली हटिया आनंद विहार सुपरफास्ट एक्सप्रेस (ट्रेन न.-12825/12826) का विस्तार जयपुर तक किया जाए। इससे झारखंड और राजस्थान की कनेक्टिविटी सुगम हो जाएगा। रांची से अहमदाबाद के लिए नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन शुरू किया जाए। इससे देश के कई राज्यों की कनेक्टिविटी हो सकेगी। इस ट्रेन के परिचालन से आम जनता का आवागमन भी सुगम हो सकेगा। रांची से लोहरदगा के लिए एक पैसेंजर ट्रेन चलती है। इस पैसेंजर ट्रेन के फेरे बढ़ाए जाने की आवश्यकता है, ताकि अधिक से अधिक लोग सुगम यात्रा कर सकें। इसकी मांग भी क्षेत्र की जनता लंबे समय से कर रही है। रांची, सिल्ली, मुरी के लिए भी एक नई मेमू ट्रेन के परिचालन की आवश्यकता है। प्रतिदिन इन क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान, विद्यार्थी, नौकरी-पेशा से और व्यवसाय से जुड़े रांची आवागमन करते हैं। ऐसे में नई मेमू ट्रेन का परिचालन यात्रा को और भी सुगम बनाएगा। हटिया-सांकी पैसेंजर/एक्सप्रेस का विस्तार बरकाकाना-हजारीबाग टाउन तक किया जाए। ऐसा किए जाने से आम जनता की यात्रा कम खर्चीली और सुगम हो सकेगी। बड़ी आबादी इससे लाभान्वित होगी। रक्षा राज्य मंत्री ने रेल मंत्री से रांची बनारस वंदे भारत एक्सप्रेस को सप्ताह में 3 दिन वाया बक्सर होते हुए चलाने का आग्रह किया।

राज्यसभा सांसद ने डिजिटल एड्रेस इकोसिस्टम पर उठाया प्रश्न

डिजिटल एड्रेसिंग सिस्टम को मजबूत बनाया जा रहा है : संचार राज्य मंत्री

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यसभा के शून्यकाल के दौरान गुरुवार को सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने देश में डिजिटल एड्रेस सिस्टम की विश्वसनीयता, उपयोगिता और भविष्य की योजनाओं से जुड़े एक अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा की। उनके प्रश्नों का उत्तर संचार राज्य मंत्री डॉ. चन्द्रशेखर पेमासानी ने सदन में दिया। डॉ. वर्मा ने कहा कि देश के तेजी से विकसित होते डिजिटल ढांचे के बीच राष्ट्रीय डिजिटल एड्रेस इकोसिस्टम को अधिक भरोसेमंद, सुरक्षित और प्रभावी बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने संचार मंत्रालय से कई बिंदुओं पर स्पष्ट जानकारी मांगी। इसमें डाक विभाग द्वारा डिजिटल एड्रेस इकोसिस्टम की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए हाल में उठाए गए सुधारात्मक कदम। 'एड्रेस-एज़-ए-सर्विस' मॉडल के तहत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के निर्माण की वर्तमान प्रगति एवं कार्ययोजना। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल पता कोड के मानकीकरण की स्थिति। प्रस्तावित व्यवस्था लागू होने के बाद देश को अपेक्षित लाभ शामिल है। संचार राज्य मंत्री ने उत्तर देते हुए बताया कि मंत्रालय डिजिटल एड्रेसिंग सिस्टम को अधिक मजबूत, सुरक्षित, सटीक और उपयोगकर्ता अनुकूल बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। डिजिटल पते के मानकीकरण, आधार के समान एक सार्वभौमिक डिजिटल पता पहचान तैयार करने तथा सरकारी एवं निजी सेवाओं को इस प्रणाली से जोड़ने की प्रक्रिया भी तेजी से आगे बढ़ रही है।

जो झारखंड में रहकर राज्य का हित चाहता है वह यहां का: पद्मश्री बलबीर दत्त

नवीन मेल संवाददाता। रांची

11 दिसंबर 2025 को रांची प्रेस क्लब में झारखंड निर्माण के 25 वर्ष पूरे होने पर एक संगोष्ठी झारखंड कल आज और कल विषय पर आयोजित की गई। इस संगोष्ठी में महेश पोद्दार, पद्मश्री बलबीर दत्त, रवींद्र राय और महेश शर्मा ने मुख्य वक्ता के तौर पर अपने विचार व्यक्त किए।

पद्मश्री बलबीर दत्त ने कहा कि झारखंड बनने के बाद राजनीतिक दूरदर्शिता की कमी रही। यही कारण रहा कि राज्य बनने के 25 सालों के बाद भी हम पिछड़े रहे। भविष्य के झारखंड के लिए राज्य के युवाओं को सही तरीके से निखारना होगा। यहां आदिवासी, स्थान, बाहरी भीतरी, दिकू से हमें बाहर निकलना होगा। झारखंड बनाने में गैर आदिवासियों का भी बहुत बड़ा योगदान रहा है। छत्तीसगढ़ में झारखंड से ज्यादा आदिवासी हैं, पर वहां आदिवासी गैर आदिवासी की समस्या नहीं। हालांकि 25 साल में झारखंड ने बहुत तरक्की की है, पर एक बड़ी आबादी को आज तक झारखंड बनने का कोई लाभ नहीं मिला। हमें इस आबादी के लिए काम करना होगा। आज भी झारखंड में डायन बिसाही की सबसे ज्यादा घटनाएं होती हैं। रवींद्र राय ने कहा कि गैर आदिवासियों के लिए एक मुश्किल राज्य है झारखंड। यह भविष्य के लिए राज्य को संकट में डाल सकता है। आरक्षण और नीतियों की यह खामी रही है आज हालात है कि झारखंड के दर्जन भर जिलों में गैर-आदिवासी मुखिया का चुनाव भी नहीं लड़ सकता। यह स्थिति एक आक्रोश पैदा करता है। जबकि यहां आवश्यकता है कि सभी के बीच मधुरता हो और सबों को उनका अधिकार मिले। सबों ने एक साथ झारखंड के भविष्य को लेकर चिंता भी व्यक्त की और कल के झारखंड के लिए काम करने की आवश्यकता बताई।

संगोष्ठी का संचालन सुनील सिंह बादल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन मनोज कुमार शर्मा ने किया। संगोष्ठी में आदित्य मल्होत्रा, अमृतेश पाठक, संजय सर्राफ, एपी सिंह, मनोज कुमार, विभूति शरण, राजीव थेपड़ा, अशोक कुमार साह, मोनिका गुंजन व अन्य उपस्थित थे।

युवाओं का राज्य से बाहर बसना चिंता का विषय

महेश पोद्दार : राज्य ब्रेन ड्रेन से गुजर रहा है और भविष्य अस्पष्ट सा है। राज्य से युवा निकल कर बाहर पढ़ लिख कर बस जा रहे हैं और उनके माता पिता या मजबूरीवश रहने वालों का राज्य बन गया है झारखंड। खनिज समृद्ध 25 साल बाद भी झारखंड लेबर सप्लाई वाला राज्य बन गया है। जहां पूरा विश्व नए सेक्टर और एनर्जी सेक्टर से काम कर रहा है।

महेश शर्मा : ने कहा कि रिसोर्सेस के बाद भी झारखंड का पिछड़ना दुर्भाग्य की बात है। आस्ट्रेलिया भी झारखंड की आबादी इतना ही एक खनिज संपदा से संपन्न मुल्क है लेकिन वहां लोग संपन्न और विकसित हैं। झारखंड में हार्टिकल्चर की बहुत उम्मीद है जिसपर अब तक कम काम हुआ है।

सुनील सिंह बादल : ने कहा कि व्यवसायी झारखंड में सिर्फ पैसा कमाने नहीं आते। यहां बड़े-बड़े व्यवसायियों को भी उद्योग लगाने में परेशान किया गया। हमें इस मानसिकता से निकलने की जरूरत है कि उद्योगपति झारखंड को सिर्फ लूटने ही आते हैं। उद्योगों के लगने से रोजगार भी आते हैं।

रांची पुलिस को सफलता: ब्राउन शुगर रैकेट का भंडाफोड़

5.82 लाख नगद समेत 4 गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची पुलिस ने नशीले पदार्थों के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सुखदेवनगर थाना क्षेत्र से ब्राउन शुगर के एक अंतरराज्यीय रैकेट का भंडाफोड़ किया है। रांची फूड ब्लॉग एसएसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कोतवाली डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए सुखदेवनगर थाना सेंट्रल बैंक गली स्थित अखिल मेमोरियल मार्ग से चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनमें अनिकेत और शीनू, अमित कुमार सोनी, सोनू कुमार और अनिशा कुमारी इनके पास से 5.82 लाख रुपया 33.18 ग्राम ब्राउन शुगर (बाजार मूल्य 6.60 लाख), एक महिंद्रा स्कॉर्पियो और एक स्कूटी बरामद की गई है।

कंबल में छिपाकर रखे थे 5.82 लाख रुपए

घर की तलाशी के दौरान अनिकेत की पत्नी अनीशा कुमारी उर्फ अन्नु एक कमरे में सोती हुई मिलीं। महिला पुलिस कर्मी पुष्पम कुमारी द्वारा उठाने पर अनीशा ने उठने से मना कर दिया। सख्ती बरतने पर जब उन्होंने सहयोग किया और बिस्तर से कंबल हटाया, तो पता चला कि वह अपने साथ ₹5.82 लाख रुपया नकद छिपा रखी थीं।पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि अनीशा कुमारी उर्फ अन्नु भी ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री में शामिल हैं और यह मोटी रकम ब्राउन शुगर बेचकर ही जमा की गई थी। अनिकेत सासाराम के पिंटू साह से माल लाकर घर और घूम-घूम कर बेचता था।

आधी रात को दो ठिकानों पर विशेष छापा

एसएसपी को 10 दिसंबर की रात गुप्त सूचना मिली थी कि सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री हो रही है। इस महत्वपूर्ण सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, कोतवाली डीएसपी नेतृत्व में एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने सबसे पहले सुखदेवनगर स्थित कुम्हार टोली, चूना भट्ठा के पास अमित सोनी के घर पर विधिवत छापा मारा। तलाशी के दौरान, अमित सोनी के घर के दूसरे तल पर कपड़ों के बीच छिपाकर रखी गई 20.58 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। पूछताछ में अमित सोनी ने बताया कि वह सासाराम के शाहिद नामक व्यक्ति से ब्राउन शुगर लाकर रांची में ऊंचे दाम पर बेचता है। वह वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। दूसरी कार्रवाई रातू रोड में अमित सोनी से मिली जानकारी के आधार पर, टीम ने देर रात करीब 02:30 बजे अखिल मेमोरियल गली, रातू रोड स्थित अनिकेत कुमार उर्फ शीनू के घर पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान घर में अनिकेत कुमार उर्फ शीनू और उसका भाई सोनू कुमार मिले। दोनों की तलाशी लेने पर अनिकेत के पैंट की पॉकेट से प्लास्टिक में लिपटी 10.20 ग्राम और सोनू कुमार के पैंट से 2.40 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई।

सीयूजे में भारतीय शास्त्रीय संगीत का हुआ आयोजन

पद्मभूषण व ग्रैमी पुरस्कार विजेता पंडित विश्व मोहन भट्ट ने पेश की मनमोहक प्रस्तुति

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भारतीय शास्त्रीय संगीत की सर्वोच्च परंपरा का अनूठा अनुभव कराने के उद्देश्य से झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) में स्पीक मैके के सहयोग से गुरुवार को शास्त्रीय संगीत संध्या का आयोजन किया गया। मौके पर विश्वविख्यात मोहन वीणा वादक, पद्मभूषण एवं प्रतिष्ठित ग्रैमी अवॉर्ड से सम्मानित पंडित विश्वमोहन भट्ट ने अपनी विलक्षण प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। उनके साथ बनारस घराना के प्रख्यात तबला वादक और पंडित किशन महाराज के शिष्य, हिमांशु महंत ने ताल-लयी संगत प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम गुरुवार विश्वविद्यालय परिसर में शाम 4:30 बजे से आयोजित हुआ। इस अवसर पर सीबीपी के प्रतिभागियों ने भी अपने अगले दिवस के कार्यक्रम में उनको सुना और शास्त्रीय संगीत की समझ विकसित की।विश्वभर में विख्यात पंडित विश्वमोहन भट्ट अपनी आध्यात्मिक गहराई, सुरों की नज़ाकत और मोहन वीणा की अद्वितीय ध्वनियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत को मोहन वीणा और विश्व वीणा के जरिए वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है। वहीं तबला के उभरते और प्रतिभावान साधक हिमांशु महंत अपनी सधी हुई तकनीक, सुगठित लय-कौशल और अभिनव प्रस्तुति शैली के कारण पंडितजी के साथ बराबर में संगत किया। उनकी संगीत जगत में तेजी से अपनी विशिष्ट पहचान बन रही है और दोनों कलाकारों की संयुक्त प्रस्तुति (जुगलबंदी) विश्वविद्यालय समुदाय के लिए अत्यंत दुर्लभ और अविस्मरणीय अनुभव बना। कार्यक्रम के संयोजक एवं विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, डॉ शशि कुमार मिश्रा ने बताया कि"अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पंडितजी और मोहन वीणा को सुनना विद्यार्थियों, शोधार्थियों, प्राध्यापकों एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों के लिए निःसंदेह एक अविस्मरणीय अवसर है। इतने उच्च कोटि के कलाकारों का सान्निध्य और उनकी कला का प्रत्यक्ष अनुभव सभी के लिए प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इस प्रतिष्ठित सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकगण, संगीत प्रेमियों तथा शहर के नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

युवा इनोवेटर्स ने एआई से पेश किया स्मार्ट भारत का विजन

रांची । सुरक्षित, स्मार्ट और समावेशी भारत थीम के तहत देश के छात्रों ने एआई आधारित कई समाधान प्रस्तुत किए, जिनमें महिलाओं की सुरक्षा, आपातकालीन सहायता, नेत्रहीनों के लिए नेविगेशन और ऊर्जा प्रबंधन से जुड़े नवाचार प्रमुख रहे। इस पहल को सैमसंग ने मंच प्रदान किया, जहां छात्रों ने वास्तविक समस्याओं पर केंद्रित तकनीक विकसित की। इन्हीं नवाचारों में विजेता टीम पर्सीविया रही।

निगम लोगों की स्वास्थ्य सुविधा के लिए चला रहा अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर

नवीन मेल संवाददाता। रांची

शहर में 25 जगहों पर अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर चल रहे हैं, जहां लोगों को मुफ्त प्राथमिक इलाज और दवाइयां मिल रही हैं। हर केंद्र पर एक डॉक्टर और उनकी टीम रोज मौजूद रहती है।

गर्भवती महिलाओं के लिए खास सुविधा : हर महीने की 9 तारीख को गर्भवती महिलाओं की जांच, परामर्श और दवाइयां दी जाती हैं। उन्हें सुरक्षित मातृत्व से जुड़ी जरूरी बातें भी बताई जाती हैं।

30 साल से ऊपर वालों की जांच

30 वर्ष या उससे ज्यादा उम्र के लोगों की ब्लड प्रेशर, शुगर जैसी बीमारियों की मुफ्त जांच की जा रही है।

पहले मंगलवार को टीकाकरण

हर महीने के पहले मंगलवार को टीकाकरण दिवस होता है। लोग बड़ी संख्या में आकर टीका लगवा रहे हैं। नगर निगम का कहना है कि उसका लक्ष्य है - हर नागरिक को आसान और अच्छी स्वास्थ्य सुविधा मिले, ताकि सभी लोग स्वस्थ और सुरक्षित जीवन जी सकें। आरोग्य मंदिर चल रहे हैं, जहां लोगों को मुफ्त प्राथमिक इलाज और दवाइयां मिल रही हैं। हर केंद्र पर एक डॉक्टर और उनकी टीम रोज मौजूद रहती है।

श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट ने दो निर्धन बालिकाओं की पढ़ाई का लिया जिम्मा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

● डीएवी गांधीनगर को 48 हजार एक सौ बीस रुपए का चेक सौंपा

श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट रांची एवं स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि) दिल्ली शाखा के सयुंक्त तत्वाधान में ट्रस्ट के संस्थापक और संरक्षक स्वामी सदानंद जी महाराज के आदेश से दो निर्धन जरुरतमंद कन्याओं संस्कृति पाठक एवं संम्भवी पाठक को कांके रोड स्थित गांधीनगर डीएवी स्कूल मे कक्षा 10 में एडमिशन कराने के लिए संस्कृति पाठक को 26,230/ (छब्बीस हजार दो सै तीस) एवं कुमारी संम्भवी पाठक 8 क्लास मे एडमिशन कराने के लिए- 21,890(इक्कीस हजार आठ सौ नब्बे) रुपए का चेक प्रदान किया। स्कूल को एडमिशन का तथा छह माह का फीस कुल 48 हजार एक सौ बीस का चेक दिया गया। जिससे उनका पढाई निरंतर सुचारु रूप से हो सके। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि बालिका कुमारी संस्कृति पाठक और कुमारी संम्भवी पाठक पिता स्व इन्द्रेश कुमार पाठक माता पल्लवी पाठक शांती नगर गांधी नगर कांके रोड के निवासी है। तथा विगत 6 वर्षों से गुरुजी सदानंद महाराज के सानिध्य में पढ़ाई का पूरा खर्च ट्रस्ट द्वारा दिया जा रहा है। ट्रस्ट द्वारा दोनों बालिकाओं का पूरी पढ़ाई का पूरा जिम्मा लिया गया है।आज के सेवा के इस महान प्रकल्प मे ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज कुमार चौधरी, पूरणमल सर्राफ, सज्जन पाड़िया, संजय सर्राफ के अलावे ट्रस्ट के कई सदस्य उपस्थित थे।

पेंशनधारियों को दिसंबर माह की पेंशन का हुआ भुगतान

रांची। सर्वजन पेंशन योजना अंतर्गत रांची जिला में पेंशनधारियों को दिसंबर महीने की पेंशन राशि का भुगतान कर दिया गया है। उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, श्री मंजूनाथ भजन्त्री निर्देशानुसार राज्य संपोषित सर्वजन पेंशन योजना अंतर्गत जिले में कुल 2 लाख 28 हजार 349 लाभुकों के बैंक खाते में पेंशन राशि DBT के माध्यम से ट्रांसफर कर दी गयी है। मुख्यमंत्री राज्य आदिम जनजाति पेंशन योजना, एचआईवी/एड्स पीड़ित व्यक्ति सहायतार्थ पेंशन योजना, मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना, मुख्यमंत्री राज्य निराश्रित महिला सम्मान पेंशन योजना, ट्रांसजेंडर/तृतीय लिंग के व्यक्तियों के लिए मुख्यमंत्री राज्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत लाभुकों के बैंक खाते में (एक-एक हजार रुपए) कुल 22 करोड़ 83 लाख 49 हजार की राशि का भुगतान किया गया है। राज्य संपोषित सर्वजन पेंशन योजना अंतर्गत रांची जिले में लाभुकों को इस वर्ष दिसंबर माह की पेंशन राशि का बैंक खाते में भुगतान कर दिया गया है। जिन लाभुकों को पेंशन राशि का भुगतान नहीं हुआ है, उन्हें अपने बैंक खाते से आधार सीडिंग कराना अनिवार्य है। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा योजना अंतर्गत सभी लाभुकों से अपने संबंधित प्रखण्ड/अंचल में भौतिक सत्यापन कराने का अनुरोध किया गया ताकि उन्हें योजना का लाभ निरंतर मिलता रहे।

● जिन लाभुकों को पेंशन राशि का भुगतान नहीं हुआ, उन्हें अपने बैंक खाते से आधार सीडिंग कराना अनिवार्य

रांची मास्टर प्लान 2037 व बिल्डिंग बाई-लॉज में सुधार की जरूरत: चैंबर

नवीन मेल संवाददाता। रांची

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की रियल एस्टेट, मास्टर प्लान एवं अर्बन डेवलपमेंट उप-समिति की संयुक्त बैठक चैंबर भवन में आयोजित की गई। उप समिति चेयरमैन अंचल किंगर ने कहा कि आरआरडीए से नक्शा पास की प्रक्रिया बाधित होने से रियल एस्टेट सेक्टर में अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है, जिसपर सरकार द्वारा तत्काल संज्ञान लिया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इससे पूरे निर्माण उद्योग और निवेश वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।चर्चाओं के क्रम में चैम्बर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने जल्द ही चैम्बर और क्रेडाई की संयुक्त पहल से रियल एस्टेट एक्सपो लगाने की बात कही। बैठक में रांची मास्टर प्लान 2037 एवं बिल्डिंग बाई-लॉज 2016 के कुछ प्रावधानों में संशोधन की आवश्यकता पर भी व्यापक चर्चा हुई। उप समिति चेयरमैन विकास मोदी ने कहा कि मास्टर प्लान के अनुसार प्रत्येक पाँच वर्ष में प्रावधानों विशेषकर लैंड यूज की समीक्षा का प्रावधान है, किंतु पिछले दस वर्षों से इसके प्रावधानों की समीक्षा नहीं की गई है, जबकि इस अवधि में शहर का स्वरूप और जरूरतें काफी बदल चुकी हैं। सदस्यों ने प्रत्येक वर्ष फायर एनओसी लेने के प्रावधान में संशोधन की आवश्यकता बताई और कहा कि इसे पांच वर्ष किया जाना चाहिए। सदस्यों ने भवन योजनाओं में मल्टी लेवल स्टैक पार्किंग की अनिवार्यता तथा उसकी व्यवहारिक उपयोगिता पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया। यह कहा गया कि अन्य प्रमुख महानगरों की तरह झारखण्ड में भी भवन योजना अनुमोदन प्रक्रिया में स्टैक पार्किंग को शामिल किया जाना चाहिए ताकि शहरी यातायात, पार्किंग और स्थान प्रबंधन से संबंधित समस्याओं का प्रभावी समाधान हो सके। स्मार्ट सिटी की भूमि का सीओ द्वारा म्यूटेशन नहीं किए जाने से उत्पन्न समस्याओं पर भी चर्चा हुई। कहा गया कि तकनीकी कारणों से म्यूटेशन लंबित रहने से नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से भूमि प्राप्त करने वाले निवेशकों को भी म्यूटेशन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उप समिति चेयरमैन आलोक सरावगी ने झारखण्ड में स्टांप ड्यूटी को युक्तिसंगत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स के रजिस्ट्रेशन संबंधी स्टांप ड्यूटी एवं रजिस्ट्रेशन फीस पर विभाग द्वारा स्पष्ट दिशा निर्देश जारी किए जाने की जरूरत पर भी जोर दिया।

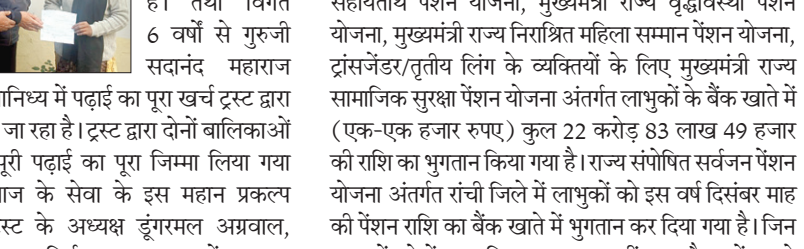

अनिल कुमार गंझू फिर बने खलारी मंडल अध्यक्ष

श्याम सुन्दर सिंह को मिला नया दायित्व

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। भारतीय जनता पार्टी खलारी मंडल में लंबे समय से चली आ रही चर्चा पर गुरुवार को विराम लग गया। पार्टी ने औपचारिक घोषणा करते हुए अनिलकुमार गंझू को एक बार फिर खलारी मंडल का अध्यक्ष मनोनीत किया है। उनके दोबारा चयन को संगठन सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। संगठन विस्तार के तहत पार्टी ने इस बार एक नया पद भी सृजित किया है। इसके तहत श्यामसुन्दर सिंह को मंडल प्रतिनिधि की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उल्लेखनीय है कि वे पूर्व विधायक समरीलाल के खलारी प्रखंड प्रतिनिधि के रूप में पहले भी सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। नई घोषणा के बाद पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। सभी ने अनिलकुमार गंझू और श्यामसुन्दर सिंह को उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। बधाई देने वालों में जिला ग्रामीण उपाध्यक्ष प्रीतमकुमार साहू, अरविंद सिंह, फुलेश्वर महतो, भरत रजक, शैलेंद्र शर्मा, जिला कार्यालय मंत्री संजीव तिवारी, शशिप्रसाद साहू, जितेंद्र पांडेय, विकास दुबे, शत्रुंजय सिंह, रामसूरत यादव, कार्तिक पांडेय, आनंद सिंह, दिनेशप्रसाद गुप्ता, रवीन्द्र मुंडा, सुबोध रजक, शिव चौधरी, नेपाल सिंह, चतुर्गुण भूईया, नागदेव सिंह, सरोजनी देवी, उदय सिंह, रवीन्द्र पासवान, सिनी समाड, अजीत पांडेय, भरत प्रजापति, अभिषेककुमार चौहान, रामबली चौहान, ममता केसरी, नीरा देवी, रामेश्वर महतो, कमलेश महतो, राजू गुप्ता, दिलीपकुमार पासवान, गणेश यादव, जफरुद्दीन अंसारी, रितेश केसरी, कृष्ण चौहान, प्रदीप ठाकुर, गणेश महतो, लालबाबू सिंह, प्रेम गंझू, कार्तिक यादव, दिलीप गंझू, कुलदीप लोहार, सुरेश साहू, मनोज जायसवाल, तुलसी मुंडा, रतनलाल, भोला गंझू और रविभूषण सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे।

बिरसा कॉलेज के शिविर में 12 यूनिट रक्त संग्रह

खूंटी। बिरसा कॉलेज खूंटी परिसर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) एवं कॉलेज प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर की शुरुआत एनसीसी की छात्राओं ने रक्तदान कर की, जिससे पूरे परिसर में सेवा और जागरूकता का सकारात्मक माहौल बना। सदर अस्पताल खूंटी की ब्लड बैंक टीम की देखरेख में कुल 12 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रोफेसर प्रतीक लुगुन सहित कई शिक्षकों और विद्यार्थियों ने रक्तदान कर युवाओं की जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का उदाहरण प्रस्तुत किया। मौके पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. चंद्र किशोर भगत, ब्लड बैंक प्रभारी आनंद उरांव, खेल प्रभारी राजकुमार गुप्ता, तथा एबीवीपी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रकाश टूटी उपस्थित थे।

ठंड से राहत पहुंचाने के लिए की गई अलाव की व्यवस्था

रांची। राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में शीतलहर और रात के तापमान में लगातार हो रही गिरावट को देखते हुए उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर राँची जिला प्रशासन ने पूरे जिले में जरूरतमंद लोगों के लिए बड़े पैमाने पर अलाव की व्यवस्था की है। जिला प्रशासन की इस विशेष मुहिम के तहत न केवल राँची शहर के सभी प्रमुख चौक-चौराहों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन परिक्षेत्र एवं रात में खुली जगहों पर सोने वाले लोगों की बस्तियों में अलाव जलाए जा रहे हैं, बल्कि जिले के सभी प्रखंडों में भी व्यापक स्तर पर यह व्यवस्था की गई है। प्रखंड मुख्यालयों, पंचायत भवन परिसरों, ग्रामीण हाट-बाजारों, धार्मिक स्थलों के पास, मजदूर चौकियों तथा बेघर एवं दिहाड़ी मजदूरों की अधिक संख्या वाले स्थानों पर नियमित रूप से अलाव जल रहे हैं। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी अंचल अधिकारियों एवं प्रखंड विकास पदाधिकारियों को पहले से ही सख्त निर्देश दे रखे हैं कि लकड़ी, कोयला की कमी किसी भी हाल में न हो। उपायुक्त ने कहा, "ठंड के इस मौसम में किसी भी नागरिक, विशेषकर बेघर, दिहाड़ी मजदूर, रिक्शा-ठेला चालक एवं रात में ड्यूटी करने वाले लोगों को परेशानी न हो, यह जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सीआईएसएफ ने लगातार 12वीं बार जीता खिताब

खलारी। देश की महत्वपूर्ण संस्थाओं की सुरक्षा में अग्रणी भूमिका निभाने वाली केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट क्षमता का परिचय दिया है। सीआईएसएफ ने 30वीं सीएपीएफएस-एनएचआरसी वाद-विवाद प्रतियोगिता-2025 में शीर्ष स्थान हासिल कर लगातार 12वीं बार यह खिताब अपने नाम किया। उक्त जानकारी एनके एरिया स्थित सीआईएसएफ यूनिट द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई। बताया गया कि प्रतियोगिता में कुल 6 सीएपीएफएस की 24 टीमों ने विभिन्न चरणों में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला नई दिल्ली स्थित अटल उद्यान भवन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में एनएचआरसी न्यायमूर्ति ए राममूर्ति मौजूद थे, जिन्होंने विजेता सीआईएसएफ टीम को ट्राफी प्रदान की। साथ ही रनर-अप टीमों को भी सम्मानित किया गया। इस वर्ष की प्रतियोगिता सीमा सुरक्षा बल द्वारा आयोजित की गई, जिसमें सीआईएसएफ अधिकारियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। असिस्टेंट कमांडेंट मयंक वर्मा ने हिंदी श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि असिस्टेंट कमांडेंट अक्षत बी. ने अंग्रेजी श्रेणी में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। हिंदी श्रेणी में दूसरा स्थान सीमा सुरक्षा बल ने और अंग्रेजी श्रेणी में दूसरा स्थान राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड ने प्राप्त किया।

कांके अंचल कार्यालय से संपर्क में परेशानी

कॉल करने पर लोगों को मिल रहा 'छुट्टी में हूं' का जवाब

नवीन मेल संवाददाता

रांची। कांके अंचल क्षेत्र के लोगों ने अंचल कार्यालय से संपर्क न हो पाने की शिकायत की है। नाम नहीं छापने की शर्त पर ग्रामीणों ने बताया कि वे भूमि-संबंधित और प्रमाण पत्र से जुड़े कार्यों को लेकर सीओ को फोन करते हैं, लेकिन कॉल रिसीव होने पर अक्सर 'छुट्टी में हूं' कहकर बात समाप्त कर दी जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि इससे जरूरी कार्य लंबित हो जा रहे हैं और लोगों को कई बार कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। ग्रामीणों के अनुसार फोन पर स्पष्ट जानकारी न मिलने के कारण यह जानना कठिन होता है कि सीओ कब उपलब्ध होंगे, जिससे आवेदनों की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अंचल कार्यालय की जनसंपर्क व्यवस्था सुधारी जाए और मोबाइल नंबर पर की गई कॉल का सही ढंग से जवाब दिया जाए।

सीओ अमित भगत का बयान

वहीं कांके के सीओ अमित भगत ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि "लोग वीआईपी कल्चर न अपनाते हुए सीधे कार्यालय आएं। मैं हमेशा कार्यालय में उपस्थित रहता हूं।" हालांकि स्थानीय लोगों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि मोबाइल नंबर पदाधिकारियों को केवल पदाधिकारियों से बात करने के लिए दिए जाते हैं या आम जनता भी उसी नंबर से सेवाएं प्राप्त कर सकती है? ग्रामीणों ने इस विषय पर स्पष्टता की आवश्यकता जताई है।

झारखंड करेगा पूर्वी जोन स्कूल बैंड प्रतियोगिता की मेजबानी

रांची में होगा सुर-लय का संगम

- **पूर्वी जोन स्कूल बैंड प्रतियोगिता की मेजबानी मिलना झारखंड के लिए गौरव का विषय है। यह केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि बच्चों में अनुशासन, समरसता,ताल–लय और राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करता है**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के तत्वाधान में इस वर्ष पूर्वी जोन स्कूल बैंड प्रतियोगिता का आयोजन रांची में किया जाएगा। राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता के अंतर्गत झारखंड को इस बार जोनल स्तर की मेजबानी का महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ है, जो राज्य की बढ़ती खेल-सांस्कृतिक क्षमता एवं उत्तम आयोजन प्रबंधन का प्रतीक है। प्रतियोगिता का आयोजन 14–15 दिसंबर 2025 को मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, खेलगांव, रांची में बड़े पैमाने पर किया जाएगा। झारखंड को पूर्वी जोन की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी सौंपी गई है, जिसमें पूर्वी भारत के कुल 11 राज्यों की स्कूल बैंड टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा,अरुणाचल प्रदेश,असम, मेघालय,मणिपुर,मिजोरम, नगालैंड,त्रिपुरा तथा सिक्किम शामिल हैं। जोनल के चार विजेता टीम को राष्ट्रीय स्कूली बैंड प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिलेगा। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी सह आयोजन सचिव धीरसेन ए. सोरेंग ने बताया कि पूर्वी जोन स्कूल बैंड प्रतियोगिता की मेजबानी मिलना झारखंड के लिए गौरव का विषय है। यह केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि बच्चों में अनुशासन, समरसता,ताल–लय और राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने का मंच है। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद सभी राज्यों की टीमों के स्वागत के लिए पूरी निष्ठा से तैयार है और हम इस आयोजन को उत्कृष्ट, सुरक्षित एवं प्रेरक वातावरण में सम्पन्न करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए सभी तैयारी कार्य तीव्र गति से प्रारंभ कर दिए गए हैं। आगंतुक सभी टीमों के लिए आवास,भोजन,सुरक्षा,परिवहन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की सुव्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। परिषद का लक्ष्य है कि यह आयोजन उच्च स्तर, सुसंगठित और प्रेरणादायी रूप में सम्पन्न हो।

साथ ही यह आयोजन न केवल प्रतिभागी विद्यार्थियों की प्रतिभा, अनुशासन, सामंजस्य और ताल-लय को प्रदर्शित करेगा, बल्कि झारखंड की सांस्कृतिक विरासत एवं आयोजन क्षमता को भी राष्ट्रीय मंच पर उजागर करेगा। राज्य सरकार को विश्वास है कि यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों में देशभक्ति, टीमवर्क और सामूहिकता की भावना को और सशक्त करेगी।

मानवाधिकार की सार्वभौमिक घोषणा की 75वीं वर्षगांठ पर कार्यक्रम आयोजित

खूंटी। इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स एसोसिएशन झारखंड प्रदेश के तत्वावधान में खूंटी निरीक्षण भवन परिसर में मानवाधिकार की सार्वभौमिक घोषणा की 75वीं वर्षगांठ पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव सह जज राजश्री अपर्णा कुजूर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। रांची जिला अध्यक्ष शंकर शंभु राजेश और लोहरदगा जिला अध्यक्ष रामजी कुमार मुंडा ने मुख्य अतिथि को शॉल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश महासचिव तपन कुमार घोष ने की। अपने संबोधन में जज राजश्री अपर्णा कुजूर ने कहा कि संविधान द्वारा प्रदत्त मानवाधिकारों की रक्षा सर्वोपरि है और उनका हनन किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं। उन्होंने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकार आमजन को निःशुल्क कानूनी सलाह और सहायता उपलब्ध करा रहा है, इसलिए लोगों में जागरूकता जरूरी है। उन्होंने सरकार से आयोग को सक्रिय करने की मांग की। कार्यक्रम में पश्चिमी सिंहभूम जिला अध्यक्ष डॉ. पी.के. विश्वास और खूंटी जिला अध्यक्ष सुदामणी देवी को मुख्य अतिथि की ओर से सम्मानित किया गया। मौके पर विभिन्न जिलों के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एसआईएच 2025 में बीआईटी मेसरा की टीम ने दर्ज की जीत

रांची। बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा की टीम 'विंटर इज़ आवर्स' ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2025 के ग्रैंड फिनाले में विजय हासिल की है। यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता शिक्षा मंत्रालय और एआईसीटीई द्वारा आयोजित की गई थी। टीम का नेतृत्व कृष रस्तोगी ने किया, जबकि टीम में दक्ष क्वेरा, प्रत्याषा पलित, प्रशुन राज, अदनान आदिल और इशान सिंह शामिल थे। टीम को डॉ. आनंद प्रसाद सिन्हा और डॉ. विशाल एच. शाह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के लिए टीम ने एक एआई-संचालित केंद्रीकृत प्लेटफ़ॉर्म विकसित किया, जिसका उद्देश्य पीएम-अजय योजना), सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत लाभार्थी पहचान और वित्तीय समावेशन जैसी महत्वपूर्ण चुनौती का समाधान प्रदान करना था। इस प्लेटफ़ॉर्म में स्वचालित लाभार्थी पहचान एल्गोरिदम, दिव्यांगजन के लिए एआई-आधारित फॉर्म भरने की सुविधा, और वॉइस-कमांड आधारित वेबसाइट एक्सेस जैसी प्रमुख सुविधाएँ शामिल हैं। 36 घंटे तक चले इस राष्ट्रीय हैकाथॉन में तीन चरण थे, जिनमें प्रत्येक चरण में मेंटरशिप और जूरी मूल्यांकन शामिल था। टीम के नवोन्मेषी और प्रभावशाली समाधान ने उन्हें देशभर की प्रतिस्पर्धी टीमों के बीच शीर्ष स्थान दिलाया।

डीएवी हेहल में प्रतियोगिता आयोजित

प्रथम स्थान आनंद स्वामी सदन को मिला

नवीन मेल संवाददाता

रांची। डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल की प्राथमिक शाखा में गुरुवार को कक्षा 3 से 5 के विद्यार्थियों के बीच अंतर-सदनीय इंग्लिश कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना, अंग्रेज़ी उच्चारण में निपुणता लाना तथा साहित्यिक अभिरुचि का विकास करना था। चारों सदनों के प्रतिभागियों ने अत्यंत प्रभावी मंच कौशल, स्पष्ट उच्चारण, सुगठित अभिव्यक्ति तथा मनमोहक प्रस्तुति के साथ प्रसिद्ध अंग्रेज़ी कविताओं का वाचन कर दर्शकों की सराहना प्राप्त की। बच्चों की रचनात्मकता और तैयारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। प्रतियोगिता का मूल्यांकन वरिष्ठ शिक्षिकाओं अनुपमा रानी एवं रंगना बनर्जी द्वारा किया गया। निर्णायकों ने वॉइस मॉड्यूलेशन, स्पष्टता, प्रस्तुति एवं संपूर्ण प्रभाव के आधार पर अंक प्रदान किए और बच्चों के उत्साह की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आनंद स्वामी सदन, द्वितीय स्थान दयानंद सदन व तृतीय स्थान श्रद्धानंद सदन को मिला।

राहत | सीओ के निर्देश पर चौक-चौराहों पर हुई अलाव की व्यवस्था

राहगीरों व स्थानीय लोगों को ठंड से मिली राहत प्रशासन की हुई सराहना

नवीन मेल संवाददाता

सिल्ली/मुरी। कड़ाके की ठंड से लोगों को राहत दिलाने के उद्देश्य से अंचल अधिकारी अरुणिमा एक्का के निर्देश पर प्रखंड क्षेत्र के प्रमुख चौक-चौराहों पर अलाव जलाने की व्यवस्था शुरू कर दी गई है।शाम ढलते ही विभिन्न स्थानों पर अलाव जलाए जा रहे हैं, जहां स्थानीय लोग आग तापते हुए आपस में चर्चा और परिचर्चा करते नजर आए।शाम को झारखंड मोड़ चौक पर भी अलाव स्थल के आसपास लोगों की भीड़ देखने को मिली। उपस्थित ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ठंड बढ़ने के साथ ऐसी व्यवस्था बेहद जरूरी हो जाती है, जिससे स्थानीय लोगों को काफी राहत मिलती है।प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि पूरे शीतकाल में प्रमुख चौक-चौराहों पर नियमित रूप से अलाव जलाए जाएंगे, ताकि कोई भी जरूरतमंद ठंड से परेशान न हो।सीओ अरुणिमा एक्का ने उन स्थानों पर विशेष रूप से अलाव उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है, जहां जरूरतमंद, दिहाड़ी मजदूर, प्रवासी राहगीर और बेघर लोग अधिक संख्या में रहते या गुजरते हैं। संबंधित कर्मचारियों को लगातार निगरानी रखने का निर्देश भी दिया गया है, ताकि व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

न्यूज बॉक्स

10 जनवरी को बड़कीटांड में मनाई जाएगी नीलातांबर -पीतांबर जयंती

खलारी। वीर शहीद नीलाम्बर-पीताम्बर की जयंती इस वर्ष भी खलारी प्रखंड के बड़कीटांड में 10 जनवरी को धूमधाम से मनाई जाएगी। इसे लेकर गुरुवार को नीलाम्बर पीताम्बर जन कल्याण समिति की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता बिगनसिंह भोगता ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि हर वर्ष की परंपरा की तरह इस बार भी जयंती समारोह उत्साहपूर्वक और गरिमामय तरीके से मनाया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समिति द्वारा विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। गांव में व्यापक प्रचार-प्रसार, आपसी सहयोग और सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। जयंती समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा, साथ ही पारंपरिक खोड़हा टीमों को भी प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करने पर सहमति बनी। अगली समीक्षा बैठक 21 दिसंबर को बड़कीटांड में आयोजित की जाएगी। बैठक का संचालन रामलखन गंझू ने किया। बैठक में विश्वनाथ गंझू, धनराज भोगता, अमृत भोगता, मनोज गंझू, प्रभाकर गंझू, बुल्ला गंझू, सोहराई गंझू, दामोदर गंझू, शिवदयाल गंझू, बिगना गंझू, भोला गंझू, जगदीश गंझू, रोहित गंझू, जीतन गंझू, बीरेंद्र गंझू, आनंद गंझू, बालेश्वर गंझू, सूरज भोगता, अजय कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सिल्ली के तीरंदाज नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप में करेंगे प्रतिभा का प्रदर्शन

सिल्ली/मुरी। बिरसा मुंडा तीरंदाजी एकेडमी के खिलाड़ी सीनियर नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए गुरुवार देर शाम हैदराबाद रवाना हुए।कोच प्रकाश राम ने बताया कि यह प्रतियोगिता 11 से 18 दिसंबर तक हैदराबाद में आयोजित की जाएगी,जिसमें झारखंड तीरंदाजी टीम के रूप में एकेडमी के कई प्रतिभावान खिलाड़ी शामिल हुए हैं।इंडियन राउंड में वर्षा खलको और तमन्ना चौधरी,कंपाउंड राउंड में मधुमिता कुमारी एवं अनीता कुमारी,जबकि रिकर्व राउंड में सुरभि पाल और आदित्य राय राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।खिलाड़ियों के प्रस्थान के मौके पर एकेडमी के संरक्षक एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो, अध्यक्ष नेहा महतो, गूंज परिवार के संयोजक जयपाल सिंह,ब्रजेश प्रसाद समेत स्थानीय खेल प्रेमियों ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और बेहतर प्रदर्शन की आशा जताई।

भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

मांडर। भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन में गुरुवार को दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का विषय " ग्लोबल पर्सपेक्टिवस एंड प्रेक्टिसेस इन ट्रांसफॉर्मिंग नर्सिंसः वर्ल्डवाईड स्कोप एंड अर्पोचुनिटिज", था। इस कार्यक्रम में सभी व्याख्याताओं ने अपना-अपना विचार व्यक्त कर उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं प्रतिभागियों को लाभान्वित किया। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक भाग लिए। कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष छवि सिन्हा, सचिव नितिन परासर, शैक्षणिक सचिव दीपाली परासर, इंस्टीच्यूशन के डीन डॉ० उपेन्द्र उपाध्याय एवं उप-प्राचार्या निहारिका श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में प्रो० डॉ० सुदेश कुमार साहू, डी०एस०डब्लू० (राँची विश्वविद्यालय,) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए थे। सेमिनार में प्रो० डॉ० सुदेश कुमार साहू, डीएसडब्लू (राँची विश्वविद्यालय) आर० कृष्णावेनी, अंजला गाड़ी, रश्मि तिर्की, गोपाल तिर्की, प्रतिमा कुजूर, सुषमा कुमारी, मो० अब्दाल अन्सारी, चिरंजीव कुमार, मोनिका बाड़ा, पूर्णिमा कुमारी, लवकुश कुमार, अर्पणा कुमारी, संगीता कुमारी, शशिभूषण जायसवाल, मनीषा कुमारी, तुलसी दास, सहित अन्य मौजूद थे।

बकरी बाजार में अतिक्रमण अभियान 25 से अधिक अवैध ढांचे तोड़े गए

रांची। रांची नगर निगम की इनफोर्समेंट टीम ने आज बकरी बाजार स्थित निगम धर्मशाला के आसपास बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। काफी समय से वहां अवैध रूप से बनी अस्थायी दुकानें और झुग्गी-झोपड़ियां खड़ी थीं। निगम टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी अवैध संरचनाओं को हटाया और पूरी जमीन को खाली कराया। इस कार्रवाई में 25 से ज्यादा अवैध ढांचे तोड़े गए। निगम ने साफ कहा है कि शहर की सार्वजनिक जगहों और निगम की जमीन पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आगे भी ऐसे अभियान लगातार चलेंगे।

महिला सम्मेलन ने जगन्नाथ मंदिर में पांच जोड़ों का कराया गया विवाह

रांची। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन रांची शाखा ने जगन्नाथपुर के प्रभु जगन्नाथ मंदिर के परिसर मे पांच जोड़ों का सामूहिक विवाह आचार्यों एवं पंडितों द्वारा पूरे विधि- विधान, मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया गया। सामूहिक विवाह समारोह मे रांची, खूंटी, लोहरदगा, गुमला जिले के वर- वधुओं में दिलीप स्वासी संग सैथी सांगा, मतियस तिर्की संग मटिलदा होरो, अभय सिंह विछिया संग सोनी कुमारी, अभय लोहरा संग पुजा तिर्की , गेंदा संगा संग रानी सोरों परिणय सूत्र में बंधे। यह आयोजन पिछले कई वर्षों से अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरा बथवाल के आह्वान पर होता आ रहा है। नीरा बथवाल ने कहा कि सामूहिक विवाह समारोह में समाज मे समानता सादगी और एकता का प्रतीक बन गया है। तथा अब तक 50 से भी अधिक जोड़ों का विवाह कराया जा चुका है। इस बार भी पांच कन्याओं का विवाह किया गया,
सामूहिक विवाह समारोह मे दूल्हा दुल्हन के कपड़े, चुनरी, कुर्ती, नाइटी,बेड, कोट पैंट ,तकिया, गद्दा, फोल्डिंग बेड ,1 महीने का राशन, घड़ी, केसरोल, स्वेटर, शॉल, मच्छरदानी, कंबल, बर्तन का सेट,जग, मग, बाल्टी, टब, बाथरूम का किट, पाटा, कुर्सी, टेबल, रामचरित मानस,आयरन, अटैची, बैग, मेकअप का सामान अन्य कई सामग्रियां संस्था की तरफ से दी गई।

दुलमी के युवाओं के लिए खेल के मैदान का निर्माण महत्वपूर्ण कदम होगा : सुधीर मंगलेश

- खेल मैदान विकास से बोगई सहित पूरे प्रखंड में खेल संस्कृति को नई दिशा मिलेगी तथा स्थानीय प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध होगा

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। दुलमी प्रखंड के बोगई में स्थानीय विधायक ममता देवी के निर्देश पर दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश ने प्रखंड स्तरीय खेल मैदान हेतु अंचल प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थल का गुरुवार को निरीक्षण किया। सुधीर मंगलेश ने कहा कि दुलमी प्रखंड क्षेत्र के युवाओं के लिए खेल मैदान का निर्माण एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इससे बच्चों और युवाओं को खेलकूद के बेहतर अवसर मिलेंगे, जिससे वे जिले, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित कर सकेंगे। व आगे की प्रक्रिया हेतु विधायक ममता देवी अतिशीघ्र पहल कर आग्रह किए। ओर ग्रामीणों की एकजुटता, अंचल कार्यालय की सक्रियता और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से यह सपना जल्द ही साकार हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि खेल मैदान विकास से बोगई सहित पूरे प्रखंड में खेल संस्कृति को नई दिशा मिलेगी तथा स्थानीय प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध होगा। खेल मैदान निर्माण की दिशा में यह प्रयास तभी सफल होगा जब ग्रामीणों की एकजुटता, अंचल कार्यालय की सक्रिय भूमिका तथा जनप्रतिनिधियों के सतत सहयोग का संगम होगा।

संयुक्त प्रयासों से बोगई में एक सशक्त और गुणवत्तापूर्ण खेल परिसर तैयार किया जा सकेगा, जो क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी।

झारखंडी एकता संघ मजदूरों के लिए बना मसीहा: विनोद

बरकट्ठा। झारखंडी एकता संघ मुम्बई प्रवासी मजदूरों के लिए मसीहा बनकर सामने आया है। संघ के राष्ट्रीय सचिव विनोद प्रसाद गरीबों व जरुरत मंदों के लिए निःस्वार्थ भाव से सेवा में जुटे रहते हैं। पैतृक गांव ग्राम सलैया बरकट्ठा पहुंचे विनोद प्रसाद ने बातचीत में अपनी बातों को रखा। उन्होंने बताया कि प्रवासी मजदूरों और झारखंड के लोगों की मदद के लिए संघ कई तरह से काम कर रहा है। प्रवासी मजदूरों के लिए विनोद प्रसाद के द्वारा किये जाने वाले कामों में मुख्य रूप से किसी भी घटना दुर्घटना के शिकार हुए व्यक्ति के शव को सहयोग राशि एकत्रित कर रांची भिजवाने, प्रवासी मजदूरों के लिए आवास और भोजन की व्यवस्था में मदद करने, झारखंड के विकास के लिए झारखंड सरकार के साथ मिलकर काम करने का प्रयास करने तथा झारखंडी एकता संघ मुंबई के द्वारा आयोजित झारखंड दिवस कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाने के अलावा कई अन्य कार्य शामिल हैं। झारखंडी एकता संघ मुंबई के राष्ट्रीय सचिव के रूप में विनोद प्रसाद प्रवासी मजदूरों और झारखंडियों के लिए अब किसी परिचय का मोहताज नहीं हैं।

न्यूज बॉक्स

अध्यक्ष पद व कार्यकारिणी समिति का चुनाव निर्विरोध संपन्न

रामगढ़। रोटरी क्लब ऑफ रामगढ़ के सत्र 2026-27 एवं 27-28 के अध्यक्ष पद और कार्यकारिणी समिति के लिए चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ। चुनाव समिति के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने विजय उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की। वर्ष 2026-27 सत्र के लिए अध्यक्ष रोटेरियन राजेश मोदी को एवं सत्र 2027-28 के अध्यक्ष रोटेरियन विजय कुमार को चुना गया। वहीं, सत्र 2026- 27 की कार्यकारिणी समिति में आईपीपी रोटेरियन संजय कुमार अग्रवाल , उपाध्यक्ष रोटेरियन संजय जैन ,सचिव रोटेरियन आशीष दास , कोषाध्यक्ष रोटेरियन संजय शर्मा। वहीं, निदेशकों में रोटेरियन निलांजन दत्ता, रोटेरियन कमलेश्वर सिंह, रोटेरियन अनिल गर्ग, रोटेरियन सुरेश बौंदिया व रोटेरियन राहुल जैन शामिल है। चुनाव समिति के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने उम्मीदवारों को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया और शुभकामनाएं दी। क्लब के अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल व सचिव विजय कुमार ने शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न करवाने के लिए चुनाव समिति के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष डीपी सिंह, कमलेश्वर सिंह, राहुल जैन, अनिल गर्ग, राजेंद्र जैन, सुरेश बौंदिया, राजेश मोंी आदि उपस्थित थे।

विश्विवद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग में वन्यप्राणी संरक्षण दिवस मनाया गया

रामगढ़। 10 दिसंबर को राधा गोविंद विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग में विश्व वन्यप्राणी संरक्षण दिवस मनाया गया। रामगढ?। इस कार्यक्रम में जंतु विज्ञान विभाग के छात्र- छात्राओं ने काफ़ी उत्साह से हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वन्यजीवों की रक्षा की जानकारी,उनके महत्व के प्रति जागरूक फैलाना और अवैध शिकार तथा तस्करी को रोकना है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वन्यप्राणी हमारे अमूल्य धरोहर हैं और इनके संरक्षण के लिए हमें हर संभव प्रयास करना चाहिए। सचिव प्रियंका कुमारी अपने संबोधन में सभी को वन्यजीव संरक्षण दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।और कहा कि वन्यजीव हमारे पर्यावरण एवं परस्थिति तंत्र के लिए अत्यंत जरूरी है। कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रकृति को सुरक्षित रखेगा। विभागाध्यक्ष डॉ सत्यप्रकाश ने पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन द्वारा वन्यप्राणी संरक्षण विषय पर व्याख्यान दिया । संचालन विभाग के व्याख्याता डॉ अपराजिता सोनी ने किया। कार्यक्रम में क्विज, पेंटिंग प्रतियोगिता और भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार, विज्ञान संकाय के सभी विभागाध्यक्ष, व्याख्यातागण एवं छात्र -छात्राएं उपस्थित रहे। इसी तरह हमेशा कार्यक्रम आयोजित होते रहे, इसी संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया ।

ग्रामीणों ने विद्यालय के रसोईया पर चोरी करने का लगाया आरोप

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय गंगटियाही के रसोइया मसो0 अनीता देवी पर ग्रामीणों और शिक्षक ने एमडीएम का सामान चोरी करने को लेकर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी बरकट्ठा को आवेदन दिया है।जिसमें उन्होंने कहा है कि रसोईया एमडीएम का सामान चोरी करके ले जा रही थी, तभी ग्रामीण और बच्चों ने देख लिया। इसके बाद रसोईया के द्वारा एक विनोद नाम के व्यक्ति को बुलाकर शिक्षकों के साथ काफी अभद्र व्यवहार करवाई और बोलने लगी कि मैं झूठा मुकदमा में आप सभी को फंसा दूंगी।इस संबंध में रसोईया ने कहा कि यह सब आरोप झूठा है,मुझ पर जानबूझकर साजिश के तहत यह सब आरोप लगाया जा रहा है।ऐसी कुछ भी बात नहीं है। वहीं इस संबंध में विद्यालय के प्रधानाध्यापक भीखन प्रजापति ने चोरी करने का मामला को सही बताया तथा विभाग को आवेदन देते हुए मामले की जांच पड़ताल कर उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

विधायक के निर्देश पर कार्यकर्ताओं ने बिरहोर कॉलोनी में कंबल का किया वितरण

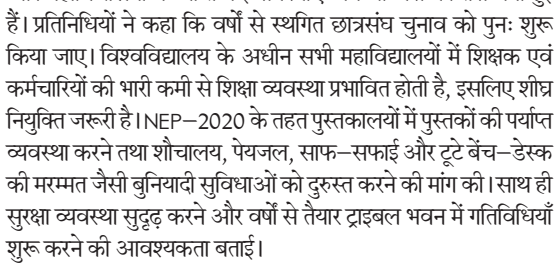

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बिरहोर कॉलोनी धरहरा,बरकट्ठा में विधायक अमित कुमार यादव के निर्देश पर भाजपा के मंडल पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं द्वारा दर्जनों बिरहोरों के बीच ठंड को देखते हुए कंबल वितरण किया गया। कंबल पा कर उक्त समुदाय के लोग काफी खुश नजर आए तथा विधायक को साधुवाद दिया। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष परमेश्वर साव, महामंत्री वीरेंद्र शर्मा, मंत्री छोटी लाल प्रसाद, युवा मोर्चा अध्यक्ष टिंकू प्रसाद, मुखिया सुमन कुमार, राजकुमार साव,संजय प्रसाद ,सुरेश प्रसाद ,सत्यम भारती समेत अन्य लोगों उपस्थित थे।

18 सूत्री मांगों को लेकर कुलपति से मिला एबीवीपी का प्रतिनिधिमंडल

हजारीबाग। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विनोबा भावे विश्वविद्यालय इकाई के प्रतिनिधि मंडल ने सोमवार को कुलपति से मुलाकात कर अठारह सूत्री मांग पत्र सौंपा। परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन लंबे समय से छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को उठाता आ रहा है, लेकिन विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में व्याप्त कई समस्याएँ अब भी जस की तस बनी हुई हैं। प्रतिनिधियों ने कहा कि वर्षों से स्थगित छात्रसंघ चुनाव को पुनः शुरू किया जाए। विश्वविद्यालय के अधीन सभी महाविद्यालयों में शिक्षक एवं कर्मचारियों की भारी कमी से शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होती है, इसलिए शीघ्र नियुक्ति जरूरी है। NEP–2020 के तहत पुस्तकालयों में पुस्तकों की पर्याप्त व्यवस्था करने तथा शौचालय, पेयजल, साफ–सफाई और टूटे बेंच–डेस्क की मरम्मत जैसी बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त करने की मांग की। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने और वर्षों से तैयार ट्राइबल भवन में गतिविधियाँ शुरू करने की आवश्यकता बताई।

बीएफटी के प्रतिनिधिमंडल ने दीपिका पांडेय से की मुलाकात

बरकट्ठा। मनरेगा में कार्यरत बेयरफुट टेक्नीशियन (बीएफटी) संघ का प्रतिनिधिमंडल विधायक अमित कुमार यादव के नेतृत्व में झारखंड ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय से मुलाकात किया। संघ ने मौके पर अपनी लंबित मांगों को लेकर मंत्री को एक मांग पत्र सौंपा। जिसमें बताया कि झारखंड सरकार की मार्गदर्शिका (एन) 2867 के अनुसार बीएफटी कर्मियों को प्रतिमाह केवल 20 कार्य दिवस का ही मानदेय दिया जाता है, जबकि वास्तविकता में उन्हें पूरे माह विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों में लगना पड़ता है। संघ ने कहा कि मनरेगा कार्यों के अलावा उन्हें सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव, कोविड 19 महामारी के दौरान दायित्व तथा विभागीय अधिकारियों द्वारा दिए गये अन्य निर्देशों का निष्ठा से पालन करना होता है। इसके बावजूद उन्हें सिर्फ 20 दिनों की मजदूरी ही दी जाती है, जो उनके श्रम के अनुपात में अपर्याप्त है। बताया कि 477.84 रुपये की दर से भुगतान तो हो रहा है. लेकिन वर्ष 2024 एवं 2025 का पुनरीक्षित दर अब तक लागू नहीं किया गया है। मंत्री से कार्य दिवस को 20 दिनों से बढ़ाकर मासिक करने, वर्ष 2024 एवं 2025 की पुनरीक्षित मानदेय दर लागू करने, व्यक्तिगत सुरक्षा बीमा एवं स्वास्थ्य बीमा का लाभ प्रदान करने, मनरेगा कर्मियों को मिली 30% मानदेय वृद्धि का लाभ बीएफटी कर्मियों को भी देने की मांग शामिल है। मौके पर दिलीप दास, संतोष शर्मा, त्रिवेणी प्रसाद, रमेश चंद्र सिंह, अजय कुमार उपस्थित थे।

उपायुक्त ने किया पतरातू प्रखंड का दौरा कई परियोजनाओं का किया निरीक्षण

डीसी ने विद्यालय में फिल्ट्रेशन प्लांट लगाने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज ने गुरुवार को पतरातू प्रखंड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पतरातू, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतरातू सहित अन्य परियोजनाओं का निरीक्षण किया। दौरे के क्रम में सर्वप्रथम उपायुक्त ने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पतरातू का निरीक्षण किया। मौके पर उन्होंने बालिकाओं से सीधा संवाद करते हुए उन्हें विद्यालय के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों से भी बच्चों के शिक्षा संबंधित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इस दौरान उपायुक्त के द्वारा विद्यालय में फिल्ट्रेशन प्लांट लगाने का निर्देश दिया गया। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पतरातू के उपरांत उपायुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतरातू का निरीक्षण किया। मौके पर उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। उपायुक्त के द्वारा केंद्र के माध्यम से आम जनों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। वहीं उपायुक्त ने स्वास्थ्य केंद्र पर उपस्थित मरीजों से भी कई विषयों पर चर्चा की एवं इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए। दौरे के क्रम में उपायुक्त के द्वारा पतरातू प्रखंड कार्यालय के समीप नवनिर्मित 100 बेड के प्रीफैबरीकेटेड अस्पताल का निरीक्षण किया गया। मौके पर उपायुक्त के द्वारा भवन का निरीक्षण करते हुए भवन को हैंडोवर करने का निर्देश अधिकारियों को दिया गया वहीं अस्पताल का संचालन शुरू कर आम जनों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इन सबके अलावा दौरे के दौरान उपायुक्त द्वारा प्रखंड सह अंचल कार्यालय पतरातू का भी निरीक्षण किया गया। प्रखंड सह अंचल कार्यालय के कमरों का निरीक्षण करते हुए कार्यालय के माध्यम से प्रतिदिन बड़ी संख्या में विभिन्न कार्यों से आने वाले आम जनों को लाभान्वित करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी पतरातू मनोज कुमार गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

13 दिसंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

ऋणधारकों को मिलेगी बड़ी राहत किसानों के ऋण का होगा निबटारा : बीएम

नवीन मेल संवाददाता

बरही। 13 दिसंबर को व्यवहार न्यायालय हजारीबाग में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है, जो जिले के किसानों, बैंक ग्राहकों और बकायेदारों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। बैंक ऑफ इंडिया बरही शाखा के प्रबंधक राकेश कुमार रंजन ने बताया कि इस लोक अदालत में एनपीए (खराब) खातों और पुराने क्रेडिट कार्ड मामलों का त्वरित और सरल निपटारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोक अदालत ऐसा मंच है जहां बैंक, न्यायालय और ग्राहक एक साथ बैठकर बिना किसी अतिरिक्त खर्च और जटिल प्रक्रिया के तुरंत निर्णय लेते हैं। उन्होने बताया कि जिन किसानों का केसीसी खाता एनपीए हो चुका है, वे इस लोक अदालत या शाखा में जाकर वन टाइम सेटलमेंट के माध्यम से अपने खाते का निपटारा कर सकते हैं। कई किसान पूरी राशि जमा करने में सक्षम नहीं होते, ऐसे किसान टोकन राशि जमा करके 90 दिनों का समय भी प्राप्त कर सकते हैं। इससे उनका सिविल स्कोर सुधरेगा और भविष्य में ऋण प्राप्त करना आसान होगा। निपटारा होने के बाद वे दोबारा नया ऋण और नया केसीसी लेने के लिए पात्र हो जाएंगे। शाखा प्रबंधक ने यह भी बताया कि जिन खातों में एक वर्ष से लेकर तीन वर्ष या उससे अधिक समय से बकाया है, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। तीन महीने से अधिक समय से विलंबित खाते भी लोक अदालत में निपटारे योग्य माने जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों के हित में सरकार द्वारा केसीसी की सीमा 1 लाख से बढ़ाकर 2 लाख रुपये करने का प्रस्ताव है, जिससे किसानों को अधिक सुविधा मिलेगी। किसानों के लिए खुशी की बात है कि अब 1 लाख रुपये तक के केसीसी ऋण के लिए अब एलपीसी (भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र) की आवश्यकता नहीं होगी। सभी ऋणधारकों और किसानों से अपील की कि वे 13 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अवश्य पहुंचे और अपने पुराने खातों का निपटारा कर भविष्य की बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठाएं।

भारत हमेशा से तिब्बत की संस्कृति का समर्थक रहा है: गंगाधर दुबे

हजारीबाग। बुधवार को जैन भवन बड़ा बाजार में विश्व मानवाधिकार दिवस एवं परम पावन दलाई लामा को शांति का नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुए 36 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन भारत तिब्बत मैत्री मंच ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद भारत तिब्बत मैत्री मंच के अध्यक्ष सुदेश कुमार चंद्रवंशी ने सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत तिब्बती परंपरा के अनुसार खतक उड़ा कर किया। मंच की ओर से यह सम्मान अतिथियों को तिब्बती संस्कृति और भारत-तिब्बत के ऐतिहासिक संबंधों की मजबूती का प्रतीक बताया गया। मौके पर राकेश वर्मा, शैलेश चंद्रवंशी,राजन वर्मा,महेंद्र ठाकुर, भोला भगत, वीरेंद्र भगत, मनीष चौरसिया, रंजीत चौरसिया, मीरा मेहता, तरुण गुप्ता, श्याम तुलसी गुप्ता, विजय राम चंद्रवंशी, ममता चंद्रवंशी, एस के सिंह, देवेंद्र जैन, अतिशय जैन एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

तीन दिवसीय स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस मनाय जायेगा

हजारीबाग । 23 दिसंबर 1926 को दिल्ली में स्वामी श्रद्धानंद को गोली मारकर हत्या की गयी थी। स्थानीय चतरा शहर के बगरा रांची रोड किशनपुर में शुद्धि आंदोलन चलाकर लाखों विधर्मी हुए सनातनियों की घर वापसी में अग्रणी भूमिका निभाने वाले अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस और प्रांतीय आर्य महासम्मेलन मनाने की तैयारी को लेकर सनाया होटल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह महत्वपूर्ण बैठक झारखंड राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान आचार्य कौटिल्य की अध्यक्षता आयोजित की गई। जिसमें आर्य समाज चतरा, किसुनपुर, बेलगड्डा के प्रतिनिधियों के अलावा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद्, बजरंग दल, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद्, आर्य वीर दल, झामुमो, राजद, बीजेपी, हिन्दू वाहिनी, हिन्दू राष्ट्र संघ एवं अन्य सामाजिक संगठनों के कई प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में गिरधारी प्रसाद आर्य, धर्मेंद्र शाह,संजय प्रसाद आर्य, पंकज शाह, सत्यदेव प्रसाद आर्य, नवीन शाह,ओम प्रकाश आर्य, हरिहरदेव आर्य, डॉ देवदत्त आर्य, अनिल कुमार आर्य, बालेश्वर शास्त्री, धर्मेंद्र शास्त्री, दयानंद प्रसाद आर्य, केदार प्रसाद आर्य ,ललिता देवी, सुषमा देवी आर्य, सीता देवी आर्य, मंदूर साहू, रामकुमार साहू ,संतोष आर्य, विशुनदेव आर्य विशेष रूप से उपस्थित रहे।

तार टूटकर गिरने से लगी आग

आसपास मचा हड़कंप किसी के हताहत की कोई भी सूचना नहीं

बरकट्ठा। बरकट्ठा बाजार में गुरुवार को फल दुकान के पर बिजली एलटी तार टुट कर गिरने से आग लग गई।आग लगने से आसपास में हड़कंप मच गया। बिजली का तार अचानक टूटकर यशोदा मसोमत पति स्व. लोकनाथ साव के फल दुकान पर गिर गया और चिंगारियाँ उड़ने लगीं। जिससे दुकान में आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने पूरे दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तार गिरने के तुरंत बाद बिजली विभाग में फोन कर बिजली कटवाया गया। आग लगने से फल व सब्जी की टोकरियां जल गई। स्थानीय लोगों ने पानी डालकर आग बुझाया ।वहीं घटना की जानकारी पूर्व मुखिया बसंत साव को दी। उन्होंने घटनास्थल पहुंचकर बिजली विभाग के जेई से बातकर मामले की जानकारी दी । वहीं गरीब को उचित मुआवजा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि बाजार रोड में जब कवर तार लग चुका है तो पुराने को अभिलंब हटाया जाए और ग्यारह हजार लगे तार में पुर्व की तरह तार के नीचे जाली लगाया जाए। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन दुकान में रखा हजारों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। दुकान मालिक ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने कई बार ढीले तारों की शिकायत की थी, पर कार्रवाई नहीं हुई।

बड़कागांव से कई कुशवाहा समाज के लोग महासभा रांची के धरना में हुए शामिल

बड़कागांव। झारखंड कुशवाहा महासभा द्वारा आयोजित ओबीसी आरक्षण को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत पुनः लागू करने की मांग को लेकर राजभवन के समक्ष आयोजित एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन में केन्द्रीय कुशवाहा समाज कर्णपुरा क्षेत्र के अध्यक्ष सोहनलाल मेहता के नेतृत्व में बड़कागांव एवं केरेडारी से हजारों की संख्या में कुशवाहा समाज के लोग शामिल हुए। अपने हक व अधिकार को लेकर आवाज बुलंद की।

कार्रवाई

आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वायत्त सहकारी समिति ने डीसी को सौंपा शिकायती पत्र

परीक्षा रद्द करने पर अब तक कोई निर्णय नहीं : डीपीएम

- जिससे परीक्षा देने वाले अभ्यर्थी हतोत्साहित हैं । इन लोगों ने उच्चाधिकारियों सहित उपायुक्त से मामले की उचित जांच करवाते हुए दोषियों पर कारवाई करने की मांग की है

नवीन मेल संवाददाता

बरही। आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वायत्त सहकारी समिति लिमिटेड ने उपायुक्त को शिकायत पत्र सौंप कर बीपीएम जेएसएलपीएस पर बीओडी (बोर्ड ऑफ डायरेक्टर) सदस्यों ने गंभीर आरोप लगाया है । आरोप है कि जेएसएलपीएस बीपीएम केदार प्रजापति और बीओडी सदस्य अपनी पहुंच अपनी प्रभाव का उपयोग कर सीएलएफ की आंतरिक परीक्षाओं को बाधित करने और कुछ परीक्षार्थियों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया। साथ हीं परीक्षा की गोपनीयता को भंग कर पारदर्शिता से संपन्न हुए परीक्षा को पुनः करवाने के लिया उच्चाधिकारियों को लगातार भ्रमित किया गया। जिससे परीक्षा देने वाले अभ्यर्थी हतोत्साहित हैं । इन लोगों ने उच्चाधिकारियों सहित उपायुक्त से मामले की उचित जांच करवाते हुए दोषियों पर कारवाई करने की मांग की है । शिकायत पत्र पर प्रीति कुमारी, हेवंती देवी, जैनब खातून, शगुफ्ता नाज़, नसबून निशा, कविता देवी आदि बीओडी सदस्य के हस्ताक्षर हैं ।

बीपीएम ने कहा : आरोप निराधार और बेबुनियाद है । परीक्षा के दिन वह हड़ताल पर थे । अभ्यर्थियों ने परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायत की है । कुछ अभ्यर्थी को प्रश्नपत्र भी नहीं मिले थे तो कुछ को पहले ही प्रश्नपत्र दिए गए थे । परीक्षा की सूचना स्थानीय पदाधिकारियों को भी नहीं दी गई थी । इस कारण अभ्यर्थियों ने पूर्ण पारदर्शिता के साथ पुनः परीक्षा आयोजन की मांग की हैं।

डीपीएम ने कहा : मामले के संबंध में डीपीएम कुमार दिव्य दीप सिंह ने बताया कि बीते 29 नवंबर को पूर्ण पारदर्शिता के साथ जिला अधिकारियों की उपस्थिति में बरही सीएलएफ में मैनेजर और एमआईएस पदों की रिक्तियों के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। जिसमें अंकित कुमार को परीक्षा प्रभारी और बीबी–सेन को सहायक नियुक्त किया गया था। परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से पूरी हुई और उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन के बाद संबंधित विभाग को सूचना दी जा चुकी है । परीक्षा रद्द होने संबंधित कोई निर्णय अब तक नही लिया गया है । उच्चाधिकार्यो के निर्देशानुसार आगे की कारवाई की जायेगी ।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से सुभाषिनी कुल्लू को 2 लाख का भुगतान डीसी ने किया

● बैंक ऑफ महाराष्ट्र, सिमडेगा शाखा से राशि का वितरण

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। बैंक ऑफ महाराष्ट्र की सिमडेगा शाखा द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत नामांकित लाभार्थी सुभाषिनी कुल्लू को 2,00,000 रुपये की बीमा राशि प्रदान की गई। लाभ राशि का वितरण उपायुक्त कंचन सिंह के हस्तों से किया गया।कार्यक्रम में अंचल प्रबंधक रांची अंचल शिखा कुमारी चौधरी, अपर समाहर्ता सिमडेगा, शाखा प्रबंधक तथा अन्य उपस्थित गणमान्य लोग मौजूद रहे।उपायुक्त ने जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत समय पर लाभ राशि उपलब्ध कराने के लिए बैंक ऑफ महाराष्ट्र की सराहना की और कहा कि इस प्रकार की पहल सामाजिक सुरक्षा को मजबूत बनाती है।अंचल प्रबंधक ने कहा कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहा है और आगे भी इसी प्रतिबद्धता के साथ जनता की सेवा करता रहेगा।

डीसी ने जनता दरबार में सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

सिमडेगा। उपायुक्त कंचन सिंह की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुँचकर अपनी समस्याएँ रखीं। उपायुक्त ने प्रत्येक आवेदक की बात ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना है।जनता दरबार में ग्रामीणों द्वारा सड़क निर्माण, विद्यालय संचालन से जुड़े अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं होने, गुलजार गली स्थित स्टेडियम के पास बनाए गए कचरा डंपिंग यार्ड को हटाने, राशन दुकान परिवर्तन, भरण-पोषण भत्ता उपलब्ध कराने जैसी समस्याएँ प्रस्तुत की गईं। साथ ही मैरिज सर्टिफिकेट पर पंचायत सचिव द्वारा हस्ताक्षर नहीं करने, सहायक आचार्य नियुक्ति पत्र की जटिलताओं, अबुआ आवास योजना के लाभ, होमगार्ड में बॉन्ड भरने से वंचित रखने, सड़क चौड़ीकरण के दौरान भूमि अधिग्रहण मुआवजा, बंद बैंक खाते चालू कराने, विधवा पेंशन उपलब्ध कराने तथा पारिवारिक विवाद जैसे मामलों पर भी शिकायतें दर्ज की गईं।उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों का शीघ्र निपटारा करते हुए लाभुकों को उचित सहायता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और विभागों को जनहित से जुड़े मामलों में प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करनी होगी।जनता दरबार में अपर समाहर्ता ज्ञानेन्द्र, जिला पंचायती राज पदाधिकारी दयानंद कार्जी, जिला परिवहन पदाधिकारी संजय बखला, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज बॉक्स

सरकारी दर से धान का मूल्य और बढ़ाते हुए समय पर करें धान का क्रय : विधायक

सिमडेगा। विधायक भूषण बाड़ा ने लैम्पस के माध्यम से धान की खरिदारी समय पर शुरु करने एवं धान का सरकारी दर बढ़ाने की विधानसभा सत्र में मांग की है। विधायक ने सत्र के माध्यम से सवाल पूछते हुए कहा कि क्या यह बात सही है कि जिले में सरकारी स्तर पर अब तक धान की खरीदारी नहीं हो पाई है। साथ ही पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के खुदरा बाजार में अधिक मूल्य प्राप्त होता है। जबकि जिले के लैम्पसों में धान की कीमत कम मिलता है एवं भुगतान में भी काफी बिलंब होती है। विधायक ने कहा कि क्या यह बात सही है कि जिले में धान क्रय केन्द्र की भारी कमी है, जिस कारण धान क्रय करने में किसानों को भारी कठिनाई होती है। विधायक ने जिले में धान क्रय केन्द्र बढ़ाने एवं हर साल समय पर धान की खरीदारी शुरु कराने तथा सरकारी दर पर धान का मूल्य बढ़ाने को लेकर सरकार द्वारा क्या विचार किया जा रहा है इस पर भी सवाल पूछा है। इसपर सरकार द्वारा बताया गया कि जिले के 16 धान अधिप्राप्ति केन्द्र में 15 दिसंबर से धान की खरीदारी शुरु होगी। वहीं धान अधिप्राप्ति योजना के तहत पुरे राज्य में भारत सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 रुपये प्रति क्विंटल एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त 2450 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किसानों को एकमुश्त एवं त्वरित भुगतान की व्यवस्था की गई है।

ठेठईटांगर में 20 दिसंबर को क्रिसमस गैदरिंग सह सांस्कृतिक कार्यक्रम

● मुख्य अतिथि होंगे नमन विक्सल कोंगाड़ी और भूषण बाड़ा

ठेठईटांगर। प्रखंड मुख्यालय स्थित खेल मैदान में आगामी 20 दिसंबर, गुरुवार को एक दिवसीय क्रिसमस गैदरिंग सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की जानकारी समिति के अध्यक्ष मेनोन लकड़ा ने दी।उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे सामूहिक चर्च प्रार्थना से होगी। दोपहर 12 बजे चरणी आशीष, दोपहर 1 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत होगी, जिसमें मंदार नृत्य, नगाड़ा नृत्य, झांकी, बच्चों का क्रिसमस डांस सहित कई आकर्षक प्रस्तुतियां शामिल रहेंगी। शाम 6 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।रात्रि 7 बजे से विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जिनमें गीत, नृत्य और स्थानीय पारंपरिक कला मुख्य आकर्षण होंगे। कार्यक्रम में भाग लेने वाले कलाकारों में पवन पंकज, सुमन गुप्ता, संजू मुंडा, गायत्री कच्छप, मनीषा लाकड़ा और गोपाल भगत शामिल रहेंगे, जबकि मंच संचालन श्रवण लाल द्वारा किया जाएगा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी और सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा उपस्थित रहेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में झामुमो नेता अनिल कडुलना कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे।

क्रिसमस को शांतिपूर्ण बनाने को लेकर कुरडेग में बैठक आयोजित

कुरडेग। थाना परिसर में गुरुवार को शांति समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें स्थानीय गणमान्य लोग और समिति सदस्य उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी नैमन कुजूर ने की। मंच पर अंचल अधिकारी किरण डांग, इंस्पेक्टर कुरडेग तथा जिप उपाध्यक्ष सोनी पैंकरा मौजूद थे।बैठक में बीडीओ ने कहा कि क्रिसमस का त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे युवाओं को शराब से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। साथ ही प्रखंड क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री पर सख्त कार्रवाई करने की बात कही। सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन हेतु जागरूक करने की भी अपील की गई। उपस्थित लोगों ने भी त्योहार के दौरान अवैध शराब की बिक्री रोकने की मांग रखी।क्रिसमस के दौरान होने वाले गैदरिंग और धार्मिक कार्यक्रमों को लेकर सुरक्षा के दृष्टिकोण से जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी संतोष कुमार ने कहा कि क्रिसमस प्रेम और भाईचारे का पर्व है, इसलिए इसे शांति और सद्भाव के साथ मनाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि शराब सेवन और हुड़दंग करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। त्योहार और नए वर्ष के दौरान पुलिस चौबीसों घंटे मुस्तैद रहेगी ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

ठेठईटांगर में क्रिसमस पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

ठेठईटांगर। थाना परिसर में गुरुवार को क्रिसमस पर्व के मद्देनज़र शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व अंचलाधिकारी कमलेश उरांव, प्रखंड विकास पदाधिकारी नूतन मिंज और थाना प्रभारी रमेश कुमार झा ने संयुक्त रूप से किया। पदाधिकारियों ने उपस्थित धर्म प्राचार्यों से चर्च परिसर में सुरक्षा के मद्देनज़र सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया तथा पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की।थाना प्रभारी रमेश कुमार झा ने प्रखंडवासियों से अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने तथा सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने की बात कही। उन्होंने कहा कि वाहन चालाते समय सभी वाहन दस्तावेज सही रखें और शराब पीकर वाहन न चलाएं। नियमित वाहन जांच अभियान के दौरान ब्रेथ एनालाइजर से जांच की जाएगी। शराब पीकर वाहन चलाते पकड़े जाने पर 10,000 रुपये जुर्माना सहित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने किसी भी तरह की समस्या पर तुरंत थाना को सूचित करने की अपील की, ताकि समय पर समाधान किया जा सके।बैठक में जिला परिषद सदस्य कृष्णा बड़ाईक, प्रखंड प्रमुख विपिन पंकज मिंज, जीप अध्यक्ष अजय एक्का, सलगापोस और पंडरीपानी चर्च के धर्म प्राचार्य, मेनोन लकड़ा, मोहम्मद अलाउद्दीन, विजय ठाकुर, संजय प्रसाद, रतन सिंह सहित विभिन्न गणमान्य लोग उपस्थित थे।

किसान अमन रोहित को मिला राष्ट्रीय सम्मान

केरसई। प्रखंड के भंडारा टोली निवासी प्रगतिशील किसान अमन कुमार रोहित को "मिलेनियम फार्मर ऑफ इंडिया अवार्ड" से सम्मानित किया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा (दिल्ली) में 7 से 9 दिसंबर तक आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यक्रम में देशभर से चयनित किसानों को यह सम्मान प्रदान किया गया। झारखंड से कुल 20 किसानों का चयन हुआ, जिनमें केरसई के अमन रोहित भी शामिल रहे। कृषि क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, उन्नत तकनीक के प्रयोग और बेहतर आय के लिए उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान मिला। कार्यक्रम में आधुनिक कृषि तकनीक, स्टार्टअप, मार्केटिंग और उद्यमिता पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। अमन रोहित की यात्रा, आवास और अन्य व्यवस्थाएँ टीआरएआई संस्था द्वारा वहन की गईं। राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलने से क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

विधायक ने मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के सुचारु संचालन की उठाई मांग

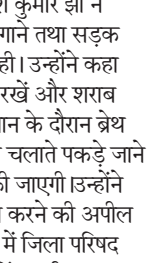

सिमडेगा। सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत जिले मंअ पायलट योजना का सुचारु रुप से संचालन कराने की मांग की है। विधायक ने अल्प सूचित प्रश्न के माध्यम से सरकार से पूछा है कि क्या यह बात सही है कि मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत राज्य के एसटी, एसी, ओबीसी, ईबीसी, एमबीसी माईनोरीटी लोगों के स्वरोजगार के लिए पायलट योजना संचालित है। लेकिन इन वर्गों के बेरोजगार युवाओं के लिए स्वरोजगार स्वावलंबन गठित होता जा रहा है। सरकार इस महत्वकांक्षी योजना का सुचारु रुप से संचालन करने का कब तक करने का विचार रखती है। इस पर सरकार द्वारा विधायक के सवाल को स्वीकारात्मक बताते हुए कहा कि इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना अंतगर्त आदिवासी कल्याण आयुक्त को 160 करोड़ का आवंटन दिया गया है। योजना का सुचारु रुप से क्रियान्वन हेतु पात्र लाभुकों को स्वरोजगार के उद्देश्य से लोन सह सहायता अनुदान दिया जाता है।

प्राधिकार ने जरूरतमंदों के बीच बांटे कंबल, ठंड से राहत देने की पहल

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिले में बढ़ती ठंड के बीच जरूरतमंद और असहाय लोगों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा गुरुवार शाम भट्टीटोली स्थित सामुदायिक भवन में कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान गरीब, जरूरतमंद और बेसहारा लोगों के बीच कंबल वितरित किए गए। वितरण कार्य प्राधिकार सचिव मरियम हेमरोम और असिस्टेंट एलएडीसीएस सुकोमल की उपस्थिति में संपन्न हुआ।कार्यक्रम के दौरान सचिव मरियम हेमरोम ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकार का उद्देश्य केवल कानून की जानकारी देना नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों को भी मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि कड़ाके की ठंड में कोई भी व्यक्ति बिना सुरक्षा के न रहे, यही इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। प्राधिकार का दायित्व है कि सहायता समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। आने वाले दिनों में भी जरूरतमंदों की पहचान कर उन्हें कंबल, गर्म कपड़े और अन्य आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध कराई जाएंगी।उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि किसी जरूरतमंद की जानकारी हो तो प्राधिकार को अवगत कराएं, ताकि समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। कंबल पाकर लाभार्थियों ने राहत महसूस की और जिला विधिक सेवा प्राधिकार की इस पहल की सराहना की।मौके पर मो. साजिद, विकास कुमार, पारा लीगल वॉलंटियर्स एस सरफराज, पुनिता, शुभम सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

शिक्षकों का वेतन बंद करना अव्यावहारिक मानसिक प्रताड़ना के समान : जिला अध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ जिला इकाई सिमडेगा की बैठक जिला अध्यक्ष प्रेम कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक की शुरुआत महासचिव संजय कुमार ने उपस्थित शिक्षकों का स्वागत करते हुए की तथा एमडीएम के तहत वेतन बंद, मातृत्व अवकाश, सहायक आचार्य की पोस्टिंग, क्षतिपूर्ति अवकाश, फिटमेंट टेबल, ऑडिट प्रक्रिया, सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान एवं राज्य प्रतिनिधि सूची सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा कराई।बैठक में उपस्थित शिक्षकों ने सर्वसम्मति से डीएसई द्वारा एमडीएम एसएमएस नहीं करने पर वेतन रोकने की प्रक्रिया का विरोध किया। शिक्षकों का कहना था कि कई विद्यालयों में महीनों से एमडीएम की राशि नहीं मिली है, ऐसी स्थिति में शिक्षक अपनी निजी राशि से या उधार लेकर एमडीएम संचालन कर रहे हैं। इसके बावजूद मात्र दो–तीन दिन एसएमएस नहीं भेजने पर वेतन बंद करना अव्यवहारिक और मानसिक प्रताड़ना है।जिला अध्यक्ष ने कहा कि जिले के अनेक विद्यालय शिक्षक विहीन हैं तथा कई विद्यालय एकल शिक्षक के सहारे चल रहे हैं। ऐसे में शिक्षकों पर रिपोर्ट, प्रशिक्षण और बैठकों का अत्यधिक दबाव शैक्षणिक कार्य को प्रभावित करता है। उन्होंने नव नियुक्त सहायक आचार्यों की पोस्टिंग शिक्षक विहीन एवं एकल शिक्षकीय विद्यालयों में प्राथमिकता के आधार पर ऐच्छिक करने की मांग उठाई।महासचिव संजय कुमार ने फिटमेंट टेबल पर जानकारी देते हुए कहा कि सरकार हाई कोर्ट में केस हार चुकी है, इसलिए सभी शिक्षकों का नया फिक्सेशन अनिवार्य है। यदि सरकार अपील में जाती है तो संगठन मजबूती से पक्ष रखेगा।शिक्षकों ने 21 जून को घोषित अवकाश के बावजूद मनाए गए योग दिवस के बदले क्रिसमस पर क्षतिपूर्ति अवकाश देने की मांग भी की। बैठक में निर्णय लिया गया कि शीघ्र ही डीएसई से मिलकर समस्याओं के समाधान की मांग की जाएगी, अन्यथा उपायुक्त से मुलाकात की जाएगी।

क्रिसमस को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। आगामी क्रिसमस पर्व को लेकर सिमडेगा थाना परिसर में गुरुवार को दोपहर 2 बजे शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात रंजन ज्ञानी ने की। इस दौरान ईसाई समुदाय के सबसे बड़े पर्व क्रिसमस के दौरान होने वाली तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में बताया गया कि 24 और 25 दिसंबर को जिले के विभिन्न गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना और अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। वहीं कंबाइंड क्रिश्चियन यूथ एसोसिएशन द्वारा 17 दिसंबर को शहर में क्रिसमस कार्निवल यात्रा निकाली जाएगी। इसी दिन शाम 4 बजे अल्बर्ट एक्का स्टेडियम मैदान में क्रिसमस गैदरिंग सह मेला की शुरुआत होगी, जिसका समापन 19 दिसंबर को झारखंड के ख्याति प्राप्त कलाकारों की प्रस्तुति के साथ होगा।अधिकारियों और शांति समिति के सदस्यों ने पर्व को शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। साथ ही भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश साझा किए।

राज्य स्तरीय कार्यशाला में सम्मानित हुआ ठेठईटांगर जेंडर रिसोर्स सेंटर

नवीन मेल संवाददाता

ठेठईटांगर। दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के सिमडेगा जिले के ठेठईटांगर प्रखंड स्थित जेंडर रिसोर्स सेंटर को राज्य स्तरीय कार्यशाला में उत्कृष्ट एवं प्रभावशाली कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी द्वारा संचालित जेंडर अभियान के अंतर्गत महिलाओं के अधिकार, सामाजिक न्याय और लिंग आधारित भेदभाव के उन्मूलन की दिशा में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों को देखते हुए प्रदान किया गया।केंद्र द्वारा महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा, घरेलू हिंसा के मामलों में हस्तक्षेप, सामाजिक जागरूकता, समुदाय में लिंग समानता और संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए लगातार पहलें की गईं। स्थानीय महिला समूहों, किशोरियों, युवाओं और समुदाय के विभिन्न वर्गों को जोड़ते हुए चलाए गए जागरूकता अभियानों से क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिले हैं।ठेठईटांगर जेंडर रिसोर्स सेंटर ने बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह रोकथाम, दहेज प्रथा उन्मूलन, महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर प्रशिक्षण, बैठकें, रैलियां और जनजागरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किए हैं। जिले में जेएसएलपीएस के अंतर्गत कुल 5 प्रखंडों में जेंडर रिसोर्स सेंटर संचालित हैं। अब तक 581 मामलों में से 471 पोर्टल पर दर्ज किए गए और 217 मामलों का सफल निष्पादन हुआ है। घरेलू हिंसा के 276 मामले पोर्टल में दर्ज हैं।विशेष रूप से ठेठईटांगर प्रखंड में 280 मामलों का पंजीकरण हुआ, जिनमें से 221 मामलों को पोर्टल पर दर्ज किया गया है। यह आंकड़ा केंद्र की तत्परता और तकनीकी दक्षता का प्रमाण है। उपायुक्त कंचन सिंह ने कहा कि जेंडर रिसोर्स सेंटर ने महिला अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। जिला प्रशासन भविष्य में भी ऐसे प्रयासों को सहयोग प्रदान करता रहेगा।

14 को क्रिसमस गैदरिंग सह मिलन समारोह का आयोजन

बानो। बानो प्रखंड के जयपाल सिंह मुंडा खेल मैदान में सर्व कलीसियाई समिति सर्किल बानो, कोलेबिरा और जलडेगा की अगुवाई में 14 दिसंबर, रविवार को सुबह 11 बजे से क्रिसमस गैदरिंग सह मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीएनआई चर्च डायोसिस ऑफ छोटानागपुर के राइट रेव. बी.बी. बास्के उपस्थित रहेंगे।विशिष्ट अतिथि के रूप में तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया, कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी और सिसई विधायक जिग्गा सुसारन होरो कार्यक्रम में शामिल होंगे। समारोह में विभिन्न कलीसियाओं की ओर से नृत्य और भजन-गीत की प्रस्तुति दी जाएगी।कौली मुखिया कृपा हेमरोम के नेतृत्व में समूह द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत नगाड़े की थाप पर किया जाएगा।

बीडीओ ने कस्तूरबा विद्यालय में उपस्थिति व भोजन गुणवत्ता की जांच की

नवीन मेल संवाददाता

बानो। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बानो में गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी नैमुदिन अंसारी ने औचक निरीक्षण किया। बीडीओ ने छात्राओं की उपस्थिति, शिक्षण व्यवस्था और मेनू आधारित भोजन की गुणवत्ता की विस्तृत जांच की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वयं चावल और सब्जी देखकर भोजन की पौष्टिकता का जायजा लिया।विद्यालय में 439 छात्राओं में से 63 छात्राओं के बीमारी के कारण अवकाश पर पाए जाने की जानकारी दी गई। बीडीओ ने विद्यालय में कम उपस्थित, अपूर्ण पाठ योजना और साफ–सफाई सहित विभिन्न अव्यवस्थाओं पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि शिक्षण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बीडीओ नैमुदिन अंसारी ने विद्यालय को सामग्री एवं खाद्य आपूर्ति करने वाली सप्लायर एजेंसी को आदेश दिया कि छात्राओं को समय पर स्वच्छ, गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को व्यवस्था दुरुस्त करने तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

क्रिसमस 2025 क्रिसमस और नव वर्ष को लेकर कोलेबिरा थाना में शांति समिति की बैठक आयोजित

त्योहारों में शांति बनाए रखने की अधिकारियों ने अपील की

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा थाना परिसर में गुरुवार को क्रिसमस पर्व और आगामी नव वर्ष को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी हर्ष कुमार साह ने की। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष रोस प्रतिमा सोरेंग, एसडीपीओ बैजू उरांव, प्रखंड प्रमुख दुतामी हेमरोम, अंचल निरीक्षक संजीवन बड़ाईक, कोलेबिरा व टुटीकेल पंचायत के मुखिया, पूर्व सांसद प्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और प्रखंड के विभिन्न पारिश से आए पल्ली पुरोहित व फादर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।बैठक में क्रिसमस 2025 और नव वर्ष 2026 के दौरान शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। एसडीपीओ बैजू उरांव ने कहा कि क्रिसमस प्रेम और भाईचारे का त्योहार है, इसलिए सभी लोग आपसी सौहार्द के साथ पर्व मनाएं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अफवाह या भ्रामक पोस्ट नहीं फैलाने की अपील की। जिला परिषद अध्यक्ष और प्रखंड प्रमुख ने भी उपस्थित लोगों को शुभकामनाएं देते हुए शांतिपूर्ण और हर्षोल्लासपूर्ण तरीके से पर्व मनाने का आग्रह किया। थाना प्रभारी हर्ष कुमार साह ने चर्च परिसरों में भीड़ प्रबंधन हेतु स्वयंसेवक तैनात करने, नशापान पर रोक लगाने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना देने की बात कही। उन्होंने बताया कि पर्व के दौरान दिन-रात गश्ती बढ़ाई जाएगी और अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।स्थानीय जनप्रतिनिधियों और शांति समिति सदस्यों ने कहा कि कोलेबिरा में सभी पर्व वर्षों से आपसी भाईचारे के साथ मनाए जाते हैं।

क्रिसमस व नव वर्ष को लेकर थाना में शांति समिति की बैठक

बानो। बानो थाना परिसर में गुरुवार को क्रिसमस पर्व और आगामी नव वर्ष को लेकर शांति समिति की बैठक थाना प्रभारी मानव मयंक की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बानो सर्किल इंस्पेक्टर एडुएल गेस्टेन बागे, प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी नईमुद्दीन अंसारी, जिला परिषद सदस्य बिरजो कंडुलना, प्रखंड प्रमुख सुधीर डांग, बानो व उकौली पंचायत के मुखिया, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।बैठक में पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने, शांतिपूर्ण माहौल में उत्सव मनाने तथा आवश्यक सुरक्षा उपायों पर विस्तार से चर्चा हुई। थाना प्रभारी मानव मयंक ने कहा कि बानो में सभी पर्व सद्भावना और भाईचारे के साथ मनाए जाते हैं। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया पर भ्रामक या उकसावे वाली पोस्ट नहीं डालने की अपील की। सर्किल इंस्पेक्टर व बीडीओ ने ईसाई समुदाय से चर्चों में होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी ली, ताकि सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।थाना प्रभारी ने चर्चों में अग्निशमन यंत्र रखने, भीड़ प्रबंधन और साइबर ठगी से बचने संबंधी सुझाव दिए। अधिकारियों ने कहा कि अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जनप्रतिनिधियों ने सभी को क्रिसमस और नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए शांति बनाए रखने की अपील की।

भू-अर्जन मामलों की उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक

विस्थापित परिवारों के सामुदायिक विकास करने का दिया दिशा निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को कार्यालय सभागार में एनएचएआई एवं एनटीपीसी से संबंधित भू-अर्जन मामलों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में एनएच एवं एनटीपीसी की कोल माइनिंग परियोजनाएं पकरी बरवाडीह, केरेडारी, बादम एवं चट्टीबारियातू कोल परियोजना से जुड़े स्टेटमेंट-6, म्यूटेशन की प्रगति, आंगनबाड़ी केन्द्र, पंचायत भवन, पैक्स केन्द्र एवं विद्यालयों के स्थानांतरण, मेजरमेंट, एफ.आर.ए., लीज बंदोबस्ती, भारत माला परियोजना, कॉमन इन्फ्रास्ट्रक्चर, पी.एच.सी. स्थानांतरण समेत विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने केरेडारी कोल परियोजना के अधिकारी को ग्रामसभा करते हुए सड़क से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने और वहीं, एनटीपीसी की विभिन्न कोल परियोजनाओं में हाउस मिज़मेंट एवं डिमोलिशन से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु एसडीओ के स्तर से अंचलाधिकारी एवं एनटीपीसी के अधिकारियों को समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने परियोजना से विस्थापित परिवारों के कम्युनिटी डेवलपमेंट का कार्य डीएमएफटी मद से कराने की बात कही। पकरी बरवाडीह कोल परियोजना के अधिकारी को एफआरए, स्कूल शिफ्टिंग से संबंधित मामलों पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बड़कागांव सीओ एवं भू अर्जन कार्यालय के अधिकारियों को बादाम कोल परियोजना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले जीएम लैंड का वेरिफिकेशन के लिए अंचल कार्यालय में कैंप का आयोजन करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने बरही, सदर, इचाक और पदमा सीओ को एनएच से संबंधित म्यूटेशन के लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया।

एमटीसी डुमरी में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी का औचक निरीक्षण

गुमला। जिला प्रशासन एवं द हंस फाउंडेशन द्वारा संचालित कुपोषण उपचार केंद्र (एमटीसी) डुमरी में गुरुवार को उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चंद्र गुग्गी ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अति गंभीर कुपोषित बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन, डाइट सप्लीमेंट, स्वास्थ्य देखभाल तथा केंद्र की समग्र व्यवस्था का गहन अवलोकन किया। पदाधिकारी ने बच्चों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, पोषण उपलब्धता एवं केंद्र में तैनात कर्मियों द्वारा की जा रही देखभाल की सराहना की। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने कहा कि कुपोषण उन्मूलन में समुदाय आधारित गतिविधिया अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने माताओं और परिवारजनों को पोषण शिक्षा प्रदान करने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इससे शिशु और मातृ पोषण को बेहतर बनाने में बड़ी मदद मिलेगी।

सांसद ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से की मुलाकात

मंत्री हुए सख्त दो महीने में समीक्षा कर कार्य शुरू कराने का दिया आश्वासन

नवीन मेल संवाददाता

बरही । स्थानीय सांसद मनीष जायसवाल ने नई दिल्ली में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से चोरदाहा–गोरहर खंड के 6-लेन प्रोजेक्ट को लेकर मुलाकात की। सांसद ने बताया कि 59.66 किमी लंबे इस प्रोजेक्ट की प्रगति अत्यंत धीमी है, जिससे चौपारण–बरकट्ठा तथा आसपास के क्षेत्रों के लोग लगातार परेशानी झेल रहे हैं। अधूरे फ्लाईओवर, मेजर ब्रिज और छोटे पुलों के कारण सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। सांसद ने मंत्री के समक्ष साफ शब्दों में कहा कि एनएच 2 का यह महत्वपूर्ण खंड वर्षों से अधर में है और जनता में भारी नाराज़गी है। उन्होंने ठेकेदार की लापरवाही और कार्य की सुस्ती को गंभीर मुद्दे के रूप में उठाया गया। सांसद की बातों को गंभीरता से लेते हुए परिवहन मंत्री श्री गडकरी ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि परियोजना की विस्तृत समीक्षा अगले दो महीनों के भीतर की जाएगी। साथ ही, उन्होंने आश्वासन दिया कि समीक्षा के बाद ठेकेदार की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्य को हर हाल में पुनः शुरू कराया जाएगा। बैठक में चोरदाहा और बरही ब्लैक स्पॉट की स्थिति पर भी चर्चा हुई, जहाँ अब तक केवल अस्थायी सुधार हुए हैं। सांसद ने इन बिंदुओं पर स्थायी समाधान की आवश्यकता दोहराई। मंत्री ने इन पर भी शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। सांसद ने कहा, "चोरदाहा–गोरहर खंड क्षेत्र की प्रमुख जीवनरेखा है।

51 वर्षीय महिला की आकस्मिक मृत्यु

भरनो (गुमला) । भरनो के बस्ती स्थित बाजार टांड़ निवासी शंकर साहू की पत्नी रीता देवी (51) की अचानक मृत्यु हो गई। उनके पति ने बताया कि रीता देवी सुबह से बिल्कुल स्वस्थ थीं और नहा-धोकर पीडीएस दुकान से राशन भी लाई थीं। बुधवार को दोपहर करीब तीन बजे अचानक उन्हें पेट में तेज दर्द उठा। इस दौरान उन्होंने कई बार बाथरूम का भी इस्तेमाल किया। दर्द बढ़ने पर वे जमीन पर लोटने लगीं। परिजन उन्हें आनन-फानन में रांची के एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने प्रारंभिक रूप से ब्रेन हेमरेज को मृत्यु का कारण बताया।

हालांकि परिजन और कुछ आशंकाओं के अनुसार अत्यधिक ठंड के कारण भी उनकी मृत्यु हुई हो सकती है। यह आकस्मिक घटना पूरे इलाके में शोक की लहर फैला गई है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न

हजारीबाग। आज जिला समाहरणालय सभागार में उपायुक्त की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत उपायुक्त के जनता दरबार में प्राप्त मामलों की प्रगति की समीक्षा से हुई। उपायुक्त ने सभी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। इसके उपरांत आपकी योजना–आपकी सरकार–आपके द्वार कार्यक्रम के तहत विभिन्न प्रखंडों में आयोजित शिविरों में प्राप्त आवेदनों की प्रखंडवार समीक्षा की गई। उपायुक्त ने बताया कि इस विशेष शिविर का मुख्य उद्देश्य जाति, आय, आवासीय, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित सभी प्रकार के प्रमाण पत्रों का निर्गतीकरण तेज गति से सुनिश्चित करना था। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी प्रखंडों में प्राप्त आवेदनों का एक सप्ताह के अंदर शून्यीकरण किया जाए। बैठक के दौरान म्यूटेशन, जमीन मापी, परिशोधन, ई-कोर्ट, सुओ-मोटो म्यूटेशन, पीजी पोर्टल के मामलों तथा सरकारी भूमि अतिक्रमण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अंचल अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व कार्यों में गति लाते हुए सभी मामलों का तत्परता एवं गंभीरता से निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने हाई कोर्ट से जुड़े भू अर्जन के मामले को सावधानी पूर्वक हल करने का निर्देश दिया। परिशोधन पोर्टल एवं म्यूटेशन के लंबित मामलों को शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि राजस्व से संबंधित सभी मामलों का समयबद्ध निपटान सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भरनो स्कूल के हेडमास्टर पर बच्चों को दुकान भेजने का आरोप, जांच टीम ने किया साक्ष्य जुटाने का काम

भरनो। भरनो प्रखंड के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुम्हरों में बच्चों को एमडीएम सामग्री लाने के लिए दुकान भेजने के मामले ने हंगामा खड़ा कर दिया है। इस घटना का समाचार 29 नवंबर, 2025 को स्थानीय दैनिक अखबारों में प्रमुखता से प्रकाशित हुआ था। खबर के संज्ञान में आने पर बीडीओ भरनो अरुण कुमार सिंह ने हेडमास्टर अरविंद कुमार तिवारी से स्पष्टीकरण लिया। जवाब में हेडमास्टर ने आरोप लगाया कि पत्रकारों ने स्कूल के बच्चों को टॉफी और बिस्कुट का लालच देकर उनके खिलाफ वीडियो बनवाया और समाचार में इसे छापा गया। इसके बाद बीडीओ भरनो ने जांच टीम का गठन कर गुरुवार को कुम्हरों स्कूल भेजा। जांच टीम में बीएचओ मनोज कुमार झा, 15वें वित्त आयोग के जेई तारीक अनवर, प्रखंड कोऑर्डिनेटर बिपिन कुमार, मनरेगा कर्मी जीतेंद्र मिश्रा और दक्षिणी भरनो पंचायत के सदस्य बिरसा उरांव शामिल थे। टीम ने एमडीएम सामग्री लाने वाले बच्चों, स्कूल के अभिभावकों, ग्रामीणों और एसएमसी अध्यक्ष बीरेंद्र उरांव से पूछताछ की। जांच में सामने आया कि बच्चों और ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि हेडमास्टर अक्सर बच्चों को एमडीएम सामग्री लाने के लिए दुकान भेजते हैं। इसके अलावा, बच्चों ने यह भी बताया कि सामग्री के अलावा उनसे बांस काटवाने जैसे काम भी कराए जाते हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि स्पष्टीकरण के जवाब में एसएमसी अध्यक्ष का हस्ताक्षर और मोहर पाए गए, जबकि अध्यक्ष ने साफ कहा कि उन्होंने न तो हस्ताक्षर किया और न ही मोहर अपने पास रखता है; यह मोहर हेडमास्टर के पास थी। जांच टीम अपनी रिपोर्ट तैयार कर बीडीओ भरनो को सौंपेगी, जिसके बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

विभावि में युवा महोत्सव झूमर 2025 के आयोजन को लेकर हुई बैठक

कला एवं सांस्कृतिक स्थल में परिणत होगा मुख्यालय परिसर

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर कला एवं संस्कृति पर्षद, की मेजबानी में 15-17 दिसंबर को आयोजित होने वाली अंतर महाविद्यालय युवा महोत्सव, झूमर-2025 के सफल आयोजन को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। गुरुवार को आर्यभट्ट सभागार में आयोजित बैठक में आयोजन से जुड़े विभिन्न समितियों के अध्यक्ष, संयोजक एवं सदस्य गण अच्छी संख्या में उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष डॉ विकास कुमार ने की। बैठक में अलग-अलग समिति के अध्यक्ष, संयोजक तथा सदस्यों ने अपनी अपनी समिति की तैयारी की जानकारी दी। अभी तक शेष रह गए कार्यों के बारे में भी बताया गया। यह भी बताया गया कि यह कार्य क्यों लंबित है। छात्र कल्याण संकायअध्यक्ष ने सभी के सुझावों को लिपिबद्ध करवाया तथा आश्वासन दिया कि वह सारे रुके हुए कार्यों को गतिमान बनाने की दिशा में पहल करेंगे। संयुक्त आयोजन सचिव डॉ अमिता कुमारी तथा श्रीमती अर्चना रीना धान ने बताया कि अभी तक 24 दलों से प्रवेश की प्राप्ति हुई है। कुल प्रतिभागियों और संगत करने वालों की संख्या 850 के लगभग होगी। सभी दलों का पंजीकरण 14 दिसंबर को होना है। इसके लिए पांच अलग-अलग उप समितियों का गठन किया गया है। बैठक के दौरान मंच का संचालन स्नातकोत्तर कला एवं संस्कृति पर्षद के सचिव डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने की।

पुलिस थाना में जान का खतरा शिफ्ट करने की चल रही कवायद

धनबाद। जिले के केंदुआडीह क्षेत्र में पिछले 10 दिनों से एक परित्यक्त कोयला खदान से जहरीली गैस का रिसाव हो रहा है, जो अभी भी जारी है. जिला प्रशासन, बीसीसीएल, सिम्फर, डीजीएमएस और एनडीआरएफ की टीमें मिलकर गैस रिसाव पर नियंत्रण करने का प्रयास कर रही हैं. आम लोगों को नुकसान न हो, इसके लिए राहत शिविर की व्यवस्था की गई है और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है. चूंकि जहरीली गैस का रिसाव केंदुआडीह थाना परिसर से काफी नजदीक हो रहा है, इसलिए थाना भी इसकी चपेट में आ गया है. थाना प्रभारी से लेकर वहां तैनात सभी पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य पर खतरा बना हुआ है. पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को देखते हुए केंदुआडीह थाने को दूसरे जगह शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. इस संबंध में नया स्थान चिह्नित करने का काम पुलिस विभाग कर रहा है. एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि केंदुआडीह क्षेत्र में गैस रिसाव एक सप्ताह से अधिक समय से जारी है.

आजसू ने प्रेस वार्ता कर 'शिक्षा के लिए भिक्षा' आंदोलन का किया ऐलान

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। आजसू पार्टी कार्यालय में आजसू छात्र संघ ने गुरुवार को प्रेस वार्ता किया । समाजसेवी पीयूष चौधरी की अगुवाई में हुई प्रेस वार्ता में राज्य सरकार की छात्रवृत्ति नीतियों पर चिंता जताई गई। संघ ने 17 दिसंबर सुबह 10 बजे से 'शिक्षा के लिए भिक्षा आंदोलन' शुरू करने का औपचारिक ऐलान किया। कहा की जो छात्रों के भविष्य को बचाने की दिशा में एक मजबूत पहल है। पीयूष चौधरी ने कहा झारखंड सरकार की लापरवाही से छात्रवृत्ति का पैसा समय पर न मिलने से हजारों छात्रों की पढ़ाई पर संकट मंडरा रहा है। आर्थिक तंगी के कारण कई विद्यार्थी कॉलेज छोड़ने को विवश हो रहे हैं। यह आंदोलन सरकार को जगाने के लिए है – हम भिक्षा मांगकर भी शिक्षा का हक दिलाएंगे। सभी छात्र-छात्राओं से अपील है कि एकजुट होकर इसमें शामिल हों।" उनकी बातों ने युवाओं में जोश भरा। प्रेस वार्ता में युवा आजसू प्रदेश संयोजक एवं रामगढ़ नगर परिषद अध्यक्ष राजेश कुमार महतो ने आंदोलन को पार्टी का समर्थन देते हुए कहा कि आजसू हमेशा छात्र हित के लिए लड़ती रही है। मौके पर छात्र संघ जिला अध्यक्ष देव महतो, कोषाध्यक्ष नीतीश निराला, युवा आजसू जिला सह-संयोजक मनोज महतो, रामगढ़ कॉलेज अध्यक्ष रोहित सोनी, युवा नेता हर्ष चौधरी, प्रखंड संयोजक विशु रजवार, प्रभारी कुणाल महतो,अरुण दांगी, रुपेश महतो, लालू महतो,अजय आस्था, शंकर पासवान, अजय पांडेय, अमित महतो उपस्थित थे।

सिमडेगा वृद्धाश्रम के 8 वृद्धजनों का मोतियाबिंद ऑपरेशन सफल, प्रशासन की पहल सराहनीय

सिमडेगा। उपायुक्त कंचन सिंह के निर्देश पर जिले के वृद्धाश्रम में रह रहे सभी वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। जांच के क्रम में 8 वृद्धजनों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई, जिन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करते हुए सदर अस्पताल सिमडेगा में सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया।स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ऑपरेशन के उपरांत सभी वृद्धजनों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श देते हुए चश्मे भी उपलब्ध कराए, जिससे वे अपने दैनिक कार्यों को बेहतर ढंग से कर सकें। इस पूरी प्रक्रिया में वृद्धाश्रम संचालक और स्वास्थ्य विभाग की टीम का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।प्रशासन द्वारा उठाया गया यह कदम वृद्धजनों के स्वास्थ्य संरक्षण और उनकी सुविधा सुनिश्चित करने की दिशा में अत्यंत सराहनीय पहल मानी जा रही है।

लचरागढ़ प्रिंस चौक में कुत्ते ने नौ लोगों को काटा, सभी का बानो सीएचसी में इलाज

बानो। लचरागढ़ प्रिंस चौक में गुरुवार को आवारा कुत्ते ने एक के बाद एक नौ लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार कुत्ते ने राहगीरों और आसपास मौजूद लोगों को निशाना बनाया, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।घटना के तुरंत बाद सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बानो पहुंचाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर मनोरंजन कुमार ने बताया कि सभी घायलों को आवश्यक दवाइयाँ दी गई हैं और उनकी स्थिति फिलहाल पूरी तरह स्थिर है। उपचार के बाद सभी को घर भेज दिया गया है।घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताते हुए प्रशासन से आवश्यक कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

गुमला चेंबर ऑफ कॉमर्स की आमसभा संपन्न

गुमला । गुमला चेंबर ऑफ कॉमर्स की अंतिम आमसभा पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार बस स्टैंड रोड स्थित चेंबर कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता तत्कालीन अध्यक्ष राजेश सिंह ने की। सचिव बबलू वर्मा ने सभी पूर्व अध्यक्षों, पदाधिकारियों और आम व्यापारियों का स्वागत किया और सभा के उद्देश्य एवं कार्यवृत्त की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। सभा में सर्वप्रथम कोषाध्यक्ष अमित गोलू ने सत्र 2025 का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया, जिसे ध्वनि मत से पारित किया गया। इसके बाद अध्यक्ष राजेश सिंह ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों और महत्वपूर्ण कार्यों की सूची साझा की। उनके कार्यकाल के दौरान किए गए कई सफल प्रयासों की जानकारी सुनकर उपस्थित सदस्य बार-बार तालियों की गड़गड़ाहट से उनकी प्रशंसा करते रहे।

खेती अगर व्यावसायिक रूप से की जाए तो किसान लखपति बन सकते हैं

किसानों की पाठशाला में बताए कम मेहनत में अधिक कमाई का गूढ़ रहस्य

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। जिले के डेमोटांड़ स्थित कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में इन दिनों किसानों की पाठशाला चल रही है. जहां भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र गोरिया कर्मा से पहुंचे वरिष्ठ वैज्ञानिक पंकज कुमार सिंह किसानों को लखपति बनने का गूढ़ रहस्य बता रहे हैं. वह समेकित कृषि तकनीकी के तरीके समझा रहे हैं, जिनसे किसान सालाना चार से पांच लाख रुपये कमा सकते हैं. पंकज कुमार सिंह का कहना है कि वर्तमान समय में खेती अगर व्यवसायिक रूप से की जाए तो किसान लखपति बन सकते हैं. कम पैसा और कम लागत में अधिक मुनाफा कैसे हो, इसे लेकर किसानों को जानकारी दी जा रही है. जिसमें हजारीबाग के अलावा रामगढ़ और कोडरमा के भी किसान पहुंचे हैं. वैज्ञानिक ने बताया कि झारखंड में टांड जमीन सबसे अधिक है, जो उपयोग में नहीं आती है. उन्होंने सुझाव दिया कि महुआ, बांस, आम के बाग, ड्रैगन फ्रूट और मशरूम की खेती करके किसान आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकते हैं. वह किसानों को बता रहे हैं कि वे इन फसलों की खेती दो महीने से लेकर 20 साल तक की अवधि में करके सालाना चार लाख रुपये कैसे कमा सकते हैं. इस कृषि पाठशाला में पहुंचे किसान भी कहते हैं कि इस तरह की तकनीकी जानकारी उनके लिए बेहद जरूरी है. किसान कम लागत में अधिक मुनाफा कैसे कमाएं, इसकी जानकारी दी गई है. जैसे अगर कोई व्यक्ति टांड़ जमीन पर महुआ की खेती करता है तो उसे 20 साल के बाद सालाना प्रति एकड़ 4 से 5 लाख रुपये कमा सकता है. अगर कोई एक एकड़ जमीन पर बांस की खेती करता है, तो वह पांच साल बाद सालाना 4 से 5 लाख रुपये कमा सकता है.

उपायुक्त–सह– जिला दंडाधिकारी का कार्यालय, खूँटी
(जिला भू–अर्जन शाखा)

शिविर आदेश सूचना

झारखंड राज्य के खूंटी जिले में NH-75E (New NH-20) के कि०मी० 21.340 से कि०मी० 47.700 तक के भू–खण्ड के निर्माण (चौड़ीकरण/पेव्ड शोल्डर सहित 2–लेन/4–लेन का बनाना आदि) परियोजना में प्रभावित हो रहे रैयतों को मुआवजा भुगतान से संबंधित मामलों के शीघ्र निष्पादन हेतु पंचाटियों/ रैयतों का भू–दस्तावेज की प्राप्ति तथा जाँच हेतु शिविर के आयोजन की तिथि निम्न प्रकार से निर्धारित गई है–

क्र0	अंचल का नाम	प्रभावित ग्रामों का नाम	स्थल	तिथि	समय	प्रतिनियुक्ति कर्मियों
1	खूँटी	डंगरा एवं कालामाटी	समुदायिक भवन, कालामाटी	16.12.2025	11.30 बजे से 3.30 बजे तक	1. भू–अर्जन कार्यालय के सभी कर्मी 2. संबंधित अंचल कार्यालय के संबंधित हल्का के राजस्व उप निरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक 3. NH Division, Chaibasa के कर्मी
2	खूँटी	फुदी	पंचायत भवन, फुदी	17.12.2025		
3	खूँटी	जियारप्पा, कानाडीह, हुटार	समुदायिक भवन, हुटार	18.12.2025		
4	खूँटी	जमुआदाग, बिरहु	पंचायत भवन, बिरहु	19.12.2025		
5	खूँटी	बगडू	इमली पेड के पास, चबुतरा, बगडू	20.12.2025		
6	खूँटी	सोसोटोली	बगीचा, सोसोटोली	22.12.2025		
7	खूँटी	बेलवादाग	समुदायिक भवन, बेलवादाग	23.12.2025		
8	मुरहू	कुंजला	पंचायत भवन, कुंजला	24.12.2025		
9	मुरहू	दुलवा, इठे	सिंघा दुलवा, सामुदायिक भवन	29.12.2025		
10	मुरहू	पोकला	सामुदायिक भवन, पोकला	30.12.2025		
11	मुरहू	कुन्दीबरटोली	बगीचा, कुन्दीबरटोली	31.12.2025		

अतः अनुरोध है कि जिन–जिन प्रभावित रैयतों के द्वारा मुआवजा का भुगतान से संबंधित दस्तावेज नहीं जमा कर पाये हैं वे अर्जित भूमि से संबंधित सभी वैध कागजात यथा 1. आवेदन 2. एवार्डी की सत्यापन प्रतिवेदन, 3. सी0 सी0 भाउचर, 4. बैंक पासबुक का छाया प्रति, 5. आधार कार्ड/ पेन कार्ड/ वोटर कार्ड, 6. पैतृक सम्पति या खतियानी भूमि होने पर आपसी बंटवारानामा Stamp पेपर में 7. खरीदगी भूमि होने पर पट्टा, दाखिल खारिज की छायाप्रति 8. वर्त्तमान लगान रसीद, 9. खतियान की छायाप्रति, 10. क्षतिपूर्ति बन्धपत्र 11. वंशावली शपथ पत्र 11. फोटो–3 एवं रेभन्यु टिकट निर्धारित तिथि को शिविर स्थल में जमा करना सुनिश्चित करेंगे। क्रम सं0 1, 2, 3, 6, 10 का नमुना कार्यालय के सूचना पट्ट में देखा जा सकता है।

ह0/–
उपायुक्त, खूँटी।

PR 368260 (Land Reforms) 25-26 (D)

सुप्रभात

विचार प्रवाह

उसी पुराने ढंग से न जीते रहें। अपने जीवन को सुधारने के लिए कुछ करने का दृढ़ निश्चय कर लें और फिर उसे पूरा करें। अपनी चेतना को परिवर्तित करें, केवल उतना ही करने की आवश्यकता है। **- श्री श्री परमहंस योगदानंद**

संपादकीय

धूर्त पड़ोसी की मिलिट्री चाल

पाकिस्तान की राजनीति एक बार फिर सेना के शिकंजे में जकड़ती जा रही है। नवंबर 2025 में हड़बड़ी में पारित 27वें संविधान संशोधन ने नागरिक शासन और सैन्य नेतृत्व के बीच शक्ति संतुलन को पूरी तरह बदल दिया है। इससे पाकिस्तान में लोकतंत्र का दायरा सिकुड़ रहा है और सेना का प्रभाव सांविधानिक रूप से सर्वोच्च दर्जा हासिल कर रहा है। यह बदलाव न केवल पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति के लिए खतरनाक है, बल्कि भारत की सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी गंभीर चिंताएं पैदा करता है। इस संशोधन के तहत 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज' (सीडीएफ) का नया पद बनाया गया है, जिसे फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को सौंपा गया है। वह पहले से ही चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ हैं और अब थल, वायु और नौसेना, तीनों पर सीधी कमान रखने वाले पाकिस्तान के एकमात्र व्यक्ति बन गए हैं। इससे सैन्य शक्ति का ऐसा केंद्रीकरण हो गया है, जो पहले कभी नहीं देखा गया। सांविधानिक तौर पर यह पद प्रधानमंत्री से भी अधिक प्रभावशाली बना दिया गया है, जिसे हटाना भी लगभग असंभव कर दिया गया है। मुनीर को आजीवन अभियोजन-छूट भी दे दी गई है-पाकिस्तान में यह अधिकार अब तक किसी निर्वाचित नेता के पास नहीं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि पाकिस्तान की परमाणु कमान पर अब सेना का नियंत्रण और अधिक मजबूत हो गया है। पहले के ढांचे में, कम से कम औपचारिक रूप से, राष्ट्रीय कमान प्राधिकरण में प्रधानमंत्री की भूमिका दिखाई देती थी। लेकिन अब रणनीतिक व परमाणु फैसलों पर सैन्य वर्चस्व और बढ़ गया है। वह देश, जो भारत के साथ कई बार युद्ध के मुहाने तक पहुंच चुका है, जहां कट्टरपंथी ताकतें एवं सैन्य प्रतिष्ठान मिलकर नीतियां प्रभावित करते हैं, वहां परमाणु निर्णयों का केंद्रीकरण पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता के लिए बड़ा खतरा बनकर उभर रहा है। भारत के लिए यह स्थिति इसलिए भी खतरनाक है, क्योंकि पाकिस्तान की आंतरिक अस्थिरता और सैन्य श्रेष्ठता का दावा अक्सर भारत-विरोधी आक्रामकता के रूप में सामने आता है। मई 2025 की टकरावपूर्ण घटनाओं के बाद मुनीर की छवि पाकिस्तान में 'भारत के विरुद्ध निर्णायक नेता' के रूप में गढ़ी गई है। आसिम मुनीर की सैन्य-चालित नीतियां और राजनीतिक बयानबाजी भारत-पाक संबंधों को लगातार तनावपूर्ण बनाए रखने की दिशा में हैं। मुनीर की आंतरिक वैधता भी काफी हद तक भारत विरोध पर टिकी हुई दिख रही है-जैसा कि इतिहास में कई बार पाकिस्तान में होता आया है। भारत की पश्चिमी सीमाओं पर सीमा पार से आतंकवाद और ड्रोन-आधारित तस्करी बढ़ने की संभावना को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान में जब भी सेना की पकड़ मजबूत होती है, भारत के विरुद्ध 'लो-इंटेंसिटी वॉरफेयर' को बढ़ावा मिलता है। मुनीर के कार्यकाल में यह और तेज हो सकती है।

सांविधानिक तौर पर यह पद प्रधानमंत्री से भी अधिक प्रभावशाली बना दिया गया है, जिसे हटाना भी लगभग असंभव कर दिया गया है। मुनीर को आजीवन अभियोजन-छूट भी दे दी गई है-पाकिस्तान में यह अधिकार अब तक किसी निर्वाचित नेता के पास नहीं।

सामाजिक सुरक्षा की ओर कदम श्रम संहिताएं और डिजिटल ढांचा

सामाजिक सुरक्षा प्रणालियां गरीबी कम करने, मजबूती बढ़ाने और न्यायसंगत विकास को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रत्येक निवासी को, उसकी आय, रोजगार की स्थिति या जनसांख्यिकीय विशेषता की परवाह किए बिना, पेंशन, स्वास्थ्य देखभाल, बेरोजगारी भत्ता या दिव्यांगता सहायता जैसे न्यूनतम सामाजिक सुरक्षा लाभों तक पहुंच प्रदान करता है। भारत अब सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली बनाने की दिशा में पहले से कहीं अधिक नजदीक है-एक ऐसी प्रणाली जिसे अधिकांश राष्ट्र, यहां तक कि सबसे विकसित देश भी, दशकों तक निरंतर निवेश और प्रयास करने के बाद ही स्थापित कर पाए। श्रम संहिताओं, विशेष रूप से सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के माध्यम से, देश के पास हर कामगार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानूनी ढांचा मौजूद है-चाहे वह गिग ड्राइवर हो, फैक्ट्री कर्मचारी हो या निर्माण कार्य करने वाला प्रवासी मजदूर हो। सामाजिक सुरक्षा संहिता नौ प्रमुख कानूनों को एकल एकीकृत ढांचे में समेकित करती है। इससे प्रशासनिक जटिलता कम करने, लाभों को हस्तांतरित करने की योग्यता बेहतर बनाने, नियोक्ताओं के लिए अनुपालन सरल बनाने और निगरानी व प्रवर्तन मजबूत बनाने में मदद मिलती है। इसकी बदौलत विशेषकर असंगठित क्षेत्र के छोटे उद्यमों के कामगार-जहां भारत के 90% कामगार काम करते हैं-नौकरशाही की अड़चनों में उलझे बगैर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यह संहिता सरकार को भी यह अधिकार देती है कि वह सभी क्षेत्रों में उद्यमों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), मातृत्व लाभ और ग्रेच्युटी का कवरेज बढ़ा सके, ताकि अब तक असुरक्षित रहे कामगारों को लाभ मिल सके और छोटे उद्यमों में स्वैच्छिक पंजीकरण को प्रोत्साहित किया जा सके। इसके अलावा, यह राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा कोष /राज्य सामाजिक सुरक्षा कोष की व्यवस्था प्रदान करती है, जहां सरकार का वित्तीय योगदान, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का योगदान, नियोक्ता और कर्मचारियों का योगदान एकत्रित किया जा सकता है, जो सामाजिक सुरक्षा कवरेज को सहायता प्रदान कर सकता है। लेकिन केवल कानून बनाना भर ही पर्याप्त नहीं है। जो बात वास्तव में भारत को उसके वैश्विक समकक्षों से अलग कर सकती है, वह है उसका उभरता डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना तंत्र-ई-श्रम डेटाबेस और आधार प्रमाणीकरण से लेकर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्लेटफ़ॉर्म तक। ये सभी उपकरण मिलकर भारत को पारंपरिक कल्याण मॉडल से आगे बढ़ने और एक पोर्टेबल, पारदर्शी, तकनीक-सक्षम कल्याण प्रणाली बनाने का अनूठा अवसर प्रदान करते हैं, जो दुनिया की किसी भी प्रणाली से अलग है।

आधार : सार्वभौमिकरण की रीढ़ सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश सार्वभौमिकता सुनिश्चित करने के लिए हर निवासी को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं जो सीधे लाभों से जुड़ी होती है। भारत के पास आधार–के रूप में यह सुविधा पहले से मौजूद है-जो अत्यंत विश्वसनीय और निशुल्क प्रमाणीकरण प्रदान करता है।

आधार सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा की सबसे बड़े बाधा : अर्थात्, विभिन्न राज्यों, क्षेत्रों और नियोक्ताओं में लाभार्थियों की पहचान और प्रमाणीकरण को हल करता है। प्रवासी कामगारों के लिए, आधार-सक्षम पोर्टेबिलिटी वह कर सकती है, जो पिछली पीढ़ी के कल्याणकारी सुधार हासिल नहीं कर पाए। स्थान की परवाह किए बगैर लाभों तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करना। यह प्रणाली नॉर्वे और डेनमार्क जैसे देशों में डिजिटल आईडी आधारित प्रणालियों की तरह है, जहां नागरिक अपनी कल्याण पहचान को अलग-अलग क्षेत्रों और सेवाओं में निर्बाध रूप से अपने साथ रख सकते हैं। एकीकृत डेटाबेस पर आधारित एकीकृत संहिता। जहां एक ओर दुनिया भर में संगठित क्षेत्र के कामगार सामान्यत, सामाजिक सुरक्षा कवरेज के अंतर्गत आते हैं, वहीं नियोक्ता-कामगार के बीच स्थिर रोजगार संबंध नहीं होने के कारण असंगठित क्षेत्र के कामगारों को कवर करना कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होता है। कई देश एकीकृत श्रम कानूनों पर भरोसा करते हैं, लेकिन बहुत कम देशों के पास भारत के ई-श्रम डेटाबेस जैसा विशाल राष्ट्रीय श्रमिक रजिस्टर मौजूद है। सामाजिक सुरक्षा संहिता में एकीकृत पंजीकरण तंत्र का प्रावधान ई-श्रम के साथ पूरी तरह मेल खाता है, जो पहले से ही 310 मिलियन से अधिक असंगठित क्षेत्र के कामगारों के जनसांख्यिकीय, कौशल और व्यवसाय संबंधी डेटा को संग्रहित करता है। आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से प्रत्येक कामगार की विशिष्ट रूप से पहचान की जाती है और उन्हें एक ई-श्रम यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) प्रदान किया जाता है। भारत की क्षमता-एकल डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से असंगठित कामगारों की विशिष्ट पहचान करना, उन्हें सीधे पंजीकृत करना और ट्रैक करना-सामाजिक सुरक्षा लाभों के लिए तेज पंजीकरण, बेहतर पोर्टेबिलिटी और कामगार डेटा के रियल-टाइम अपडेट की सुविधा प्रदान कर सकती है। भविष्य में, यदि ई-श्रम और ईपीएफओ यूएएन को पोर्टेबल बनाया जाता है, तो असंगठित क्षेत्र और संगठित क्षेत्र के बीच श्रमिकों की गतिविधियों को ट्रैक करना संभव होगा। इससे श्रम बाजार की गतिशीलता का विश्लेषण किया जा सकेगा और यह सार्वजनिक नीतियों के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण डेटा स्रोत साबित होगा।

यूपीआई और डीबीटी : वह महत्वपूर्ण कड़ी जिसे ज्यादातर देश अभी तक अपना नहीं पाए। कल्याण पर ज्यादा ध्यान देने वाले देश बैंकों और पारंपरिक भुगतान प्रणालियों पर बहुत अधिक निर्भर रहते हैं। हालांकि भारत ने दुनिया के सबसे तेज, कम लागत वाले और इंटरऑपरेबल भुगतान नेटवर्क में से एक यूपीआई की पहल की है। डीबीटी के साथ एकीकृत होने के कारण, भारत के पास सामाजिक सुरक्षा भुगतान को तुरंत और सीधे कामगारों के खाते में पूरे देश में कहीं भी भेज सकने की प्रमाणित क्षमता है। यह एक ऐसी क्षमता है जिसके लिए विकसित अर्थव्यवस्थाएँ भी संघर्ष करती हैं। महामारी के दौरान, अमेरिका तक में लाखों लोगों को प्रोत्साहन चेक के लिए हफ्तों बाट जोहनी पड़ी थी । इसके विपरीत, भारत ने आपातकालीन कोविड-19 भुगतान लाखों लाभार्थियों तक अभूतपूर्व गति से हस्तांतरित किया था। केंद्रीय और राज्य सरकारों के पास जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य कवरेज, मातृत्व लाभ, वृद्धावस्था सुरक्षा आदि से जुड़ी कई सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ हैं। इन योजनाओं में ई-श्रम पंजीकृत कामगारों को शामिल करके तथा यूपीआई और डीबीटी का उपयोग करके, सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा को बड़े पैमाने पर, उपयोगकर्ता-अनुकूल, पारदर्शी और कुशल तरीके से हासिल किया जा सकता है।

इतिहास में पहली बार, भारत के पास सभी महत्वपूर्ण साधन : कानूनी ढांचा (श्रम संहिताएं), एक राष्ट्रीय श्रमिक रजिस्टर (ई-श्रम), एक सार्वभौमिक पहचान प्रणाली (आधार), एक रियल-टाइम भुगतान प्रणाली (यूपीआई) और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली (डीबीटी) मौजूद हैं । यह संयोजन वैश्विक स्तर पर दुर्लभ है। यदि इसे सही तरीके से उपयोग किया जाए, तो भारत एक ऐसा सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा मॉडल बना सकता है जो केवल समावेशी ही नहीं, बल्कि मूल रूप से डिजिटल आधारित और भविष्य के लिए सुरक्षित भी हो-एक ऐसा मॉडल, जिसका अन्य देश एक दिन अध्ययन करें।

आज की बात

जी. मधुमिता दास
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार

वंदे मातरम् व कांग्रेस : राष्ट्रीय चेतना से राष्ट्रगीत तक की ऐतिहासिक यात्रा

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास घटनाओं का क्रम मात्र नहीं, बल्कि उन भावनाओं की महागाथा है जिन्होंने पराधीन देश को स्वतंत्रता का स्वप्न दिखाया। इन भावनाओं के केंद्र में "वंदे मातरम्" गीत रहा, जिसने जन-मानस की सुप्त चेतना जगाई और विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष की लौ प्रज्ज्वलित की। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इसे राष्ट्रीय आत्मा का प्रतीक बनाकर ऐतिहासिक भूमिका निभाई। बंकिम चंद्र चटर्जी ने 1875 में यह गीत रचा, जो 1881 के उपन्यास 'आनंदमठ' में शामिल हुआ। इसका राजनीतिक रूपांतरण 1886 में हुआ, जिसे कविवर हेमचंद्र वंदेमातरम को कोलकाता अधिवेशन में गाया था और खुद ने रवीन्द्रनाथ टैगोर ने खुद कांग्रेस के 12 वें अधिवेशन में सन् 1896 में इसे गाया। कांग्रेस की स्थापना के ठीक अगले वर्ष यह राष्ट्रीय आकांक्षाओं का स्वर बन गया। 1905 के बंगाल विभाजन के विरुद्ध आंदोलन में सुरेंद्रनाथ बनर्जी, बिपिन चंद्र पाल, तिलक, लाला लाजपत राय जैसे नेताओं ने इसका खुला प्रतिकार किया। 16 अक्टूबर 1905 को टैगोर के नेतृत्व में "एकता दिवस" पर राखी बांधकर सामूहिक गान हुआ, जो लाखों भारतीयों की धड़कन बन गया। कांग्रेस अधिवेशनों में यह गीत राष्ट्रीय संकल्प का उद्घोष था। 1921 के असहयोग आंदोलन में हजारों सत्याग्रही इसे नारा लगाते जेल गए। अंग्रेजों को इससे भय था, इसलिए गान को अपराध घोषित कर लाठियां और गोलियां चलाई गईं, किंतु आवाजें नहीं रुकीं। नेहरू, गांधी, पटेल, आजाद जैसे नेताओं ने इसे स्वतंत्रता का नैतिक आधार माना। 1929 में नेहरू ने अध्यक्षीय भाषणों का अंत जयघोष से किया। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में उन्होंने वंदे मातरम् को प्रथम गीत निर्देशित किया। स्वतंत्रता पूर्व रात्रि में डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पत्र में कार्यक्रम की शुरुआत इसी से करने को कहा। संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को इसे राष्ट्रगीत का दर्जा दिया। नेहरू ने 1955 में सरकारी कार्यक्रमों में इसे प्रारंभिक गीत बताया। कांग्रेस ने इसे जन-जन तक पहुंचाया, आंदोलनों का केंद्र बनाया। बंगाल से उत्तर, दक्षिण भारत तक यह साझा पहचान बना। अंग्रेज भयभीत हुए क्योंकि यह शासन को चुनौती देता था। स्वतंत्रता के बाद यह राष्ट्रीय अनुष्ठानों की धड़कन रहा। यह गीत सांस्कृतिक आत्मविश्वास का प्रतीक था, जिसने सामान्य जन को संगठित राष्ट्र बनाया। विविधता में एकता का अनुभव कराया। आज भी यह स्वतंत्रता के जागरण की उजली ध्वनि है- अतीत की स्मृति और भविष्य की प्रेरणा। कांग्रेस की साहसी भूमिका ने इसे धड़कता हृदय बनाया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग बात

हृदयानंद मिश्र

'वंदे मातरम्' राष्ट्र प्रेम की भावना से लिखा गया एक अमर गीत

बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा लिखा गया 'वंदे मातरम्' गीत के 150 वीं वर्षगांठ पर देश की लोकसभा और राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जिस तरह बहसें हुई हैं, इससे प्रतीत होता है कि यह गीत आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना कि इस गीत के रचना के समय था। इस अमर राष्ट्र गीत के पक्ष में सत्ता पक्ष के नेताओं ने कहा कि यह गीत स्वाधीनता आंदोलनकारियों को भारत माता को बेड़ियों से मुक्त करने के लिए एक नई ऊर्जा भर दी थी। यह गीत तब से लेकर आज तक देशवासियों को राष्ट्रीय चेतना से प्रेरित करता रह रहा है।

देश की बात

विजय केसरी

वहीं दूसरी ओर विपक्ष के नेताओं ने सत्ता पक्ष पर यह आरोप लगाया कि बंगाल विधानसभा के चुनाव को ध्यान में रखकर इस गीत पर चर्चा कर राजनीति कर रही है। आरोप और प्रत्यारोप तो चलता ही रहेगा, लेकिन बंकिमचंद्र चटर्जी ने इस गीत को उस दौर में लिखा था, जब भारत ब्रिटिश हुकूमत के अधीन था। सच्चे अर्थों में इस गीत ने स्वाधीनता सेनानियों में एक नई ऊर्जा का संचार कर दिया था। इस गीत की पंक्तियों ने ब्रिटिश हुकूमत की नींव हिला करके रख दी थी। इसके साथ ही इस गीत ने पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण में रहने वाले तमाम देशवासियों को एक सूत्र में बांधने का काम किया था। वंदे मातरम् गीत राष्ट्र प्रेम की भावना से लिखा गया एक अमर गीत बन चुका है। इस गीत की गूंज सदियों तक सुनाई पड़ती रहेगी। 'वन्दे मातरम्' बंकिमचन्द्र चटर्जी द्वारा संस्कृत और बांग्ला मिश्रित भाषा में रचित एक गीत अमर गीत है। इस गीत के रचयिता बंकिमचंद्र चटर्जी को भी पता नहीं था कि यह उनका अमर गीत बनने वाला है। उन्होंने भारत माता व जन्मभूमि की महत्ता पर वंदे मातरम् की पंक्तियां निछावर कर दिया है। इस गीत का प्रकाशन सन 1882 में उनके उपन्यास 'आनन्द मठ' में अन्तर्निहित गीत के रूप में हुआ था। इस गीत से सदियों से सुप्त भारत देश जग उठा था। आगे चलकर यह यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरक बना रहा था। आनंद मठ उपन्यासमें यह गीत भवानन्द नाम के संन्यासी द्वारा गाया गया है। इस गीत की लोकप्रियता का आलम यह है कि 2003 में, बीबीसी वर्ल्ड सर्विसद्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षण में, जिसमें उस समय तक के सबसे मशहूर दस गीतों का चयन करने के लिये दुनिया भर से लगभग सात हजार गीतों को चुना गया था। बीबीसी के अनुसार 155 देशों -द्वीप के लोगों ने इसमें मतदान किया था। उसमें वन्दे मातरम् शीर्ष के दस गीतों में दूसरे स्थान पर था। वंदे मातरम् गीत को बंकिम चंद्र चटर्जी ने संस्कृत और बांग्ला भाषा मिश्रित लिखा था। लेकिन लिपि बांग्ला थी। इसलिए बांग्ला भाषा को ध्यान में रखा जाए तो इसका शीर्षक 'बन्दे मातरम्' होना चाहिये 'वन्दे मातरम्' नहीं। चूंकि हिंदी व संस्कृत भाषा में 'वन्दे' शब्द ही सही है, लेकिन यह गीत मूलरूप में बांग्ला लिपि में लिखा गया था और चूंकि बांग्ला लिपि में व अक्षर है ही नहीं। अतः बन्दे मातरम् शीर्षक से ही बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय ने इसे लिखा था। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए शीर्षक 'बन्दे मातरम्' होना चाहिए था। परन्तु संस्कृत में 'बन्दे मातरम' का कोई शब्दार्थ नहीं है तथा 'वन्दे मातरम्' उच्चारण करने से 'माता की वन्दना करता हूं' ऐसा अर्थ निकलता है। इसलिए देवनागरी लिपि में इसे वन्दे मातरम् ही लिखना व पढ़ना समीचीन होगा। वंदे मातरम् गीत पर समीक्षा से पूर्व यह जानना जरूरी हो जाता है कि जिस कालखंड में बंकिम चंद्र ने इस गीत की रचना की थी, भारत गुलाम था। भारत का मूल धर्म सनातन धर्म और संस्कृति पर ब्रिटिश हुकूमत द्वारा जबरदस्त ढंग से हमला किया जा रहा था। बंकिम चंद्र यह बखूबी जानते थे कि भारत की सनातन संस्कृति कितना गौरवशाली है। भारत माता के करोड़ों पुत्र होने के बावजूद भारत माता अधिक दिनों तक बेड़ियों में कैसे बंधी रह सकती हैं? भारत माता के इस विराट व्यक्तित्व को लेकर इस गीत की रचना हुई थी। 'वंदे मातरम्' गीत की पंक्तियां इस प्रकार हैं। वन्दे मातरम्/सुजलां सुफलाम्/मलयजशीतलाम्/ शस्यश्यामलाम्/ मातरम्। कवि ने वंदे मातरम् गीत की अंतिम पंक्तियों में जननी जन्मभूमि के श्यामल रूपों का बहुत ही सुंदर ढंग से वर्णन किया है। भारत की पवित्र भूमि का वर्ण श्यामल है। जिसका चरित्र पावन है। आपका मुख सुंदर हंसी से विलसित है। सर्वाभरणभूषित होने के कारण आप कितनी सुंदर लगती हैं। कवि को गर्व है कि भारत भूमि उसकी जन्म भूमि है। इस जन्म भूमि में जन्म लेने वाले हर संतान पर सदैव माता की कृपा हमेशा बनी रहती है। सच्चे अर्थों में यह धरती स्वर्ग के समान है। इस पवित्र भूमि को धारण करनेवाली तथा हमें संभालने वाली भी आदि शक्ति स्वरूपा आप ही हैं। इसलिए माता आपको बारंबार प्रणाम। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

जग जीवन में आ रहे हैं फिर बड़े घुमाव।
'कालनेमि' सा वक्त भी करता है बरताव।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

झारखंड राज्य की संघर्ष से संभावनाओं तक नई यात्रा

झारखंड भारत का वह भूभाग जिसे प्रकृति ने अपार संपदा दी, पर इतिहास ने उतनी ही उपेक्षा। बिरसा मुंडा की धारदार चेतना से लेकर सिद्धो-कान्हू के विद्रोह तक, यह भूमि हमेशा से अस्मिता, संघर्ष और स्वाभिमान की जननी रही है। लेकिन एकीकृत बिहार के दौर में झारखंड की पहचान सिर्फ "खदानों का प्रदेश" बनकर रह गई जहां संसाधनों की रोशनी चमकती थी, पर उस रोशनी से स्थानीय घरों में उजाला कम ही पहुंचता था। सन 2000 में जब झारखंड राज्य अस्तित्व में आया, तब उम्मीद थी कि अब विकास का सूरज सिर्फ खदानों और कारखानों के ऊपर ही नहीं, बल्कि गांवों, पहाड़ों, जंगलों और साधारण जनजीवन पर भी चमकेगा। 25 वर्षों की इस यात्रा में झारखंड ने बहुत कुछ पाया है, बहुत कुछ सीखा है और बहुत कुछ अभी बाकी है। आर्थिक तस्वीर एकीकृत बिहार के समय झारखंड में कोयला, लौह अयस्क, बाक्साइट, अभ्रक, तांबा सहित देश के 40% से अधिक खनिज मौजूद थे। उद्योग-बोकारो, धनबाद, जमशेदपुर-देश की आर्थिक धुरी थे। लेकिन विडंबना यह कि खदानों ने झारखंड की धरती को खोखला किया पर लाभ पटना और कॉरपोरेट जगत के खाते में गया। स्थानीय लोग विस्थापन, गरीबी, बेरोजगारी और पर्यावरणीय क्षरण के दंश झेलते रहे। झारखंड के आदिवासी, दलित और ग्रामीण समुदाय योजनाओं के अंतिम कतार में खड़े थे। पारंपरिक संस्कृति के संरक्षण को सरकारी प्राथमिकता नहीं। स्वास्थ्य ढांचा जर्जर स्थिति में। महिला शिक्षा और सुरक्षा अत्यंत कमजोर। ग्रामीण इलाकों में गरीब परिवारों की स्थिति बदहाल। राजनीतिक संघर्षगाथा ऐसी है कि झारखंड आंदोलन लगभग एक शताब्दी पुराना था, लेकिन राजनीतिक इच्छा-शक्ति के अभाव में यह भूभाग विकास से दूर और अधिकार से वंचित रहा। स्थानीय नेतृत्व की भूमिका सीमित थी और निर्णय कहीं और बैठकर लिए जाते थे। शैक्षणिक स्थिति की बात करें तो संसाधन नहीं, अवसर नहीं, विद्यालय दूर, शिक्षक अनुपस्थित, महाविद्यालय का अता-पता नहीं, जनजातीय बच्चों का ड्रॉपआउट रेट बहुत अधिक, उच्च शिक्षा के नाम पर सीमित संस्थान, तकनीकी शिक्षा लगभग शून्य, युवा- महिला-बाल स्थिति जो आपसे छुपा नहीं है। जहां युवाओं के पास नौकरी नहीं, महिलाओं के पास अवसर नहीं, वहीं बच्चों के पास पोषण और शिक्षा नहीं थी। उपेक्षा की यह परतें झारखंड के कल की कड़वी हकीकत थीं। जो अब भूत हो गई है। झारखंड की वर्तमान स्थिति पर नजर डालें तो 25 वर्षों की विकास यात्रा में आर्थिक परिदृश्य की बदलती धारा से राज्य गठन के बाद आर्थिक ढांचे में कई सकारात्मक बदलाव आए खनिज राजस्व अब राज्य के खाते में आता है। औद्योगिक नीति ने नए निवेश के रास्ते खोले हैं। बिजली उत्पादन में झारखंड मजबूत राज्य बनकर उभरा है। कृषि में जैविक खेती, लाह, तसर, औषधीय पौधों को बढ़ावा मिला है। हालांकि बड़े उद्योगों की गति अपेक्षित तीव्रता से अब भी पीछे है। सामाजिक विकास की नई लकीरें थोड़ी आगे बढ़ी है। स्वास्थ्य केंद्रों का विस्तार हुआ है। ग्रामीण इलाकों तक मोबाइल चिकित्सा इकाइयाँ उपलब्ध हुई है। महिलाओं के लिए स्वयं सहायता समूहों का सशक्त नेटवर्क तैयार हुआ है। पोषण योजनाओं से कुपोषण में धीरे-धीरे कमी आई है। आदिवासी भाषा और संस्कृति के संरक्षण के लिए पहल हुआ है। 25 वर्षों में झारखंड ने राजनीतिक उतार-चढ़ाव खूब देखे, लेकिन इससे एक सकारात्मक पक्ष भी निकला है। स्थानीय नेतृत्व उभरा और जनभागीदारी बढ़ी। शिक्षा में सुधार की नई कहानी गढ़ी जा रही है। हजारों नए विद्यालय और आधारभूत संरचनाएं तैयार हो रही है। आईआईएम, आईआईआईटी, एम्स, एनयूएसआरएल, बीआईटी मेसरा जैसे संस्थानों से उच्च शिक्षा को गति मिली है। कौशल शिक्षा और टेक्निकल ट्रेनिंग कार्यक्रम आगे बढ़े हैं। खेल के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन तीरंदाजी, हॉकी में राष्ट्रीय-वैश्विक पहचान प्राप्त हुआ है। युवाओं में रोजगार के अवसर बढ़े, पर चुनौतियां भी बड़ी है। नए अवसर बने, पर बेरोजगारी और पलायन अब भी बड़ी समस्या है। युवाओं के पास प्रतिभा तो है पर प्लेटफॉर्म की आवश्यकता है। अभी भी मौजूदा चुनौतियां बहुत है। नक्सल प्रभावित इलाकों में धीमा विकास के कारण ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था में असमानता देखी जा रही है। उद्योगों में स्थानीय भागीदारी कम दिख रहे हैं। लेकिन आज का झारखंड बदल रहा है जागरूकता बढ़ी है, नेतृत्व बदला है, सोच बदली है। आने वाला कल तभी सुनहरा होगा, जब विकास की रोशनी राज्य के हर पर्वत, हर गाँव, हर घर और हर बच्चे के भविष्य तक पहुंचाने में हम सब का सहयोग होगा। झारखंड की मिट्टी में संभावनाएं अनंत हैं, अब आवश्यकता है एकीकृत प्रयासों की, संवेदनशील शासन की और जनमानस की एकजुट इच्छा-शक्ति की। झारखंड कल उपेक्षित था, आज परिवर्तनशील है और भविष्य निश्चय ही स्वर्णिम होगा। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

आपकी बात

डॉ दीपक प्रसाद

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

अप्र: खाई में गिरा ट्रक, कई मजदूर लापता, सेना ने संभाला मोर्चा

इटानगर/नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारतीय सेना ने गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश के चागलागाम क्षेत्र में एक बड़ा सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। यह ऑपरेशन तिनसुकिया से ट्रक सवार 21 मजदूरों के लिए चलाया जा रहा है। जिनका वाहन एक गहरी खाई में जा गिरा। माना जा रहा है कि हादसा 8 दिसंबर की रात को केएम 40 के पास हुआ। 10 दिसंबर की देर रात इसका पता तब चला जब एक शख्स चिपरा जीआरईएफ कैंप पहुंचा और उसने अधिकारियों को अलर्ट किया। हादसे में जीवित बचे व्यक्ति की शुरुआती जानकारी के अनुसार, वाहन सड़क से फिसल गया और नीचे दुर्गम जंगल वाली खाई में जा गिरा। यह जगह, जो चागलागाम से लगभग 12 किमी पहले है, एक दूरदराज के इलाके में है जहां कनेक्टिविटी बहुत कम है। जिंदा बचे हुए व्यक्ति के आने तक किसी भी स्थानीय एजेंसी, ठेकेदार या सिविल प्रतिनिधि ने लापता मजदूरों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी थी। पता चलने के बाद राहत कार्यों में गति आई। 11 दिसंबर को, भारतीय सेना की स्पीयर कोर ने मेडिकल टीमों, जीआरईएफ कर्मियों, स्थानीय पुलिस, एनडीआरएफ सदस्यों और हयूलियांग के अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) के साथ बचाव दल भेजा। एक अधिकारी ने कहा, "सुबह 11:55 के करीब, चार घंटे की गहन खोज और रस्सी से नीचे उतरने के बाद, ट्रक केएम 40 के पास सड़क से लगभग 200 मीटर नीचे एक ऐसी जगह पर देखा गया, जो दुर्गम थी और घने पेड़ों और झाड़ियों के कारण हेलीकॉप्टर या सड़क से दिखाई नहीं दे रही थी। अठारह शव देखे गए हैं और उन्हें निकालने की कोशिश की जा रही है।"अधिकारियों के अनुसार, घनी झाड़ियों के कारण वाहन पहले दिखाई नहीं दे रहा था। अब तक, दुर्घटनास्थल पर 18 शव देखे गए हैं और उन्हें बेले रोप सिस्टम (रॉक क्लाइंबिंग और तकनीकी बचाव कार्यों में इस्तेमाल होने वाली एक सुरक्षा प्रणाली) का उपयोग करके निकाला जा रहा है। एडीसी हयूलियांग ने एसपी अंजॉ को सूचित किया है, जो घटनास्थल पर पहुंच गए हैं, जबकि जिला चिकित्सा अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं। उपायुक्त द्वारा बुलाई गई राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) भी घटनास्थल की ओर बढ़ रही है।

राहुल गांधी के दावे साबित हुए झूठे

चीफ इन्फॉर्मेशन कमिश्नर की नियुक्तियां बताती हैं कुछ और ही कहानी

नई दिल्ली (आईएएनएस)

देश के नए मुख्य सूचना आयुक्त के चयन के लिए बुधवार को चयन समिति की अहम बैठक हुई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी शामिल हुए। इस दौरान 8 सूचना आयुक्तों के नामों पर फैसला लिया गया था, जिसमें से कुछ नामों पर नेता विपक्ष राहुल गांधी ने असहमति जताई। हालांकि, इस दौरान राहुल गांधी ने जो तर्क दिए थे, वे पूरी तरह से गलत साबित हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सूचना आयुक्तों को चुनने के लिए हुई मीटिंग में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपना विरोध दर्ज कराया। उन्होंने आरोप लगाया कि शॉर्टलिस्ट में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और ईबीसी समुदायों के नाम शामिल नहीं थे। मीडिया के अनुसार, उन्होंने दावा किया कि संवैधानिक और स्वायत्त संस्थानों में नियुक्तियों से एससी, एसटी, ओबीसी, ईबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों को बाहर रखने का एक व्यवस्थित तरीका है। हालांकि, असलियत कुछ और ही है। केंद्रीय सूचना आयोग की स्थापना 2005 में हुई थी। 2005 से 2014 तक, यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान, एससी/एसटी समुदाय के किसी भी व्यक्ति को आयोग के सदस्य या अध्यक्ष के रूप में नियुक्त नहीं किया गया था। यह एनडीए सरकार थी, जिसने 2018 में एसटी समुदाय के सदस्य सुरेश चंद्र को आयोग में नियुक्त किया। गौरतलब है कि हीरालाल समरिया अंतिम मुख्य सूचना आयुक्त थे, जिन्होंने 65 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद 13 सितंबर को अपना पद छोड़ दिया था। 2020 में हीरालाल सामरिया को सूचना आयुक्त नियुक्त किया गया और 2023 में वह मुख्य सूचना आयुक्त बने। वह अनुसूचित जाति समुदाय से पहले सीआईसी के रूप में चुने गए थे।

राहुल लीडर ऑफ अपोजिशन नहीं, बल्कि लीडर ऑफ पलायन हैं : पूनावाला

नई दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। इस दौरान राहुल गांधी पर पॉलिटिकल प्रोपेगेंडा और भागने का आरोप लगाया। साथ ही विपक्ष और राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर लगातार लगाए जा रहे आरोपों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी सांसदों से और खासकर विपक्ष के मित्रों से एक विनम्र आह्वान किया था कि संसद, जिसे हम लोकतंत्र का मंदिर मानते हैं, उसमें ड्रामा को नहीं, डिलीवरी को तरजीह दी जानी चाहिए, व्यवधान को नहीं, चर्चा को तरजीह दी जानी चाहिए, नारे को नहीं, नीति और नीयत को तरजीह दी जानी चाहिए। मुझे लगता है कि इतनी अच्छी सलाह का कोई असर विपक्ष के कई मित्रों पर हुआ ही नहीं है और इसीलिए शीतकालीन सत्र को अगर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से किसी एक चीज के लिए लगातार याद रखा जाएगा, तो उसके लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान शहजाद पूनावाला ने कहा कि एसआईआर को लेकर संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच चर्चा के दौरान बहस भी जारी है। विपक्ष लगातार सरकार को इस मुद्दे पर घेरने की कोशिश कर रहा है। जब बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह एसआईआर पर विपक्ष को एक-एक सवाल का जवाब दे रहे थे, तो राहुल गांधी समेत तमाम विपक्षी सांसद बहिष्कार करके बाहर चले गए। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी के तीन बंदर थे: बुरा मत देखो, बुरा मत बोलो और बुरा मत सुनो। आज आधुनिक काल में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भी तीन राजनैतिक सांकेतिक बंदर हैं। ये तीन बंदर राहुल गांधी की उस प्रवृत्ति को दर्शाते हैं कि सच मत बोलो, सच मत सुनो और सच मत देखो। उन्होंने कहा कि बुधवार को संसद में जो चुनाव सुधार को लेकर विस्तृत चर्चा हुई, उसमें राहुल गांधी ने इन्हीं तीन बंदरों का उदाहरण पेश करते हुए बता दिया कि राहुल गांधी न सच सुनने को तैयार थे, राहुल गांधी न सच देखने को तैयार थे और राहुल गांधी न सच बोलने को तैयार थे। शहजाद पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी शायद सच बोलने और उस पर टिके रहने की फिलॉसफी में विश्वास नहीं करते। इसीलिए उन्होंने एलओपी शब्द को एक नया मतलब दिया है।

उमर खालिद को 29 दिसंबर तक मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली (आईएएनएस)। दिल्ली दंगा मामले में जेल में बंद जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद को कड़कड़डूमा कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने गुरुवार को उनकी ओर से दायर उस याचिका को स्वीकार कर लिया है, जिसमें उन्होंने अपनी बहन के निकाह में शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत की मांग की थी। सुनवाई के बाद, अदालत ने खालिद को 16 दिसंबर से 29 दिसंबर तक अंतरिम जमानत प्रदान की है। खालिद की बहन का निकाह 27 दिसंबर को होना है और याचिका में 14 दिसंबर से 29 दिसंबर तक की जमानत अवधि मांगी गई थी। हालांकि, अदालत ने खालिद को 16 दिसंबर से 29 दिसंबर तक की अंतरिम जमानत मंजूर की है। अदालत ने अंतरिम रिहाई के साथ कुछ सख्त शर्तें भी लागू की हैं, जिनमें उमर खालिद सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करेंगे, किसी भी गवाह से संपर्क नहीं करेंगे और केवल परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, और करीबी दोस्तों से ही मिल सकेंगे। रिहाई के दौरान खालिद अपने घर पर ही रहेंगे या केवल उन स्थानों पर जा सकेंगे जहां शादी की रस्में और कार्यक्रम आयोजित होंगे।

रास में चुनाव सुधारों पर रोकी गई बहस

सोमवार को फिर से शुरू होगी चर्चा

नई दिल्ली (आईएएनएस)

राज्यसभा में चुनाव सुधारों पर चल रही बहस गुरुवार को स्थगित कर दी गई। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने घोषणा की कि बाकी चर्चा सोमवार को दोपहर 1 बजे होगी। यह फैसला संसद में होने वाली प्रार्थना सभा को देखते हुए लिया गया, जिसके कारण सदस्यों को अपनी बात बीच में ही रोकनी पड़ी। किरेन रिजिजू ने सदन को बताया कि कई सदस्यों ने इस विषय पर पहले ही बात कर ली थी, लेकिन तय समय में बहस पूरी नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि सांसदों को प्रार्थना सभा में हिस्सा लेना है, इसलिए चुनाव सुधारों पर बाकी चर्चा सोमवार को दोपहर 1 बजे होगी और सदस्यों से सोमवार को फिर से इकट्ठा होने का अनुरोध किया। चुनाव सुधारों पर चर्चा शुक्रवार को नहीं होगी, क्योंकि यह दिन प्राइवेट मेंबर्स बिल के लिए तय है। इसके बाद उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने शाम 4 बजे सदन को शुक्रवार तक के लिए संसद को स्थगित कर दिया। चुनाव सुधारों पर बहस मौजूदा सत्र की सबसे गरमागरम चर्चाओं में से एक रही है, जिसमें विपक्षी सांसदों ने मतदाताओं के नाम हटाने, चुनावी सूचियों में पारदर्शिता और चुनाव आयोग की प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता पर चिंता जताई है। आप सांसद संजय सिंह, कांग्रेस नेता अजय माकन और जयराम रमेश, और भाजपा सांसदों में सुधांशु त्रिवेदी और जेपी नड्डा ने अपनी राय रखी है और भारत के लोकतंत्र की स्थिति पर बिल्कुल अलग-अलग विचार पेश किए। जहां विपक्षी सदस्यों ने मतदाताओं के नाम मनमाने ढंग से हटाने, मतदान के आंकड़ों में विसंगतियों और केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है, वहीं सत्ताधारी पार्टी के सांसदों ने भारत की चुनावी प्रणाली की मजबूती का बचाव किया है और ईवीएम, वोटर आईडी और सीसीटीवी निगरानी जैसे तकनीकी सुरक्षा उपायों का हवाला दिया है।

बहस को फिर से शेड्यूल करके, किरेन रिजिजू यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि जिन सदस्यों ने नोटिस दिए थे और अपनी बात रखने की तैयारी की थी, उन्हें अपने विचार पेश करने के लिए पर्याप्त समय मिले। सोमवार के सत्र में और भी गरमागरम बहस होने की उम्मीद है, जिसमें दोनों पक्ष चुनावी निष्पक्षता, सुधारों और संवैधानिक अधिकारियों की भूमिका पर अपने-अपने तर्कों को और मजबूत करेंगे।

'पिछले पांच साल में करीब 9 लाख भारतीयों ने छोड़ी नागरिकता'

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को संसद को जानकारी दी कि पिछले पांच वर्षों में करीब 9 लाख भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ी है। विदेशी नागरिकता अपनाने वालों की यह प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है। राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि सरकार भारतीय नागरिकता छोड़ने वालों का वर्षवार रिकॉर्ड रखती है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में नागरिकता त्यागने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी है। बताया गया कि 2020 में 85,256; 2021 में 1,63,370; 2022 में 2,25,620; 2023 में 2,16,219 और 2024 में 2,06,378 लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी। इसके अलावा, 2011 से 2019 के बीच 11,89,194 भारतीयों ने अपनी नागरिकता त्याग दी। इस अवधि में 2011 में 1,22,819; 2012 में 1,20,923; 2013 में 1,31,405; 2014 में 1,29,328; 2015 में 1,31,489; 2016 में 1,41,603; 2017 में 1,33,049; 2018 में 1,34,561 और 2019 में 1,44,017 लोगों ने नागरिकता छोड़ी। इसी बीच, 2024-25 में विदेशों में रहने वाले भारतीयों से प्राप्त शिकायतों के बारे में पूछे गए एक अन्य प्रश्न के उत्तर में विदेश राज्य मंत्री ने बताया कि विदेश मंत्रालय को कुल 16,127 शिकायतें मिलीं। इनमें से 11,195 शिकायतें 'मदद' पोर्टल और 4,932 शिकायतें सीपीग्राम्स के माध्यम से दर्ज हुईं।

मणिपुर हिंसा के बाद शांति-सौहार्द बहाली केंद्र की सर्वोच्च प्राथमिकता : राष्ट्रपति

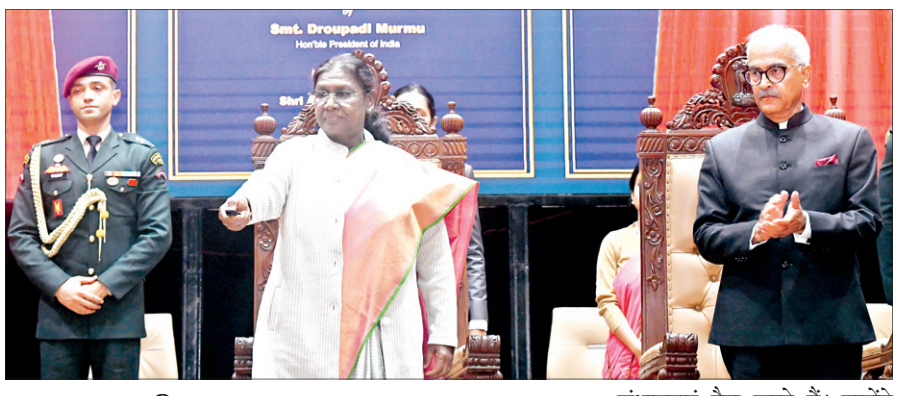

इम्फाल (हि.स.)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि हाल की मणिपुर हिंसा के बाद राज्य में शांति, सौहार्द और स्थिरता बहाल करना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मणिपुर के लोगों की पीड़ा और चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार हर संभव कदम उठा रही है। राष्ट्रपति ने गुरुवार शाम इम्फाल में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में यह बात कही, जहां उन्होंने कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया। सिटी कन्वेंशन सेंटर में संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि मणिपुर दृढ़ता, साहस और असाधारण सांस्कृतिक विरासत की भूमि है। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों ने खेल, सशस्त्र बलों, कला-संस्कृति और लोकसेवा जैसे क्षेत्रों में देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार मणिपुर में सुरक्षा सुनिश्चित करने, सौहार्द को मजबूत करने और राज्य को स्थिरता तथा समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का लक्ष्य है कि विकास और प्रगति का लाभ मणिपुर के हर कोने तक पहुंचे। राष्ट्रपति ने कहा कि मणिपुर दक्षिण-पूर्व एशिया से भारत के संबंधों का प्रवेशद्वार है और यहां के युवा, संस्कृति तथा प्राकृतिक सौंदर्य राज्य में असीम संभावनाएं पैदा करते हैं। उन्होंने राज्य की स्वावलंबी महिलाओं का उल्लेख करते हुए नूपी लान (महिला आंदोलनों) के ऐतिहासिक योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने विश्वास जताया कि घाटी और पहाड़ दोनों क्षेत्रों के लोग नए उत्साह और सामंजस्य के साथ आगे बढ़ेंगे और मणिपुर को खुशहाली की नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। राष्ट्रपति ने लोगों से शांति, एकता और विकास के प्रयासों को पूरा सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर ऐसा मणिपुर बनाना है जहां हर बच्चा सुरक्षित महसूस करे, हर महिला सशक्त हो, हर समुदाय शामिल हो और हर नागरिक उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़े। इससे पहले, राष्ट्रपति मुर्मु ने ऐतिहासिक मापाल कांगजेइबुंग में एक पोलो प्रदर्शनी मैच भी देखा।

- **राज्य के लोगों ने खेल, सशस्त्र बलों, कला-संस्कृति और लोकसेवा जैसे क्षेत्रों में देश का गौरव बढ़ाया है**

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने किया बड़ा दावा

'राजद के अंदर जल्द दिखेगा बगावत'

पटना (आईएएनएस)

बिहार विधानसभा चुनाव में राजद के 25 सीटों पर सिमटने के बाद पार्टी के अंदर भी बगावती सुर सुनाई देने लगे हैं। इसी बीच, एनडीए के नेता भी दावा कर रहे हैं कि राजद के अंदर जल्द ही नेतृत्व के खिलाफ बगावत दिखाई देगी। भाजपा के नेता और बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने गुरुवार को मीडिया से कहा, "लालू यादव के परिवार में जो बगावत हुई, वह सबने देखी है। बहुत जल्द राजद के अंदर की जो लड़ाई है, वह बाहर दिखेगी। पार्टी में जो असंतोष है, वह बाहर दिखेगा। नेतृत्व के खिलाफ जो बगावत है, वह लोगों के सामने दिखेगी। परिवार में जो बगावत थी, वह तो दिख गई है, पार्टी नेतृत्व के खिलाफ भी बगावत बाहर आने वाली है।" दरअसल, इससे पहले राजद के नेता और लालू यादव के सहयोगी रहे शिवानन्द तिवारी ने सोशल मीडिया पर पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को शादी की सालगिरह की बधाई देते हुए उनके नेतृत्व पर भी सवाल उठा दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, ''तेजस्वी, तुमने तो मैदान ही छोड़ दिया। तुम तो दो दिन भी नहीं टिक पाए। अपने सहयोगियों और समर्थकों का मन छोटा कर दिया। संजय यादव और जगदानंद सिंह ने तेजस्वी यादव की आंखों पर पट्टी बांध दी थी।

केरल : स्कूल परिसर में महिला शिक्षक पर पति ने किया हमला

कोट्टायम (आईएएनएस)। केरल के कोट्टायम में गुरुवार सुबह एक महिला शिक्षक पर उसके पति ने स्कूल परिसर के अंदर ही हमला कर दिया। इस घटना से विद्यालय में अफरातफरी फैल गई। घटना एट्टुमनूर स्थित पूवाथुमूडू स्कूल में करीब 10:30 बजे हुई। आरोपी की पहचान कोचुमोन के रूप में हुई है, जिसने अपनी पत्नी डोनिया पर हमला किया, जो स्कूल में शिक्षिका हैं। स्कूल प्रशासन के अनुसार, हमला हेडमिस्ट्रेस के कमरे में हुआ। बताया जा रहा है कि कोचुमोन ने पहले अपनी पत्नी से मिलने की अनुमति मांगी और फिर अचानक धारदार हथियार से उसके गले पर वार कर दिया। घायल शिक्षिका को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि उनकी चोटें गंभीर नहीं हैं और खतरे से बाहर हैं। स्कूल स्टाफ ने आशंका जताई कि हमला घरेलू विवाद से जुड़ा हो सकता है। इससे पहले आरोपी सुबह करीब 9:30 बजे भी स्कूल पहुंचा था और अपनी पत्नी के बारे में पूछताछ की थी।

चुनाव आयोग का फैसला

यूपी और एमपी समेत छह राज्यों में एसआईआर की तारीख बढ़ी

नई दिल्ली (आईएएनएस)

निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने गुरुवार को छह राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्यक्रम में बदलाव किया है। बता दें कि ईसीआई संबंधित राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के अनुरोध पर आयोग ने नए शेड्यूल को मंजूरी देते हुए संशोधित तिथियां जारी की हैं। यह पुनरीक्षण 1 जनवरी 2026 को रेफरेंस तिथि मानकर किया जा रहा है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार तमिलनाडु और गुजरात में एन्यूमरेशन अवधि अब 14 दिसंबर 2025 तक (रविवार) रहेगी और ड्राफ्ट मतदाता सूची 19 दिसंबर 2025 (शुक्रवार) को प्रकाशित होगी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और अंडमान एवं निकोबार में एन्यूमरेशन अवधि 18 दिसंबर 2025 (गुरुवार) तक बढ़ाई गई है और इन तीनों के लिए ड्राफ्ट सूची 23 दिसंबर 2025 (मंगलवार) को जारी की जाएगी। वहीं, उत्तर प्रदेश में एन्यूमरेशन अवधि 26 दिसंबर 2025 (शुक्रवार) तक बढ़ाई गई है और ड्राफ्ट मतदाता सूची 31 दिसंबर 2025 (बुधवार) को प्रकाशित की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने बताया कि इससे पहले संशोधित कार्यक्रम में एन्यूमरेशन अवधि 11 दिसंबर 2025 तक थी और ड्राफ्ट मतदाता सूची 16 दिसंबर को जारी की जानी थी। इसके साथ ही, गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में एन्यूमरेशन अवधि आज यानी 11 दिसंबर को समाप्त हो रही है। इन राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में ड्राफ्ट मतदाता सूची 16 दिसंबर को प्रकाशित की जाएगी। केरल के लिए कार्यक्रम पहले ही बदला जा चुका है। यहां एन्यूमरेशन अवधि 18 दिसंबर 2025 को समाप्त होगी और ड्राफ्ट सूची 23 दिसंबर 2025 को जारी की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए, इसके लिए नए मतदाताओं को फॉर्म 6 के साथ घोषणा-पत्र भरकर बीएलओ को जमा कराने या फिर ईसीआई नेट या ऐप/पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। अंतिम मतदाता सूची फरवरी 2026 में प्रकाशित की जाएगी।

गंगोत्री नेशनल पार्क में कड़ाके की ठंड, बर्फ में तब्दील हुआ पानी

गंगोत्री (आईएएनएस)। गंगोत्री नेशनल पार्क में इन दिनों कड़ाके की ठंड का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे वहां के ऊपरी इलाकों में पानी जमकर बर्फ में बदल चुका है। गंगोत्री धाम, चीड़वासा और कनखू बैरियर जैसे ऊंचाई वाले स्थानों पर बर्फ की मोटी परत जम गई है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों और पार्क कर्मियों के लिए पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। इन क्षेत्रों के लोग और वनकर्मी जमे हुए पानी को गर्म करके पीने और अन्य उपयोगों के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। इस बर्फबारी के कारण निचले इलाकों में भी सर्दी का असर बढ़ गया है। ऊपरी हिमालय में बर्फबारी के बाद तापमान में आई गिरावट ने इन क्षेत्रों को और भी ठंडा बना दिया है।

ममता बनर्जी का बीजेपी पर तीखा वार

प. बंगाल-यूपी नहीं है, यहां ऐसा नहीं होने दिया जाएगा

एजेंसी

प. बंगाल। ममता बनर्जी ने गीता पाठ के दौरान मांसाहारी विक्रेताओं पर हुए हमले की निंदा करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में ऐसी धमकियां स्वीकार्य नहीं हैं और सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने भाजपा पर सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि धर्म का अर्थ पालन करना है, विभाजन करना नहीं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कोलकाता में हाल ही में हुए गीता पाठ कार्यक्रम में दो ठेलेवालों पर हुए हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि राज्य में इस तरह की धमकियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नदिया जिले के कृष्णानगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह पश्चिम बंगाल है, उत्तर प्रदेश नहीं। उन्होंने ठेले बेचने वालों को पीटा... हमने कल रात सभी को गिरफ्तार कर लिया। बनर्जी ने भाजपा पर राज्य में सांप्रदायिक विभाजन की संस्कृति फैलाने का आरोप लगाया। भगवा पार्टी पर निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहा कि मैं सांप्रदायिक विभाजन में विश्वास नहीं करती। मैं सभी धर्मों के साथ चलना चाहती हूं। गीता पाठ के लिए सार्वजनिक सभा आयोजित करने की क्या आवश्यकता है? जो लोग ईश्वर से प्रार्थना करते हैं या अल्लाह से आशीर्वाद मांगते हैं, वे अपने हृदय में ऐसा करते हैं। धार्मिक ग्रंथों का राजनीतिक लामबंदी के लिए इस्तेमाल करने वालों पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने आगे कहा कि मैं उन लोगों से पूछना चाहती हूं जो लगातार 'गीता, गीता' जपते रहते हैं - श्री कृष्ण ने धर्म के बारे में क्या कहा था? धर्म का अर्थ है पालन करना, विभाजन करना नहीं। वे पश्चिम बंगाल को नष्ट करना चाहते हैं। वे राज्य पर कब्जा करना चाहते हैं और लोगों को बंगाली बोलने से रोकना चाहते हैं। हम सभी गीता पढ़ते और सुनाते हैं। इसके लिए सभा आयोजित करने की क्या आवश्यकता है? कोलकाता पुलिस ने बुधवार रात को तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर आरोप है कि उन्होंने 7 दिसंबर को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित 'पांच लोक्खो कोंठ गीता पाठ' के दौरान दो खाद्य विक्रेताओं पर हमला किया था।

एमपी-एमएलए कोर्ट ने आजम को किया दोषमुक्त

लखनऊ। सेना पर विवादित टिप्पणी करने के मामले में रामपुर एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को बरी कर दिया। यह फैसला करीब 8 साल बाद आया है। बता दें कि यह मामला भाजपा विधायक आकाश सक्सेना की ओर से 30 जून 2017 को दर्ज कराया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आजम खान ने सेना के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। भाजपा विधायक ने कहा था कि 2017 में आजम खान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर के दौरान सेना का मनोबल गिराने और समुदाय आधारित बयान दिया था।

न्यूज बॉक्स

लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य की मांग लड़कियों के लिए मायका बने सुरक्षित जगह

पटना (आईएएनएस)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने विधानसभा चुनाव में पार्टी को मिली हार के बाद अपना मायका छोड़ दिया। इस बीच, उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए मांग की है कि बेटियों के लिए मायका एक सुरक्षित स्थान बने। रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, लड़कियों को 10,000 रुपए देना या साइकिलें बांटना, भले ही नेक इरादे से किया गया हो, लेकिन ये भारत में महिलाओं के सशक्तीकरण में बाधा डालने वाले व्यवस्थागत मुद्दों को हल करने के मद्देनजर अपर्याप्त है। सरकार और समाज का यह प्रथम दायित्व होना चाहिए कि वह बेटियों के समान अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए, खासकर सामाजिक और पारिवारिक उदासीनता के मद्देनजर। उन्होंने आगे कहा, ''बिहार में गहरी जड़ें जमा चुकी पितृसत्तात्मक मानसिकता सामाजिक और राजनीतिक, दोनों क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन की आवश्यकता पैदा करती है। प्रत्येक बेटी को इस आश्वासन के साथ बड़े होने का अधिकार है कि उसका मायका एक ऐसा सुरक्षित स्थान है, जहां वह बिना किसी डर, अपराधबोध, शर्म या किसी को कोई स्पष्टीकरण दिए बिना लौट सकती है। इस उपाय को लागू करना सिर्फ एक प्रशासनिक दायित्व नहीं है, बल्कि अनगिनत महिलाओं को भविष्य में होने वाले शोषण और उत्पीड़न से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।''

मालीवाल का आरोप, दिल्ली में 9वीं फेल छात्रों को जबरन भेजा जा रहा एनआईओएस

नई दिल्ली(आईएएनएस)। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में कक्षा 9 के परीक्षा परिणाम पर गुरुवार को राज्यसभा में गंभीर सवाल उठे। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने 9वीं के छात्रों के खराब परिणाम का मुद्दा उठाते हुए यह आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में फेल छात्रों को दिल्ली सरकार द्वारा जबरन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग (एनआईओएस) में भेजा जा रहा है। मालीवाल ने दावा किया कि इससे ड्रॉपआउट रेट बढ़ रहा है। इस पर शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने लिखित जवाब दिया। डिजिटल संसद के अनुसार, दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पिछले पांच साल में कुल 3,20,150 छात्र 9वीं कक्षा में फेल हुए। 2020-21 में 31,541 छात्र, 2021-22 में 28,548 छात्र, 2022-23 में 88,421 छात्र, 2023-24 में 1,01,344 छात्र और 2024-25 में 70,296 छात्र फेल हुए हैं। स्वाति मालीवाल ने सदन में यह भी सवाल किया कि फेल हुए इन छात्रों में से कितने बच्चों को एनआईओएस में भेजा गया और उनका ड्रॉपआउट रेट क्या रहा। इस पर सरकार की ओर से बताया गया कि पिछले पांच साल में कुल 71,124 छात्रों को एनआईओएस में एडमिशन दिया गया। सरकार की मानें तो 2020-21 में 11,322 छात्रों को, 2021-22 में 10,598 छात्रों को, 2022-23 में 29,436 छात्रों को, 2023-24 में 7,794 छात्रों को और 2024-25 में 11,974 छात्रों को एनआईओएस में एडमिशन दिया गया।

गंभीर से कुछ हद तक सहमत हूं: डिविलियर्स

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा कि वह भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के इस विचार से 'कुछ हद तक' सहमत हैं कि वनडे क्रिकेट में बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है लेकिन उन्होंने टीम में लचीलापन और खिलाड़ियों की मुख्य भूमिका के बीच संतुलन बनाने की जरूरत पर जोर दिया। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 2-1 से जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें लगता है कि वनडे प्रारूप में बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं उनसे कुछ हद तक सहमत हूं। मुझे वनडे में बल्लेबाजों के क्रम में बदलाव करना पसंद रहा है। लेकिन यह एक नाजुक मामला है क्योंकि आप खिलाड़ियों की भूमिकाओं के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं कर सकते।'उन्होंने कहा, 'इसमें शीर्ष तीन, चार से छह नंबर के बल्लेबाज शामिल होते हैं। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों की बारी आती है। यह लगभग तीन खंडों की तरह है और आप वास्तव में इसके साथ रचनात्मक हो सकते हैं। दाएं और बाएं हाथ के संयोजन बनाने के लिए और खेल की कुछ विशेष परिस्थितियों के अनुसार बदलाव करना सही है।'

दूसरे टी20 में टीम इंडिया का सरेंडर.. सिर्फ तिलक वर्मा ही चल पाए

टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका ने 51 रन से दी मात

एजेंसी। नई दिल्ली

सूर्या, गिल और हार्दिक फेल...

मुल्लांपुर के महाराज यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मैच है. टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अब ज्यादा समय नहीं बचा है, ऐसे में ये सीरीज दोनों टीमों के लिए तैयारियों के लिहाज से अहम है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला आज (11 दिसंबर) मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुआ. इस मैच में भारत को 51 रनों से हार मिली. मुकाबले में भारतीय टीम को 214 रनों का टारगेट मिला था, लेकिन उसकी पूरी टीम 19.1 ओवरों में 162 रनों पर सिमट गई. तिलक वर्मा ने 62 रन बनाए। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में 101 रनों से जबरदस्त जीत हासिल की थी. वो मुकाबला 9 दिसंबर को कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला गया था। चेज में भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही. शुभमन गिल खाता भी नहीं खोल पाए और उनका विकेट लुंगी एनगिडी ने लिया. जबकि दूसरे ओपनर अभिषेक शर्मा (17 रन) को मार्को जानसेन ने पवेलियन रवाना किया. जानसेन ने फिर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव (5 रन) को भी पवेलियन भेज दिया. सूर्या के आउट होने के समय भारत का स्कोर 32/3 था. यहां से अक्षर पटेल और तिलक वर्मा के बीच चौथे विकेट के लिए 35 रनों की साझेदारी हुई. अक्षर ने 100 की स्ट्राइक रेट से 21 रन बनाए और उनका विकेट ओटनील बार्टमैन ने चटकाए।

तिलक वर्मा क्रीज पर जमे रहे और उन्होंने 27 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की. तिलक को दूसरे छोर से साथ नहीं मिल रहा था. हार्दिक पंड्या से अच्छी बैटिंग की उम्मीद थी, लेकिन वो 23 गेंदों का सामना करते हुए सिर्फ 20 रन बना सके. जितेश शर्मा (27 रन) आउट होने वाले छठे बैटर रहे, जिन्हें लुथो सिपाम्ला ने चलता किया. इसके बाद आठवें नंबर पर उतरे शिवम दुबे को ओटनील बार्टमैन ने सिर्फ 1 रनों के निजी स्कोर पर आउट कर दिया।

● साउथ अफ्रीका के लिए डिकॉक की शानदार पारी

मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए चार विकेट पर 213 रन बनाए. साउथ अफ्रीका की शुरुआत अच्छी रही. क्विंटन डिकॉक और रीजा हेंड्रिक्स ने मिलकर पहले विकेट के लिए 38 रनों की साझेदारी. वरुण चक्रवर्ती ने हेंड्रिक्स (8 रन) को आउट करके इस पार्टनरशिप को तोड़ा. इसके बाद डिकॉक और मार्करम ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 83 रन जोड़े. इस साझेदारी के दौरान डिकॉक ने सिर्फ 26 बॉल पर अपनी फिफ्टी पूरी की. उधर मार्करम (29 रन) बढ़िया स्टार्ट को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर पाए और उन्हें वरुण ने चलता किया।

न्यूज बॉक्स

रविंद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा ने भारतीय क्रिकेटरों पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की पत्नी और गुजरात सरकार में मंत्री रिवाबा जडेजा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अपने बेबाक बयानों के लिए कुख्यात रिवाबा ने इस बार टीम इंडिया के कुछ खिलाड़ियों पर गंभीर आरोप लगाकर नई बहस छेड़ दी है। हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने दावा किया कि कई भारतीय क्रिकेटर विदेश दौरों पर गलत आदतों में लिप्त होते हैं। इस दौरान उन्होंने अपने पति रविंद्र जडेजा की ईमानदारी, अनुशासन और चरित्र की जमकर तारीफ की।गुजरात विधानसभा चुनाव जीतकर राजनीति में कदम रखने वाली रिवाबा जडेजा को पहले भी उनके बयानबाजी के कारण मीडिया का ध्यान मिला है। मंत्री बनने के बाद उनका यह नया बयान खेल जगत और राजनीतिक दुनिया, दोनों में हलचल पैदा कर रहा है। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारतीय टीम जब विदेशी दौरों पर जाती है, तो कई खिलाड़ी गलत रास्ते पर चल पड़ते हैं। हालांकि उन्होंने किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया, लेकिन बातों से साफ था कि वह टीम इंडिया के कुछ सदस्यों पर गंभीर आरोप लगा रही थीं।

स्कॉटलैंड की महिला टीम घोषित कैथरीन ब्राइस को मिली कमान

नई दिल्ली। स्कॉटलैंड ने महिला टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कमान कैथरीन ब्राइस को सौंपी गई है। यह क्वालीफायर 12 जनवरी से 2 फरवरी के बीच नेपाल में खेला जाएगा। स्कॉटलैंड की टीम में पिप्पा स्ग्रोल को भी शामिल किया गया है, जिन्होंने पिछले महीने थाईलैंड में आईसीसी इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में हिस्सा लिया था। इस क्वालीफायर में स्कॉटलैंड सहित 10 टीमें आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप में चार स्थानों के लिए मुकाबला करेंगी। स्कॉटिश महिला टीम के हेड कोच क्रेग वालेस ने कहा, "कैथरीन ब्राइस की वापसी खुशी की बात है। वह हमारी कप्तान और ए क वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं। वह खेल के सभी पहलुओं में, मैदान पर और मैदान के बाहर अपना अमूल्य योगदान देती हैं। सारा ब्राइस और अबताहा मकसूद ने थाईलैंड में ग्रुप का नेतृत्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। हमारे पास पिप्पा स्ग्रोल भी हैं, जिनका पिछला समर शानदार रहा था, और उन्हें हैम्पशायर के लिए कॉन्ट्रैक्ट मिला। दुर्भाग्य से वह थाईलैंड के लिए उपलब्ध नहीं थीं, इसलिए मुझे उन्हें वापस टीम में देखकर बहुत खुशी हो रही है। उन्हें अपनी स्किल्स दिखाने का

आर्चर-स्मिथ की झड़प पर पोंटिंग की प्रतिक्रिया

'जोफ्रा ने खुद के साथ अपनी टीम को शर्मिंदा किया'

एजेंसी। नई दिल्ली

एशेज सीरीज के दूसरे मुकाबले के दौरान इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ के बीच जुबानी झड़प देखने को मिली थी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि तेज गेंदबाज ने मैच में पहले जब सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब पेस और आक्रामकता दिखाने में नाकाम रहकर खुद को शर्मिंदा किया।

ब्रिस्बेन में खेले गए इस पिंक बॉल टेस्ट मैच के चौथे दिन आर्चर ने स्मिथ को एक तेज शॉर्ट बॉल फेंकी, जिसे स्मिथ ने शानदार पुल शॉट लगाकर बाउंड्री के पार भेज दिया। अगली गेंद भी शॉर्ट थी, जिस पर स्मिथ ने स्लिप कॉर्डन के ऊपर से शॉट की कोशिश की, जिससे आर्चर भड़क गए और उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पर टिप्पणी की।

स्टंप माइक पर आर्चर-स्मिथ की बातें रिकॉर्ड हुईं, जिसमें आर्चर कह रहे थे, "जब स्कोरबोर्ड पर ज्यादा रन नहीं होते, तो शॉट खेलना पसंद करता है।" इससे स्मिथ को गुस्सा आ गया और उन्होंने भी जवाब देते हुए कहा, "जब कुछ नहीं हो रहा होता है, तब तुम तेज गेंदबाजी करते हो चैंपियन।"

रिकी पोंटिंग उस मैच के दौरान कमेंट्री बॉक्स में थे। उनका मानना है कि आर्चर ने खुद के साथ अपनी टीम को शर्मिंदा किया है। पोंटिंग ने एसईएन से कहा, "जब मैंने उन्हें 'चैंपियन' कहा, तो मैं वास्तव में यह सुन सकता था कि स्टीव स्मिथ ने उनसे क्या कहा था। स्मिथ ने 'चैंपियन' कहा, और फिर वही शब्द मेरे मुंह से भी निकल गया। लेकिन उसी ने मुझे उत्साहित कर दिया और मेरी रगों में सिहरन दौड़ गई। ऐसे बहुत कम मैच रहे हैं, जिनकी कमेंट्री करते समय मुझे लगा हो कि काश मैं फिर से मैदान पर होता, लेकिन उस रात मैं जरूर वहां होना चाहता था, उस माहौल का हिस्सा बनना चाहता था, क्योंकि आप इसी चीज को मिस करते हैं और यही असली खेल है।" उन्होंने कहा, "लेकिन जोफ्रा ने खुद को शर्मिंदा किया है।

फुटबॉल मैच के बाद खिलाड़ियों की शर्मनाक हरकत

कराची। पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन और देश की सबसे बड़ी ओलंपिक संस्था कराची में पाकिस्तान आर्मी और डब्ब्ल्यूएपीडीए टीम के बीच सेमीफाइनल मैच के बाद हुई एक शर्मनाक घटना की जांच कर रही है जिसमें कई खिलाड़ियों और अधिकारियों को चोटें आई हैं। सेपीटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में नेशनल गेम्स फुटबॉल सेमीफाइनल के बाद दोनों तरफ के खिलाड़ी आपस में भिड़ गए और अधिकारी भी इसमें शामिल हो गए जिसके बाद उन्होंने एक-दूसरे को मुक्के और लातें मारीं। मैच का लाइव प्रसारण हो रहा था, इसलिए ये शर्मनाक दृश्य कैमरे में कैद हो गया और बाद में सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कई लोगों ने दोनों टीमों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। यह लड़ाई तब शुरू हुई जब डब्ब्ल्यूएपीडीए के कुछ सदस्यों ने आर्मी के खिलाड़ियों के अपनी डगआउट के सामने जीत का जश्न मनाने पर गुस्सा जताया।

दिल्ली के संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट जारी, कोहली और पंत होंगे शामिल

नई दिल्ली। विराट कोहली और ऋषभ पंत आगामी विजय हजारे ट्रॉफी के लिए दिल्ली की टीम में शामिल होंगे। दिल्ली और डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) ने घरेलू वनडे टूर्नामेंट के लिए संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट जारी की है। दिल्ली की टीम एलीट डी ग्रुप में है। यह टीम 24 दिसंबर को आंध्र से भिड़ेगी, जिसके बाद 26 दिसंबर को गुजरात के खिलाफ मुकाबला खेला जाना है। यह टीम 29 दिसंबर को सौराष्ट्र, जबकि 31 दिसंबर को ओडिशा को चुनौती देगी।

इस लिस्ट में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए चुने गए खिलाड़ी भी शामिल हैं, जहां नीतीश राणा की कप्तानी वाली दिल्ली ग्रुप डी में 16 प्वाइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहने के बाद नॉकआउट में जगह बनाने में नाकाम रही थी। सीनियर पुरुष चयन समिति की मीटिंग में संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट को फाइनल किया गया है। इस समिति में सिलेक्टर यशपाल सिंह, के भास्कर पिल्लई, मनु नायर, हेड कोच सरनदीप सिंह, सीएसी चेयरमैन विजय दहिया और सेक्रेटरी अशोक शर्मा शामिल थे। कोहली और पंत की मौजूदगी से दिल्ली के बैटिंग ऑर्डर को काफी गहराई और अनुभव मिलने की उम्मीद है।

बीसीसीआइ करेंगी बैठक महिला क्रिकेटरों की मैच फीस पर भी होगी बात

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड 22 दिसंबर को एपेक्स काउंसिल की वर्चुअल बैठक में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस सहित अन्य पांच एजेंडों पर चर्चा करेगा। ऐसा माना जा रहा है कि बीसीसीआई घरेलू टूर्नामेंट में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस में बदलाव करने की योजना बना रहा है। महिला टीम की शानदार एकदिवसीय विश्व कप जीत के बाद मैच फीस में बदलाव की उम्मीद थी और बीसीसीआइ ने इस मुद्दे पर बैठक में चर्चा करने का फैसला किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरुष और महिलाओं के बीच सैलरी में समानता है, घरेलू प्रतियोगिताओं में असमानताएं बनी हुई हैं।

व्यापार/लाइफ व साइंस

सेंसेक्स 426 अंक उछलकर हुआ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लगातार चार सत्रों की गिरावट के क्रम को तोड़कर हरे निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 426.86 अंक या 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 84,818.13 और निफ्टी 140.55 अंक या 0.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,898.55 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में तेजी का नेतृत्व ऑटो और मेटल शेयरों ने किया। निफ्टी ऑटो 1.11 प्रतिशत और निफ्टी मेटल 1.06 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। निफ्टी आईटी 0.81 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.51 प्रतिशत, निफ्टी फार्मा 0.98 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 0.75 प्रतिशत और निफ्टी इन्फ्रा 0.37 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 570.30 अंक या 0.97 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,578.05 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 137.90 अंक या 0.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,228.05 पर था।

'भारत टैक्सी ऐप' से सर्ज प्राइसिंग पर लगेगी रोक

ऐप अभी टेस्टिंग और ट्रायल फेज में : गडकरी

● भारत टैक्सी ऐप का उद्देश्य सहकारी मॉडल पर ड्राइवरों के स्वामित्व वाली एक एप्लीकेशन बनाना है

एजेंसी। नई दिल्ली

निजी ऑनलाइन कैब एग्रीगेटर्स यानी प्राइवेट कैब ऐप्स द्वारा किराए में बढ़ोतरी (सर्ज प्राइसिंग) के बढ़ते मामलों के बीच केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सहकारी मोबाइल ऐप 'भारत टैक्सी ऐप' टेस्टिंग और ट्रायल फेज में है।

गडकरी ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि भारत टैक्सी ऐप का उद्देश्य सहकारी मॉडल पर ड्राइवरों के स्वामित्व वाली एक एप्लीकेशन बनाना है। यह ऐप सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड (एसटीसीएल) के तहत काम करेगा। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) इस 'भारत टैक्सी' राइड-हेलिंग सेवा को स्थापित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। गडकरी ने आगे कहा कि सरकार ने मोटर व्हीकल एग्रीगेटर्स गाइडलाइंस, 2025 जारी की हैं, जिनका उद्देश्य एग्रीगेटर्स, जिनमें ऐप-आधारित कैब सेवाएं भी शामिल हैं, को हल्के तरीके से रेगुलेट करना है। साथ ही, यूजर्स की सुरक्षा और ड्राइवर की भलाई से संबंधित मुद्दों का ध्यान रखना है। इन गाइडलाइंस में किराए को लेकर भी नियम दिए गए हैं।

उन्होंने आगे कहा, "इन गाइडलाइंस में डायनेमिक प्राइसिंग की अनुमति दी गई है, जिसमें एग्रीगेटर्स राज्य-निर्धारित बेस फेयर से 50 प्रतिशत कम शुल्क ले सकते हैं और पीक घंटों में अधिकतम सर्ज प्राइसिंग को बेस फेयर के दो गुना तक सीमित किया गया है। साथ ही पारदर्शिता, जिम्मेदारी और यात्रियों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए राज्य द्वारा निर्धारित शुल्क को बेस फेयर माना जाएगा।"गाइडलाइंस के अनुसार, ड्राइवर-स्वामित्व वाले वाहन को कम से कम 80 प्रतिशत किराया मिलेगा, जबकि एग्रीगेटर द्वारा स्वामित्व वाले वाहन के मामले में ऑन-बोर्ड ड्राइवर को कम से कम 60 प्रतिशत भाड़ा मिलेगा। वहीं, सर्ज प्राइसिंग के मामले में लाभार्थी ड्राइवर होगा। इससे आपूर्ति बढ़ेगी और उच्च मांग के दौरान सेवाएं बेहतर उपलब्ध होंगी। गडकरी ने बताया कि गाइडलाइंस में यह भी प्रावधान है कि अगर एग्रीगेटर कोई अत्यधिक या अनुचित भाड़ा यात्रियों से वसूलता है, तो उनके लाइसेंस को निलंबित या रद्द किया जा सकता है। गाइडलाइंस यह सुनिश्चित करती हैं कि किसी भी यात्री से डेड माइलेज के लिए शुल्क नहीं लिया जाएगा, सिवाय इसके कि जब यात्रा की दूरी तीन किलोमीटर से कम हो और भाड़ा केवल शुरुआत बिंदु से गंतव्य तक ही लिया जाएगा।

इंडिगो 'बुरी तरह प्रभावित यात्रियों' को देगी 10,000 के ट्रैवल वाउचर

एजेंसी। नई दिल्ली

» इंडिगो ने एक बयान में कहा कि उसे खेद है कि **03, 04 और 05 दिसंबर** को यात्रा कर रहे कई यात्री घंटों तक अलग-अलग एयरपोर्ट पर फंसे रहे

वाउचर 12 महीने के लिए वैध

ऑपरेशंस से जुड़ी भारी दिक्कतों से जूझ रही एयरलाइन इंडिगो ने गुरुवार को घोषणा की कि 3-5 दिसंबर के बीच जिन यात्रियों की उड़ानें रद्द हुईं या लंबी देरी से प्रभावित हुईं, उन्हें 10,000 रुपये के ट्रैवल वाउचर दिए जाएंगे। यह मुआवजा डीजीसीए के नियमों के तहत दिए जाने वाले रिफंड/कम्पनसेशन के अतिरिक्त होगा। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि उसे खेद है कि 3, 4 और 5 दिसंबर को यात्रा कर रहे कई यात्री घंटों तक अलग-अलग एयरपोर्ट पर फंसे रहे और भारी भीड़भाड़ के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुए। बयान में यह भी कहा गया, "यह मुआवजा मौजूदा सरकारी दिशानिर्देशों के अतिरिक्त है।

इंडिगो ने कहा कि कंपनी बुरी तरह से प्रभावित ग्राहकों को 10,000 के ट्रैवल वाउचर देगी। ये वाउचर अगले 12 महीनों में किसी भी इंडिगो उड़ान के लिए उपयोग किए जा सकेंगे। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो नियामकीय जांच के दायरे में भी है। अधिकारियों ने उसे परिचालन स्थिर करने के लिए सर्दियों की उड़ानों की समय-सारणी में 10% की कटौती करने का निर्देश दिया है।

व्यवधान शुरू होने से पहले एयरलाइन हर दिन लगभग 2,300 उड़ानें संचालित कर रही थी। मंगलवार को इंडिगो के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर पीटर एल्बर्स ने कहा कि एयरलाइन ने 6 दिसंबर तक प्रभावित उड़ानों का 100 प्रतिशत रिफंड पूरा कर दिया है। ट्रैवल पार्टनर्स के जरिए की गई बुकिंग का रिफंड भी शुरू कर दिया गया है, लेकिन एयरलाइन ने ग्राहकों से अपील की है कि अगर सिस्टम में उनकी डिटेल्स अधूरी हैं।

भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में वैश्विक निवेशक कर रहे भारी निवेश

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत, जो दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, अब अपनी दूसरी इन्फ्रास्ट्रक्चर लहर में प्रवेश कर चुका है और इसी वजह से वैश्विक निवेशक भारत में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं। भारत में निवेश का माहौल काफी सकारात्मक है, क्योंकि देश की दीर्घकालिक वृद्धि मजबूत है, नीतियां स्पष्ट हैं, और सरकार ने कई क्षेत्रों में निवेश के अच्छे मौके दिए हैं। इसमें परिवहन, ऊर्जा, डिजिटल क्षेत्र, और नई पीढ़ी के उद्योग शामिल हैं। यह जानकारी ग्रीक सिटी टाइम्स न्यूज पोर्टल में प्रकाशित एक लेख से सामने आई है। वित्त वर्ष 2025-26 के बाद भारत का इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र पूरी दुनिया में बड़े निवेश का ध्यान खींचने वाला है, जिससे भारत सिर्फ एक अच्छा निवेश स्थल ही नहीं, बल्कि दुनिया की आर्थिक ताकत बन सकता है।

आईसीआईसीआई में बेचीं 4.5% हिस्सेदारी

नई दिल्ली। ब्रिटेन की इंश्योरेंस कंपनी ने आईपीओ से पहले आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी में अपनी हिस्सेदारी बेचीं है। कंपनी ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट में अपनी 4.5 प्रतिशत हिस्सेदारी 4,900 करोड़ रुपये (लगभग 545 मिलियन डॉलर) में बेच दी है। यह बिक्री भारतीय फंड मैनेजर के 1.2 अरब डॉलर के आईपीओ से पहले हुई है, जो शुक्रवार को खुल रहा है। फंड हाउस आईसीआईसीआई बैंक—जो देश का दूसरा सबसे बड़ा निजी क्षेत्र का बैंक है और 51 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है—और प्रूडेंशियल के बीच जॉइंट वेंचर है। शेष हिस्सेदारी प्रूडेंशियल के पास है। रायटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, प्रूडेंशियल से यह हिस्सेदारी अबू धाबी इनवेस्टमेंट अथॉरिटी, अजीम प्रेमजी और राकेश झुनझुनवाला के फैमिली ऑफिसेज और एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी लाइफ तथा गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस समेत भारतीय बीमाकर्ताओं ने खरीदी है।

गोल्ड कार्ड वीजा लांच, विदेशी निवेशकों को मिलेगा आसान ग्रीन कार्ड

एजेंसी। नई दिल्ली

यह वीजा प्रोग्राम 1990 से चल रहे ईबी-5 निवेशक वीजा की जगह लेगा, जिसके लिए लगभग 1 मिलियन डॉलर का निवेश और कम से कम 10 नौकरियों की शर्त थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि उनका लंबे समय से वादा किया गया "गोल्ड कार्ड" अब आधिकारिक रूप से बिक्री के लिए उपलब्ध है। यह 1 मिलियन डॉलर का भुगतान करने वाले व्यक्तियों और प्रति विदेशी कर्मचारी पर 2 मिलियन डॉलर भुगतान करने वाली कंपनियों के लिए अमेरिका में निवास का एक नया रास्ता है। आवेदन स्वीकार करने वाली सरकारी वेबसाइट लाइव हो गई। ट्रंप ने रूजवेल्ट रूम में सीनियर अमेरिकी बिजनेस नेताओं के साथ इस प्रोग्राम को लॉन्च किया। यह वीजा प्रोग्राम 1990 से चल रहे ईबी-5 निवेशक वीजा की जगह लेगा।

परिवहन विभाग व पुलिस ने संयुक्त रूप से चलाया वाहन चेकिंग अभियान, 35 बाइक के कटे चालान

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। जिला परिवहन पदाधिकारी के निर्देश पर हुसैनाबाद पुलिस ने गुरुवार को हुसैनाबाद शहर के पटेल चौक सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक वाहन चेकिंग अभियान चलाया। सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों पर कड़ी कार्रवाई की गई। बिना वैध कागजात, बिना हेलमेट तथा अन्य नियमों का पालन नहीं करने पर पुलिस ने कुल 35 बाइकों को जब्त कर हुसैनाबाद थाना परिसर में सुरक्षित रखा। इसके बाद परिवहन विभाग की टीम ने थाना परिसर में ही सभी बाइकों का ऑन-द-स्पॉट चालान काटकर राशि जमा कराई, जिसके बाद वाहनों को उनके मालिकों को सुपुर्द किया गया। पुलिस ने चालकों को कड़ी हिदायत दी कि भविष्य में हेलमेट, जूता सहित सभी सुरक्षा मानकों का पालन करें और वाहन के वैध दस्तावेज साथ रखें। हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि सड़क सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अभियान का उद्देश्य लोगों को दंडित करना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि बिना हेलमेट व बिना कागजात वाहन चलाना न सिर्फ कानून का उल्लंघन है, बल्कि जीवन को जोखिम में डालने जैसा है। आगे भी ऐसे चेकिंग अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। उन्होंने सभी लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील भी की।

थाना के पास वाहन चेकिंग अभियान, चालान के बाद न्यायालय में भेजी गई

चैनपुर। (पलामू) चैनपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार को वाहनों की जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 2 पहिया वाहनों की कड़ी जांच की गई। जांच में कुल 9 बाइक चालकों के चालान काटकर न्यायालय मेदिनीनगर भेजा गया। कुछ लोग, जो हेलमेट पहनकर भी अपनी बाइक में लटका कर यात्रा कर रहे थे, उन्हें समझाइश देने के बाद छोड़ दिया गया। इस अभियान का नेतृत्व एसआई अनिल विद्यार्थी, एएसआई संजय चौधरी और एएसआई वीरेंद्र राम ने किया। जवानों ने भी सक्रियता दिखाते हुए अभियान को सुचारू रूप से संपन्न कराया। इसमें दीपू दुबे, मनीष दुबे, शिवम दुबे, ओम प्रकाश चंद्रवंशी, धीरेन्द्र यादव सहित अन्य जवान शामिल थे। चैनपुर थाना प्रभारी श्री राम शर्मा ने बताया कि यह अभियान न्यायालय के निर्देशानुसार चलाया गया ताकि लोग अपने जीवन की सुरक्षा को महत्व दें और हेलमेट का सही उपयोग करें।

कुराईनपतरा मध्य विद्यालय में शिक्षकों की भारी कमी, पंद्रह दिन से ठप पढ़ाई

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर–पीतांबरपुर। प्रखंड अंतर्गत कुराईनपतरा मध्य विद्यालय में शिक्षकों की कमी के कारण पिछले पंद्रह दिनों से पठन-पाठन पूरी तरह ठप्प है। विद्यालय के एकमात्र शिक्षक जय प्रकाश साहू ने सरकारी नियुक्ति पर अन्यत्र योगदान दे दिया और दूसरे शिक्षक पिछले बीस दिनों से अनुपस्थित हैं, जिसके कारण स्कूल में पढ़ाई बिल्कुल बंद है। पंचायत की मुखिया पुनम देवी ने बताया कि इस गंभीर समस्या की सूचना उन्होंने कई बार फोन पर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (बीईईओ) महेंद्र प्रजापति को दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक जीतेंद्र कुमार ने भी लिखित रूप से विभाग को सूचना दी, फिर भी शिक्षा विभाग की ओर से कोई पहल नहीं की गई। मुखिया पुनम देवी ने आरोप लगाया कि प्रखंड की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है और पदाधिकारी बच्चों की पढ़ाई को लेकर गंभीर नहीं हैं। उन्होंने बताया कि विद्यालय में कक्षा 1 से 8 तक की शिक्षा व्यवस्था है, लेकिन वर्ष 2010 से अब तक कक्षा 6 से 8 के लिए एक भी शिक्षक की नियुक्ति नहीं हुई है। निचली कक्षाओं के शिक्षकों से ही पूरे विद्यालय का संचालन किया जा रहा है, जिससे शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक स्थिति उजागर होती है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द पहल नहीं की गई, तो बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वे जल्द ही जिला शिक्षा पदाधिकारी, पलामू से मिलकर त्वरित समाधान की मांग करेंगी।

दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन मेमोरियल पलामू कप सीज़न-3 के पांचवें दिन

पलामू कप में रनों की बरसात, डब्लू ने जड़ा पहला शतक 35 गेंदों में 101 रन

बारालोटा इलेवन की धमाकेदार जीत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन मेमोरियल पलामू कप सीज़न-3 के पांचवें दिन क्रिकेट प्रेमियों ने रोमांच से भरा मुकाबला देखा। मैदान में चौकों–छक्कों की ऐसी झड़ी लगी कि दर्शक झूम उठे। बारालोटा इलेवन के स्टार बल्लेबाज़ डब्लू ने 35 गेंदों पर 101 रनों की तूफ़ानी पारी खेलते हुए टूर्नामेंट का पहला शतक जड़ दिया, जो आज के मुकाबले का सबसे बड़ा आकर्षण बन गया। उनके इस प्रदर्शन ने विपक्ष की रणनीति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।आज डीसीए के राजू शुक्ला ने टॉस कराया, जिसमें बेलवाटिका ने पहले गेंदबाजी चुनी लेकिन यह फैसला मैच के परिणाम को देखते हुए भारी चूक साबित हुआ। बारालोटा इलेवन ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 172 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए बेलवाटिका ने संघर्षपूर्ण 141 रन बनाए, लेकिन बारालोटा इलेवन की गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के सामने टिक नहीं सके।डब्लू को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी एड वर्ल्ड के प्रोपराइटर मनीष सिंह ने प्रदान की। शहर के व्यवसायी रौशन नाग ने लगातार तीन छक्के जमाने वाले खिलाड़ी को 501 रुपये का विशेष नकद पुरस्कार दिया।

सीएम से मुलाकात के बाद झगरू पंडित की प्रतिमा अनावरण का मिला भरोसा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। संत मरियम स्कूल के चेयरमैन और झामुमो युवा नेता अविनाश देव ने बुधवार को विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान वे जामताड़ा निवासी दिवंगत झगरू पंडित के परिवार को भी मुख्यमंत्री से मिलाने ले गए। मुलाकात बेहद भावनात्मक रही, क्योंकि झगरू पंडित झारखंड अलग राज्य आंदोलन में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अग्रिम सहयोगी और सहयोद्धा रहे थे। जानकारी के अनुसार, झगरू पंडित की प्रतिमा ग्रामीणों और समाज के सहयोग से तैयार हो चुकी है, लेकिन उसके अनावरण की तिथि अब तक तय नहीं हो सकी थी। प्रतिमा लोकार्पण को लेकर झगरू पंडित के बहू, पोते-पोतियों सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी बात रखी। परिवार ने अनुरोध किया कि आंदोलनकारी की प्रतिमा का अनावरण सरकारी स्तर पर सम्मानपूर्वक कराया जाए।अविनाश देव ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया और प्रतिमा अनावरण के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने पूरा भरोसा दिलाया कि झगरू पंडित की प्रतिमा के अनावरण में सरकार अपनी भूमिका सुनिश्चित करेगी। मुलाकात के दौरान अन्य स्थानीय और संगठनात्मक मुद्दों पर भी थोड़ी देर चर्चा हुई। अविनाश देव ने बताया कि मुख्यमंत्री के साथ वार्ता सकारात्मक रही और उम्मीद है कि जल्द ही प्रतिमा अनावरण की तारीख तय होगी।

चतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 15 लाख के अवैध अफीम संग दो तस्कर गिरफ्तार

चतरा। चतरा पुलिस ने अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए 15 लाख रुपये मूल्य के अफीम के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना में बताया गया था कि कुछ व्यक्ति लोटार डैम के पास अवैध अफीम की खरीद-बिक्री करने वाले हैं। सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमरिया के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल ने गिद्धौर थाना क्षेत्र के लोटार डैम से रोहमर जाने वाले रास्ते पर दो संदिग्ध व्यक्तियों को आते देखा, जो पुलिस को देखकर भागने लगे। पीछा कर दोनों को पकड़ा गया और तलाशी में उनके पास सफेद प्लास्टिक बैग में 3.012 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। गिरफ्तार तस्करों की पहचान पप्पू कुमार, उम्र लगभग 19 वर्ष, निवासी सलगा, थाना गिद्धौर, और बबलू कुमार महतो, उम्र लगभग 32 वर्ष, निवासी पांडेय टोला, थाना गिद्धौर के रूप में की गई है। दोनों के पास से अफीम के साथ दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। मामले में गिद्धौर थाना कांड संख्या 103/25, दिनांक 11 दिसंबर 2025, एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शुभम कुमार खंडेलवाल, थाना प्रभारी शिवा यादव, सहायक अवर निरीक्षक विद्यानंद शर्मा, स.अ.नि. रंजीत कुमार सिंह तथा गिद्धौर थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी पर महत्वपूर्ण प्रहार किया है।

मारपीट मामले में मुख्य अभियुक्त गिरफ्तार

नौडीहा। बाजार भितिहरवा विद्यालय में शिक्षक से मारपीट मामले में नौडीहा बाजार थाना पुलिस ने मुख्य अभियुक्त लल्लू यादव को गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह शिक्षण अवधि के दौरान गांव के कुछ लोगों ने शिक्षक विश्वनाथ यादव के साथ मारपीट की थी। आरोप था कि विद्यालय प्रबंधन में अनियमितता बरती जा रही है, इसी बात को लेकर विवाद हुआ। पलामू पुलिस ने आमजनों से आग्रह किया है।

उपयुक्त ने लंबित योजनाओं को पूरा करने का दिया निर्देश, कहा-

समय पर व गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करें

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में जिला ग्रामीण विकास शाखा और पंचायती राज कार्यालय के द्वारा करायी जा रही कार्यों की समीक्षा की गयी। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को जातीय, आय, स्थानीय निवासी, विवाह प्रमाण पत्र, वृद्ध पेंशन, विधवा पेंशन सहित विभिन्न प्रमाण–पत्र, पेंशन योजनाओं से जुड़े आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनसुविधाओं, पेंशन एवं प्रमाण-पत्र निर्गमन से संबंधित कार्यों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। इस दौरान विभिन्न विभागीय पदाधिकारियों से योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने विस्तृत रूप से प्रखंडवार संचालित योजनाओं की जानकारी लेते हुए जल्द से जल्द सभी अपूर्ण योजनाओं को पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि योजनाओं का कार्य समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण तरीके से करें। उन्होंने पंचायत स्तर तक विकास योजनाओं की जानकारी एवं लाभ पहुंचाने का निर्देश दिया। बैठक में अबुआ आवास, मिट्टी मोरम रोड, पोटो हो खेल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिरसा कूप संवंर्धन योजना, मानव दिवस, बिरसा हरित ग्राम योजना, जॉब कार्ड वेरीफिकेशन, एरिया ऑफिसर एप, रिजेक्टेड ट्रांजैक्शन, एनआरएम एक्सपेंडिचर, सोशल ऑडिट, जिओ टैगिंग एवं मनरेगा की समीक्षा की गई।

लातेहार भाजपा का नए मंडल अध्यक्षों का चुनाव आज

लातेहार। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय, लातेहार में आज 12 दिसंबर को दोपहर 1 बजे एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले के नए मंडल अध्यक्षों का चुनाव करना है। संगठनात्मक मजबूती को ध्यान में रखते हुए यह बैठक पार्टी के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। जिला अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह ने बताया कि बैठक में भाजपा के प्रमुख नेता नीलकंठ सिंह मुंडा, सांसद कालीचरण सिंह, लातेहार विधायक प्रकाश राम तथा प्रदेश पदाधिकारी रघुराज पाण्डेय शामिल होकर मार्गदर्शन देंगे।

रमावल्लभ तिवारी की पुण्यतिथि पर शिक्षा व सेवा के संकल्प को किया याद

नीलांबर–पीतांबरपुर। लेस्लीगंज हाई स्कूल के संस्थापक एवं प्रथम प्रधानाचार्य स्वर्गीय रमावल्लभ तिवारी की सातवीं पुण्यतिथि विद्यालय परिसर और पेंशनर भवन में श्रद्धा और सादगी के साथ मनाई गई। विद्यालय में शिक्षक, छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों की सामूहिक उपस्थिति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उनके चित्र पर माल्यार्पण और दो मिनट के मौन से की गई। हर वर्ष की परंपरा के अनुसार इस बार भी स्व. तिवारी के परिजनों ने कमजोर और मेधावी छात्राओं के लिए 11,000 की सहयोग राशि विद्यालय को प्रदान की। इस सहायता से छात्राओं में उत्साह देखा गया। उनके पुत्र सतीश तिवारी और अजीत तिवारी ने कहा कि उनके पिता जीवन भर शिक्षा को समाज उत्थान का सबसे बड़ा माध्यम मानते थे।

डब्लू ने जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में पाई सफलता, किया नाम रोशन

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड के बेलबिगहा गांव निवासी डब्लू कुमार, पिता स्वर्गीय प्रमोद कुमार सिंह ने जेएसएससी द्वारा आयोजित जेएसएससी सीजीएल परीक्षा 2023 में सफलता प्राप्त कर माता-पिता सहित हुसैनाबाद क्षेत्र का नाम रौशन किया है। उन्हें लेबर इंफोर्समेंट ऑफिसर के पद पर चयन किया गया है। डबलू ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी परिश्रम, गुरुजनों के मार्गदर्शन एवं परिजनों को दिया है। जानकारी देते हुए वे काफी भावुक हुए और बताया कि उनके माता-पिता ने संघर्ष कर उन्हें पढ़ाया-लिखाया। यह उनकी तीसरी सरकारी नौकरी है। इससे पूर्व वे 2019 में आईआरबी में सेवा दे चुके हैं तथा 2020 से रेलवे में कार्यरत हैं। उनके पिता प्रमोद कुमार सिंह का मार्च 2024 में हार्ट अटैक से निधन हो गया था, जबकि उनकी माता रंजू देवी का देहांत इससे पूर्व कैंसर से हो चुका था। डबलू चार भाइयों में सबसे बड़े हैं, जबकि उनका छोटा भाई रोहित कुमार रंजन सीआरपीएफ में पोस्टेड है। डबलू कुमार की सफलता पर स्थानीय दीपक कुमार गुप्ता, चाचा विद्यासागर सिंह, विकास कुमार, अजीत कुमार, सुधीर यादव सहित परिजनों, जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने बधाई दी है।

पलामू व गढ़वा के सड़क विकास को लेकर सांसद ने केंद्रीय मंत्री से की बैठक

फोरलेन निर्माण और ब्लैक स्पॉट्स सुधार की मांग

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सांसद पलामू विष्णुदयाल राम ने नई दिल्ली स्थित संसद भवन कार्यालय में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर पलामू संसदीय क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्गों की प्रगति, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और उच्च गुणवत्ता वाली सड़कों के निर्माण पर चर्चा की। बैठक में सांसद ने जोर देते हुए कहा कि सीलीदाग से पड़वा मोड़ तक 22 किलोमीटर फोरलेन निर्माण, गढ़वा फोरलेन बाईपास से रामानुजगंज तक लगभग 50 किलोमीटर फोरलेन सड़क और गढ़वा मझिआंव मोड़ से कांडी प्रखंड के श्रीनगर-पडुका ब्रिज तक 40 किलोमीटर फोरलेन निर्माण सहित कई परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सांसद ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-139 से NH-127 के समानांतर नई फोरलेन सड़क का निर्माण, जपला फोरलेन बाईपास, देवरी कला और देवीपुर को जोड़ने वाले सोन नदी पुल सहित सड़कों का निर्माण पीएम गति शक्ति योजना के तहत शामिल है, जिसे शीघ्र मूर्तरूप दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही रांची-वाराणसी कॉरिडोर में NH-39 सेक्शन-3 पर भोगू से शंखा तक डालटनगंज फोरलेन बाईपास पर ब्लैक स्पॉट्स और दुर्घटनाग्रस्त हिस्सों पर फ्लाईओवर निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया गया। सांसद ने कहा कि इन परियोजनाओं से न केवल क्षेत्रीय कनेक्टिविटी सुधरेगी, बल्कि आवागमन और सड़क सुरक्षा भी बढ़ेगी। निजी सचिव अलख दुबे ने बताया कि सांसद द्वारा उठाई गई मांगें पूरी तरह से क्षेत्रवासियों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश मिल चुके हैं और परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। ब्लैक स्पॉट्स वाले हिस्सों पर सुरक्षा उपायों और फ्लाईओवर निर्माण के माध्यम से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में सांसद ने परियोजनाओं के डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआरओ) शीघ्र तैयार करने और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की प्राथमिकता सूची में शामिल करने की मांग भी की। बैठक सकारात्मक और उत्साहजनक रही, जिसमें केंद्रीय मंत्री ने सभी परियोजनाओं के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बाल संस्कार विद्यालय का वार्षिकोत्सव

पांकी। सगालीम बस स्टैंड के समीप स्थित बाल संस्कार विद्यालय में वार्षिकोत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख पंचम प्रसाद व मजदूर किसान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दिलीप कुमार शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। विद्यालय प्रबंधन द्वारा अतिथियों को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मंच पर बच्चों ने गीत, नृत्य और विभिन्न कला रूपों की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। प्रखंड प्रमुख ने कहा कि छोटे पंचायत में इस तरह का संस्कारयुक्त शिक्षा प्रदान करने वाला विद्यालय सराहनीय है। वहीं प्राचार्य डॉ. दिलीप कुमार ने विद्यालय के शिक्षा स्तर व बच्चों की प्रतिभा की प्रशंसा की। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, ग्रामीण व अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पहल | सतबरवा सर्वोदय विद्यालय में नवाचार के संग बोर्ड की तैयारी

भौतिकी मॉडल परीक्षा में 400 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

नवीन मेल संवाददाता

सतबरवा। राजकीयकृत +2 सर्वोदय विद्यालय, सतबरवा में आगामी बोर्ड परीक्षा को ध्यान में रखते हुए भौतिकी विषय भाग–1 की मॉडल परीक्षा नवाचारी और अनुशासित वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा का संचालन पीजीटी भौतिकी शिक्षक अभिषेक तिवारी के नेतृत्व में किया गया। विज्ञान संकाय के लगभग 400 विद्यार्थियों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी तैयारी का आकलन किया। अभिषेक तिवारी ने कहा कि परीक्षा केवल अंक अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की समीक्षा, रचनात्मकता और व्यक्तित्व विकास का आधार है। शिक्षक अभिषेक कुमार ने बताया कि विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रधानाध्यापक अविनाश चौधरी ने कहा कि मॉडल टेस्ट विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा के प्रारूप और मानसिक दबाव दोनों के लिए तैयार करते हैं। आईटी शिक्षक सुबोध कुमार ने बताया कि ऐसे अभ्यास विद्यार्थियों में समय प्रबंधन और अनुशासन विकसित करते हैं। परीक्षा के दौरान सत्यप्रकाश शर्मा, सुबोध कुमार, दिलीप प्रसाद, नवनीत कुमार, नरेंद्र राम, विश्वजीत पासवान, मो. सद्दाम हुसैन, दिलीप कुमार, मुकेश तिवारी सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे। परीक्षा शांतिपूर्ण रही और विद्यार्थियों में सकारात्मक ऊर्जा एवं सीखने की प्रेरणा देखने को मिली।

पेज एक के शेष

जेएसएमडीसी के कारण...

वहीं जेएसएमडीसी ने 200 घाटों के चालू करने के लिए आईटी सोल्यूशन की व्यवस्था की और इसपर अत्यधिक खर्च किया। सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि जेएसएमडीसी चाहता तो बालू घाटों के नेटवर्क लगाने की समय सीमा को संशोधित कर सकता था और उपयोगकर्ता स्वीकृति परीक्षण या छोटे पैमाने पर आईटी सोल्यूशन को लागू कर सकता था। साथ ही मुख्यालय स्तर पर कम संख्या में आईटी कर्मियों को तैनात कर सकता था, लेकिन जेएसएमडीसी ने ऐसा नहीं किया और इससे राजस्व की हानि हुई। उल्लेखनीय है कि सीएजी की रिपोर्ट को वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने गुरुवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सदन के पटल पर रखा।

हजारीबाग के डॉक्टर...

पुलिस छावनी में बदल दिया गया। यह इलाका इससे पहले भी सुर्खियों में रह चुका है, क्योंकि यहां से आईएसआईएस से जुड़े संदिग्धों की गिरफ्तारी हो चुकी है। सूत्रों के अनुसार जांच एजेंसी को संदेह है कि डॉ. जमील का संबंध देशभर में आतंकी संगठनों के लिए भर्ती और लॉजिस्टिकल सपोर्ट मुहैया कराने वाले नेटवर्क से हो सकता है। फिलहाल एनआईए ने डॉ. जमील को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। टीम उनके घर से लैपटॉप, मोबाइल और कई अहम दस्तावेज जब्त कर रही है, ताकि टेरर फंडिंग के पूरे नेटवर्क की परतें खोली जा सकें। यह कार्रवाई किस विशेष मामले से जुड़ी है, इस बारे में अभी तक एजेंसी की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

27 बच्चों को...

आरोपित तस्करी के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। अधिकारी ने कहा कि फिलहाल वह इससे अधिक जानकारी साझा नहीं कर सकते।

फैसला : सरफराज को...

जब दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान रामगोपाल की हत्या कर दी गई थी इससे पहले बुधवार को आए फैसले में अदालत ने मुख्य आरोपी सरफराज उर्फ रिंकू, उसके पिता अब्दुल हमीद, दो भाइयों फहीम और तालिब उर्फ सबलू सहित 10 आरोपियों को दोषी ठहराया था। गुरुवार दोपहर बाद इन्हें कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। केस को लेकर कचहरी परिसर में सुबह से ही गहमागहमी रही। सजा का फैसला आने से पहले कचहरी परिसर में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। स्थानीय लोग, मृतक पक्ष के परिजन और वकील लगातार कोर्ट की कार्रवाई पर नजर रखे हुए थे। सभी की निगाहें अदालत द्वारा सुनाई जाने वाली सजा पर टिकी रहीं। फैसला आने के बाद लोगों में चर्चाएं तेज हो गईं। रामगोपाल हत्याकांड को 14 महीने पूरे होने वाले हैं। यह वही घटनाक्रम है, जिसने दशहरे जैसे पावन पर्व पर पूरे जिले को हिंसा की आग में झोंक दिया था। पीएसी तैनात हुई, रैपिड एक्शन फोर्स को उतारा गया। डीएम-एसपी खुद डटीं। इसके बाद भी हालात नियंत्रित नहीं हुए। मुख्यमंत्री योगी ने हस्तक्षेप किया और यूपी एटीएस चीफ अमिताभ यश को जिम्मेदारी सौंपी, तब धीरे-धीरे हालात सामान्य होने शुरू हुए।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

थाईलैंड-कंबोडिया संघर्ष तेज सीमा पर हिंसा से बढ़ा तनाव

यूनेस्को ने कहा- प्राचीन हिंदू मंदिर की सुरक्षा जरुरी

एजेंसी । सूरीन (थाईलैंड)

थाईलैंड और कंबोडिया में संघर्ष लगातार भीषण होता जा रहा है। दोनों पक्षों में संघर्ष के दौरान पहली बार नागरिकों की मौत का आधिकारिक आंकड़ा सामने आया है। थाईलैंड की सेना ने गुरुवार को कहा कि कंबोडिया के साथ सीमा पर भारी लड़ाई जारी रहने के बीच तीन थाई नागरिक मारे गए हैं। जबकि 9 सैनिकों की मौत हुई है। वहीं कंबोडिया ने भी 9 लोगों की मौत की पुष्टि की है। यह लड़ाई फिर शुरू होने के बाद थाईलैंड में नागरिकों की पहली मौतें हैं। ताज़ा बड़े पैमाने की लड़ाई की शुरुआत रविवार को उस झड़प से हुई जिसमें दो थाई सैनिक घायल हो गए थे और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जुलाई में पांच दिन की लड़ाई खत्म कराने के लिए लागू कराई गई युद्धविराम व्यवस्था पटरी से उतर गई थी। दोनों पक्षों में यह विवाद सदियों पुराने क्षेत्रीय दावों को लेकर है। नवीनतम लड़ाई में अब तक करीब दो दर्जन लोगों के मारे जाने की खबर है, जबकि सीमा के दोनों तरफ सैकड़ों-हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं और अस्थायी आश्रयों या रिश्तेदारों के पास चले गए हैं। थाई सेना के एक बयान में कहा गया है कि बुधवार रात को कंबोडिया ने तोपखाने और मोर्टार से थाई चौकियों पर हमला किया, जिसके जवाब में थाई सेना ने भी उसी तरह के भारी हथियारों का इस्तेमाल किया और "दुश्मन के ट्रकों को नष्ट कर दिया।

थाईलैंड-कंबोडिया युद्ध दोबारा शुरू होने पर आया ट्रंप का बयान

थाईलैंड-कंबोडिया युद्ध दोबारा शुरू होने पर ट्रंप का पहला बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को फिर युद्धविराम के लिए मनाऊंगा। जुलाई वाले मूल युद्धविराम में मलेशिया ने मध्यस्थता की थी और ट्रंप के दबाव में लागू हुआ था। अक्टूबर में मलेशिया में हुए क्षेत्रीय सम्मेलन में इसे और विस्तार से औपचारिक रुप दिया गया था। युद्धविराम के बावजूद दोनों देशों ने कटु प्रचार युद्ध जारी रखा और सीमा पर छोटी-मोटी हिंसा होती रही। कंबोडिया ने शिकायत की कि थाईलैंड ने युद्धविराम लागू होने के समय पकड़े गए उसके 18 सैनिकों को वापस नहीं किया। वहीं थाईलैंड ने विरोध जताया जब उसकी सीमा पर गश्त कर रहे सैनिकों को नवीन स्थापित बारूदी सुरंगों से चोट लगी।

तोपों से बरसाए जा रहे गोले

कंबोडिया का सरकारी रुख दर्शाने वाला ऑनलाइन न्यूज़ पोर्टल 'फ्रेश न्यूज़' ने बताया कि गुरुवार सुबह भी तोपखाने की द्वंद्वयुद्ध जारी था। इस लड़ाई ने अंतरराष्ट्रीय चिंताएं बढ़ा दी हैं। पोप लियो XIV ने बुधवार को वेटिकन में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वे "नवीनीकृत संघर्ष की खबर से गहरी उदासी महसूस कर रहे हैं।

ट्रंप के चावल टैरिफ खतरे

भारत का बासमती निर्यात मजबूत अमेरिकी उपभोक्ताओं को होगा नुकसान

कृष्णमोहन सिंह

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत पर चावल "डंपिंग" का आरोप लगाया है और अमेरिकी बाजार में भारतीय चावल पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी है। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार वार्ता फिर से जारी है। इस बीच अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि सस्ते आयात से अमेरिकी किसानों को नुकसान हो रहा है, जबकि कई विशेषज्ञ इसे राजनीतिक बयान ही मानते हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा कि भारत "डंपिंग" कर रहा है — यानी स्थानीय कीमत से कम दाम पर चावल अमेरिका में बेच रहा है और इसके लिए भारी टैरिफ देना चाहिए। हालांकि, निर्यात विशेषज्ञों और अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यह आरोप साक्ष्य आधारित नहीं है। वे कहते हैं कि भारतीय बासमती का बाजार एक प्रीमियम निचे (niche) सेगमेंट है, जिसकी मांग भारतीय व्यंजनों के प्रेमियों द्वारा की जाती है और यह अमेरिकी चावल से प्रतिस्पर्धा नहीं करता। अमेरिका पहले से ही भारतीय चावल पर लगभग 50% प्रभावी टैरिफ लगा चुका है — यह रेसिप्रोकल टैरिफ 25% से बढ़ाया गया है, जो अप्रैल से लागू है। अगर अतिरिक्त टैरिफ भी लागू हुआ, तो इसका बोझ मुख्यतः अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ेगा न कि भारतीय किसानों पर।

डंपिंग का आरोप: सच्चाई क्या है?

विशेषज्ञों के अनुसार भारत डंपिंग नहीं कर रहा है। अमेरिका में भारत का निर्यात बहुत छोटा है और उसका लक्ष्य विशेष उपभोक्ता समूह (भारतवंशी समुदाय) है। 2024-25 में भारत ने अमेरिका को लगभग 2.7 लाख टन बासमती और 0.6 लाख टन नॉन-बासमती चावल निर्यात किया, जिसका मूल्य लगभग US$392 मिलियन था — यह भारत के कुल चावल निर्यात का केवल लगभग 3% हिस्सा है। यह निर्यात पहले से ही भारी टैरिफ के तहत हो रहा है, लेकिन अमेरिकी उपभोक्ताओं की मांग स्थिर बनी हुई है और निर्यातक भी यह कह रहे हैं कि यह "भारी टैरिफ एक बड़ी चिंता नहीं है" क्योंकि दुनिया भर में भारत के पास अन्य मजबूत बाजार भी हैं।

भारत के बासमती निर्यात की मजबूती

भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक है और वैश्विक बाजार में लगभग 40% हिस्सेदारी रखता है। यह 170 से अधिक देशों को चावल भेजता है और बासमती की खासियत की वजह से प्रीमियम प्राइस प्राप्त करता है। विशेषत: बासमती चावल की गुणवत्ता, खुशबू और स्वाद ने इसे अमेरिकी उपभोक्ता मंडी में मजबूती से स्थापित किया है। अमेरिकी खुदरा बाजार में यह आम चावल से अलग एक प्रीमियम प्रोडक्ट है और इसकी कोई सटीक स्थानीय प्रतिस्पर्धा नहीं है।

अमेरिकी बाजार व उपभोक्ता प्रभाव : यदि अमेरिका टैरिफ बढ़ाता है, तो इसका मुख्य प्रभाव अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में वृद्धि के रूप में दिखाई देगा। बासमती चावल पहले से महंगा प्रोडक्ट है और टैरिफ बढ़ने पर इसका मूल्य और ऊपर जाएगा। इससे अमेरिकी परिवारों को अधिक खर्च करना पड़ेगा, खासकर भारतीय व्यंजनों के शौकीनों को।अमेरिकी किसानों पर इसका असर अपेक्षाकृत कम होगा क्योंकि भारतीय बासमती मुख्य रूप से प्रीमियम सेगमेंट है और अमेरिकी किसान इसके सीधे प्रतिस्पर्धी नहीं हैं। इसलिए ट्रंप का आरोप व तर्क कई विश्लेषकों और निर्यातकों के हिसाब से कमजोर लगता है। ऐसे में भारतीय चावल पर ट्रंप की टैरिफ धमकी से भारत के किसानों को सीधे गंभीर नुकसान होने की संभावना कम है। भारत के निर्यातक इसके बजाय अन्य बाजारों में व्यापार को बढ़ा रहे हैं और अमेरिका के बाहर भी मांग मजबूत है। सबसे बड़ा प्रभाव अमेरिकी उपभोक्ताओं पर होगा, जिनको बासमती चावल के लिए अधिक भुगतान करना होगा।